रायपुर। शनिवार, 10 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 69/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल झांसी में आज से सीनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप...
@ विचार अजूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेना...
@ व्यापार शेयर बाजार लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद...

खबर झरोखा

भारतीय मूल की नावी पिल्लै को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार

नई दिल्ली। नॉर्वे की नोबेल समिति ने भारतीय मूल की नवनेथम 'नावी' पिल्लै को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार देने का ऐलान किया है। यह पुरस्कार उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए दिया गया है। नोबेल पुरस्कार समिति के अनुसार, साल 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जा रहा है। जिसने असाधारण साहस और ईमानदारी के साथ एक ज्यादा व्यापक वैश्विक कानूनी व्यवस्था की दिशा में नेतृत्व किया है।

इस साल के विजेता ने यह सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है कि युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों और नरसंहार के मामलों में कानूनी कार्रवाई हो। समिति ने बताया कि शांति पुरस्कार पाने वाली नावी पिल्लै ने देशों और राष्ट्रीय नेताओं को जवाबदेह ठहराया है और हिंसा और संघर्ष के पीड़ितों के लिए उम्मीद जगाई है। नावी पिल्लै हमारे समय में अंतरराष्ट्रीय कानूनी सिद्धांतों की महान पैरोकारों में से एक हैं। उनका शानदार करियर हमें कानून के वैश्विक शासन का समर्थन करने, उसे मजबूत करने और उसका विस्तार करने की जरूरत की याद दिलाता है।

यूपी राज्यसभा चुनाव 2026 : बिना वोटिंग के भाजपा 8 और सपा के 2 उम्मीदवार जीते

एजेंसी ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए सियासी तस्वीर साफ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आठ और समाजवादी पार्टी (सपा) के दो उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच में दो निर्दलीय उम्मीदवारों के पर्चे खारिज होने और नाम वापसी की समयसीमा तक किसी अन्य प्रत्याशी के मैदान में नहीं रहने से सभी सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया।

इसके साथ ही 16 अक्टूबर को प्रस्तावित मतदान की आवश्यकता समाप्त हो गई और उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का प्रतिनिधित्व भी खत्म हो गया। भाजपा की ओर से राज्यसभा पहुंचने वालों में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह, भाजपा के प्रदेश ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष प्रकाश पाल, श्रुति गंगवार, विद्यासागर सोनकर, प्रियंका सिंह रावत, राधाकांत ओझा, गोपी कृष्ण पांडेय और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं।

वहीं, सपा के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव और उद्योगपति धनराज परिमल नथवानी ने उच्च सदन में जगह बनाई है। निर्वाचन अधिकारी अजीत कुमार वर्मा ने शुक्रवार को निर्विरोध निर्वाचन की औपचारिकताएं पूरी करते हुए नवनिर्वाचित सदस्यों के प्रमाणपत्र जारी किए। विधानसभा परिसर में आयोजित प्रक्रिया के दौरान भाजपा के अधिकांश उम्मीदवार स्वयं पहुंचे और अपने प्रमाणपत्र प्राप्त किए। राधाकांत ओझा की ओर से उनके प्रतिनिधि ने प्रमाणपत्र लिया, जबकि राम गोपाल यादव की ओर से पूर्व एमएलसी राकेश यादव प्रमाणपत्र लेने पहुंचे। राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद प्रकाश पाल ने कहा कि वह पिछले 36 वर्षों से पार्टी में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। अब सदन में प्रदेश और देश की जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने भाजपा की आठ सीटों पर जीत को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए संकेत बताते हुए दावा किया कि 2027 के चुनाव में भाजपा 80 प्रतिशत सीटें जीतेगी, जबकि विपक्षी गठबंधन को 20 प्रतिशत सीटें मिलेंगी। भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका सिंह रावत ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने इसे भाजपा की कार्यकर्ता आधारित व्यवस्था का उदाहरण बताते हुए कहा कि पार्टी में मेहनत करने वाला कार्यकर्ता उच्च पदों तक पहुंच सकता है। उन्होंने 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने का विश्वास भी जताया। सपा को दो सीटें मिलने से उच्च सदन में उसकी संख्या बढ़कर पांच हो गई है।

पार्टी के मौजूदा सदस्यों में राम गोपाल यादव, जावेद अली, रामजी लाल सुमन और जया बच्चन शामिल हैं। राम गोपाल यादव के दोबारा निर्वाचित होने और धनराज परिमल नथवानी के पहली बार राज्यसभा पहुंचने से पार्टी की स्थिति मजबूत हुई है। नथवानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने उन पर भरोसा जताया है और वह उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास, आधुनिक बुनियादी ढांचे तथा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जुड़े उनके दृष्टिकोण को संसद में आगे बढ़ाने के लिए समर्पित रहेंगे।

उपचुनाव के नतीजे भाजपा-एनडीए के सुशासन पर जनता के भरोसे का प्रमाण : पीएम मोदी

नई दिल्ली। उपचुनावों में भाजपा को मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता का आभार व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यह जीत सुशासन के एजेंडे पर जनता के गहरे भरोसे का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने लिखा, 'लोगों के लगातार मिल रहे आशीर्वाद के लिए उनका आभार। नगांव (असम) के लोकसभा चुनाव और नंदीग्राम व रेजीनगर (पश्चिम बंगाल) के विधानसभा चुनाव के नतीजे एक बार फिर दिखाते हैं कि लोगों का भाजपा-एनडीए के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है।' पीएम मोदी ने जीत हासिल करने वाले सभी भाजपा उम्मीदवारों को बधाई दी और पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'मैं जीत हासिल करने वाले भाजपा उम्मीदवारों को बधाई देता हूं और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की भी सराहना करता हूं।' पश्चिम बंगाल की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

नंदीग्राम उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

हसीरानी रथ ने बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार हसीरानी रथ ने 1,22,753 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से चुनाव जीत लिया है। भाजपा उम्मीदवार को 1,64,427 वोट मिले, वहीं कांग्रेस के मिलन प्रधान 41,674 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे। सीपीआई के शांति गोपाल गिरी 5,779 वोट पाकर तीसरे स्थान और उनके बाद ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (एआईएसएफ) के अली मोहम्मद साबे मिराज खान 1,607 वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे।

रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस सिर्फ 853 वोट पाकर पांचवें स्थान पर रही। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस इस बार नंदीग्राम में चुनावी दौड़ में शामिल नहीं थी, क्योंकि उनकी उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने आखिरी समय में अपना नामांकन वापस ले लिया था, जिसके बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी।

1967 के बाद से नंदीग्राम में किसी भी विजयी उम्मीदवार की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत का अंतर है। पिछला रिकॉर्ड मौजूदा मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नाम था, जब वे 2016 में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर 81,230 वोटों के अंतर से नंदीग्राम से चुने गए थे। नंदीग्राम विधानसभा चुनावों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'उपचुनाव से पहले मैंने कहा था कि इस बार भाजपा उम्मीदवार की जीत का अंतर 2016 में मेरे अपने रिकॉर्ड को पार कर जाएगा। ठीक वैसा ही हुआ। यह तब तक संभव नहीं होता, जब तक हमारे उम्मीदवार को नंदीग्राम में अल्पसंख्यक वोटों का बड़ा हिस्सा नहीं मिलता।'

इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री नंदीग्राम से कुल वोटों के 50.37 प्रतिशत के अंतर से चुने गए थे। इस बार उपचुनाव में भाजपा को वोटों में 25.79 प्रतिशत की सकारात्मक बढ़त मिली, जिसमें रथ को डाले गए कुल वोटों का 75.94 प्रतिशत हिस्सा मिला। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से ममता बनर्जी को 15,000 से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया था। बाद में उन्होंने भवानीपुर सीट अपने पास रखने का फैसला किया, जिसके कारण नंदीग्राम में उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी।

छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती परीक्षा पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ से इस समय एक बड़ी और अहम खबर सामने आ रही है, जहां छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राज्य में होने वाली सहायक शिक्षक और शिक्षक के पदों की लिखित परीक्षाओं के आयोजन पर अंतरिम रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश कृष्णराम महापात्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने भर्ती विज्ञापन में दिव्यांग अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े विवाद को लेकर दायर याचिका पर यह सख्त कदम उठाया है। अदालत के इस आदेश के बाद परीक्षा कार्यक्रम फिलहाल थम गया है, जिससे परीक्षा की तैयारी कर रहे हजारों युवाओं के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है।

भर्ती विज्ञापन और आरक्षण रोस्टर को दी गई है चुनौती

राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक और शिक्षक पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इस भर्ती विज्ञापन की शर्तों और आरक्षण रोस्टर की व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष पक्ष रखते हुए दलील दी कि भर्ती प्रक्रिया में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण लागू करने के तौर-तरीकों में गंभीर त्रुटियां हैं। याचिका में सामान्य प्रशासन विभाग और समाज कल्याण विभाग के पुराने परिपत्रों का हवाला देते हुए वर्तमान रोस्टर की खामियों को उजागर किया गया है।

पूर्णतः दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को बाहर रखने का गंभीर आरोप

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी प्रमुखता से उठाया गया कि भर्ती विज्ञापन में दिव्यांग वर्ग के लिए पद तो आरक्षित किए गए हैं, लेकिन इसके दायरे से पूर्णतः दृष्टिबाधित उम्मीदवारों को बाहर रखा गया है। इसके कारण पूर्णतः दृष्टिबाधित योग्य अभ्यर्थी सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति पाने के अवसर से वंचित हो रहे हैं। याचिका में इसे उनके मूलभूत संवैधानिक अधिकारों का हनन बताया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

बाधित हुआ लिखित परीक्षाओं का निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इन परीक्षाओं के आयोजन के लिए तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। तय समय सारणी के अनुसार, सहायक शिक्षक पद के लिए 11 अक्टूबर को लिखित परीक्षा आयोजित होनी थी, जबकि शिक्षक पद के लिए 25 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की गई थी। अब उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद आयोग का पूरा शेड्यूल प्रभावित हो गया है। भर्ती प्रक्रिया का अगला भविष्य अदालत में होने वाली आगामी सुनवाई और सरकार के रुख पर निर्भर करेगा।

रायपुर में महिला टी-20 क्रिकेट मैच का रोमांच, 250 रुपये से शुरू होंगे टिकट, 12 अक्टूबर से शुरू होगी बुकिंग

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। नया रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमों के बीच तीन अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। मैच 16, 18 और 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे से शुरू होंगे। इन मुकाबलों के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री 12 अक्टूबर को शाम 4 बजे से शुरू होगी। दर्शक महज 250 रुपये में मैच का रोमांच स्टेडियम में बैठकर देख सकेंगे। दोनों टीमों की तीनों मैच देखने के लिए 499 रुपये का सीरीज टिकट भी उपलब्ध रहेगा। इस बात की जानकारी छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के निदेशक विजय शाह ने दी।

250 रुपये में मिलेगा टिकट

भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों के लिए टिकट की अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। लोअर स्टैंड के स्टैंड नंबर 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 और 9 में बैठकर मैच देखने के लिए 250 रुपये खर्च करने होंगे। तीनों मैचों का सीरीज टिकट 499 रुपये में मिलेगा। दो लोगों के लिए एक मैच का कॉम्बो टिकट 350 रुपये और चार लोगों के लिए एक मैच का कॉम्बो टिकट 600 रुपये रखा गया है। यानी दोस्तों और परिवार के साथ मैच देखने की योजना बना रहे दर्शकों के लिए भी अलग विकल्प उपलब्ध हैं।

भारत जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम का मैच

आयोजकों की ओर से जारी टिकट दरों के अनुसार, लोअर स्टैंड के अलावा पवेलियन स्टैंड में भी दर्शकों को अलग-अलग श्रेणियों के विकल्प मिलेंगे। लोअर स्टैंड (स्टैंड नंबर 2 से 9): 250 रुपए, तीनों मैचों का सीरीज टिकट: 499 रुपए, कॉम्बो टिकट (2 व्यक्ति, 1 मैच): 350रुपए, कॉम्बो टिकट (4 व्यक्ति, 1 मैच): 600 रुपए, सिल्वर स्टैंड (चौथी मंजिल): 2,000 रुपए, गोल्ड स्टैंड: 2,500 रुपए, प्लैटिनम स्टैंड: 3,500 रुपए, कॉर्पोरेट बॉक्स (सिंगल टिकट): 3,500 रुपए।

टिकट डिजिटल होंगे, त्तक्र कोड स्कैन कर मिलेगी स्टेडियम में एंट्री

मैचों के लिए टिकट बिक्री 12 अक्टूबर को शाम 4 बजे से शुरू होगी। टिकट व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल रखी गई है। ऐसे में दर्शकों को फिजिकल टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी। ऑनलाइन टिकट बुक करने के बाद मिलने वाले त्तक्र कोड को स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर स्कैन कराकर एंट्री मिलेगी। एक व्यक्ति एक आईडी से एक बार में अधिकतम छह टिकट बुक कर सकेगा। दर्शकों को सलाह है कि बुकिंग शुरू होने से पहले टिकट बिक्री से जुड़े आधिकारिक प्लेटफॉर्म की जानकारी हासिल कर लें।

गृह मंत्रालय का आदेश, दिल्ली में 4 किमी के दायरे में 24 घंटे बंद रहेगा इंटरनेट

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले जनपथ-कर्तव्य पथ क्रॉसिंग के आसपास चार किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 24 घंटे के लिए निलंबित रहेंगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 9 अक्टूबर की रात 10 बजे से 10 अक्टूबर की रात 10 बजे तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी। गृह मंत्रालय ने इस अस्थायी निलंबन को मंजूरी दी है। आदेश के तहत मोबाइल इंटरनेट की सभी तकनीकों पर रोक लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया, जियो और एमटीएनएल सहित संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को आदेश का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

वोटर लिस्ट में नाम नहीं है? छत्तीसगढ़ में चल रहा विशेष अभियान

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य छूटे हुए पात्र नागरिकों का सत्यापन करना और पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं का पंजीकरण करना है।

इसके तहत 17 वर्ष या उससे अधिक आयु के भावी मतदाताओं से भी फॉर्म-6 भरवाए जा रहे हैं। पात्र नागरिक ऑनलाइन या अपने क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी (BLO) के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

छूटे हुए मतदाताओं का होगा सत्यापन

निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। इसके लिए उन लोगों की पहचान की जा रही है, जिनका नाम विभिन्न कारणों से मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया या पहले सूची से हटा दिया गया। ऐसे पात्र नागरिकों का पुनर्सत्यापन किया जाएगा। चिन्हित लोगों से मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 भरवाया जाएगा। विभिन्न कारणों से हटाई गई प्रविष्टियों की सूची जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

बुधवार और गुरुवार को मतदान केंद्रों पर विशेष व्यवस्था

विशेष अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (BLO) प्रत्येक सप्ताह बुधवार और गुरुवार को मतदान केंद्र स्तर पर निर्धारित विशेष कार्यालयीन समय में उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान मतदाता पंजीकरण से संबंधित आवेदन और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसके अलावा, शुक्रवार और शनिवार को युवा एवं भावी मतदाताओं के पंजीकरण के लिए शैक्षणिक संस्थानों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों का आयोजन इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से किया जाएगा।

स्कूल-कॉलेजों में भी लगेंगे पंजीकरण शिविर

अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में भी मतदाता पंजीकरण का काम किया जा रहा है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले युवाओं को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। शिविर की तारीख और संस्थान का निर्धारण जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय करेगा। अभियान का उद्देश्य पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं को पंजीकरण प्रक्रिया से जोड़ना है। विशेष अभियान को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए प्रत्येक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। प्रशिक्षण में युवा मतदाताओं के पंजीकरण और विभिन्न कारणों से हटाई गई प्रविष्टियों के पुनर्सत्यापन से जुड़ी प्रक्रिया शामिल है। [illegible] अभियान के दौरान प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ साझा करेंगे। भरे गए फॉर्म-6 और क्षेत्र सत्यापन रिपोर्ट संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को भेजी जाएगी। प्राप्त आवेदनों पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचकों का पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदान केंद्रवार तैयार सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ भी साझा की जाएगी।

घर बैठे ऑनलाइन भर सकते हैं फॉर्म-6

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए पात्र नागरिकों के पास ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प हैं। मतदाता पंजीकरण से जुड़ी सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

ECINET मोबाइल ऐप या निर्वाचन आयोग की वेबसाइट 222.1oters.eci.gov.in के माध्यम से फॉर्म-6 भरकर आवेदन किया जा सकता है।

तीर तेवर — सागर कुमार

कोयला लेवी घोटाले का 25 लाख रुपया कुमार विश्वास को कवि सम्मेलन के लिए दिया गया था !

युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा प्रशिक्षण, रोजगार के खुलेंगे नए अवसर

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल शैक्षणिक योग्यता तक सीमित न रखते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुखी कौशल से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एवं कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू), तकनीकी शिक्षा में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत तथा प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

चार संस्थाओं के साथ एमओयू से युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण

दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2026 के समापन अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से चार संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों में उपयोग होने वाले व्यावहारिक कौशल की जानकारी प्राप्त होगी।

इसी प्रकार अडानी समूह के सहयोग से आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और रोजगार क्षमता में वृद्धि के लिए नांदी फाउंडेशन के सहयोग से सॉफ्ट स्किल, अंग्रेजी संवाद कौशल, साक्षात्कार की तैयारी एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पिछले वर्ष इस संस्था के माध्यम से छह हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था। इस वर्ष भी आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लगभग 48 से 50 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त जंगल सफारी में विभिन्न ट्रेडों से संबंधित कौशल प्रशिक्षण के लिए भी संस्थाओं के साथ एमओयू की पहल की जा रही है। इससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर। प्रदेश के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से थर्ड पार्टी मूल्यांकन कराया गया है।

रायपुर दूधाधारी बजरंग गर्ल्स कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर के प्रसिद्ध शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय (DB गर्ल्स कॉलेज) में छात्राओं की सुविधाओं और परिसर के कायाकल्प को लेकर बड़ी पहल की जा रही है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.जया तिवारी द्वारा उच्च शिक्षा संचालनालय के अपर संचालक को प्रेषित किए गए प्रतिवेदन में परिसर की व्यवस्थाओं और भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है।

प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय का मुख्य भवन लगभग 60 वर्ष पुराना हो चुका है, जिसे लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा डिस्मेंटल करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके साथ ही संस्थान की ओर से पूरे महाविद्यालय का विस्तृत रिनोवेशन कराने हेतु एक विशेष प्रस्ताव संचालनालय उच्च शिक्षा को भेजा गया है।

छात्राओं की दैनिक सुविधाओं और हाइजीन का ध्यान रखते हुए कॉलेज प्रशासन कई स्तरों पर कार्य कर रहा है। परिसर में पेयजल के लिए 7 वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक खराब वाटर कूलर की तत्काल मरम्मत कराई जा रही है। स्वच्छता और हाइजीन के मानकों को देखते हुए वाटर कूलर के पास गिलास नहीं रखे गए हैं। इसके अलावा, पुरानी सेनेटरी वेंडिंग मशीन के अनुपयोगी होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर के समन्वय से 03 नई वेंडिंग और डिस्पोजल मशीनें अति-शीघ्र स्थापित करने की योजना है।

महाविद्यालय में छात्राओं के अध्ययन और कक्षाओं के वातावरण को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी कमरों में पर्याप्त पंखे व ट्यूब लाइट उपलब्ध हैं, और किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी आने पर उन्हें तुरंत दुरुस्त किया जाता है। साथ ही पर्याप्त संख्या में मौजूद शौचालयों एवं कक्षाओं की नियमित साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूती देने के लिए कॉलेज का समृद्ध ग्रंथालय 60 हजार से अधिक पुस्तकों के साथ आधुनिक SOVL 2.0 सॉफ्टवेयर एवं OPEC सुविधा से लैस है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगी गर्मी, कई जगह हुई हल्की बारिश

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब मौसम का अलग-अलग रंग देखने को मिल रहा है। राजधानी में बारिश के बाद दोपहर की गर्मी लौट आई है, जबकि उत्तरी और मध्य हिस्सों में कहीं-कहीं बादल बरस रहे हैं। मानसून की वापसी के बीच प्रदेश में बारिश की गतिविधियां कम होने के आसार हैं। शुक्रवार को रायपुर का आसमान साफ रह सकता है, हालांकि राज्य के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

राजधानी में दोपहर रहेगी गर्म

शुक्रवार को अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। पिछले 24 घंटों में राजधानी का अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कैट छत्तीसगढ़ ने आरएडीए के नवनियुक्त पदाधिकारियों का किया सम्मान

अमर पारवानी ने दी सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं

विश्व केसरी■

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि देश के प्रमुख व्यापारिक संगठनों में शामिल कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (RADA) के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान कर उन्हें नवीन दायित्वों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर व्यापारिक संगठनों के बीच आपसी समन्वय, एकजुटता और व्यापारियों के हितों को मजबूती से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी ने कहा कि RADA के नवनियुक्त पदाधिकारी अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता और समर्पण से संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से RADA के अध्यक्ष कैलाश खेमानी, उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, सचिव मुकेश सिंघानिया एवं कोषाध्यक्ष अभिनव ऋषि सहित पूरी टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

पारवानी ने कहा कि किसी भी संगठन का दायित्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि उससे जुड़े व्यापारियों के विश्वास पर खरा उतरना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि RADA की नई टीम नई ऊर्जा, दूरदर्शिता और सकारात्मक सोच के साथ ऑटोमोबाइल व्यापारियों के हितों की रक्षा करेगी तथा संगठन की प्रतिष्ठा को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर नवोदित छात्र छात्राओं ने पेश की सांस्कृतिक झलक

विश्व केसरी■

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस एवं अभीउन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ टी एल चंद्रा, निदेशक फोरेंसिक विभाग मुख्य अतिथि के रूप में मौजूदगी रही वही कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने की आयोजन में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं के द्वारा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित अतिथियों से प्रशंसा मिली वहीं सांस्कृतिक आयोजन से पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ चंद्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना का मूल उद्देश्य सामाजिक सद्भावना को आगे बढ़ाना है उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर शहर और ग्रामीण दोनों क्षेत्र में स्वास्थ्य शिक्षा स्वच्छता सहित कई विषयों पर कार्य करके आम लोगों को जागृत और प्रेरित करने का कार्य करते हैं इससे समाज में एक स्वस्थ माहौल तैयार हो पता है जो समाज के विस्तार और सौंदर्य के लिए उत्तम है।

आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी विचार रखे और बताया कि महंत कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की विद्यार्थी ग्रामों में जाकर किस तरह से स्वास्थ शिक्षा स्वस्थ मनोरंजन और साक्षरता के साथ स्वच्छता पर आम लोगों को प्रेरणा देने का काम करते हैं प्राचार्य ने कहा कि योजना से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में भी विकास हो पता है।

छत्तीसगढ़ में कैंसर मरीजों को मिलेगी उन्नत इलाज की सुविधा

हैदराबाद के ओमेगा हास्पिटल और मेडिसाइन हास्पिटल की साझेदारी

विश्व केसरी■

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कैंसर मरीजों को आधुनिक जांच, विशेषज्ञ परामर्श और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में नई पहल की गई है। हैदराबाद के ओमेगा हॉस्पिटल और रायपुर के मेडिशाइन हॉस्पिटल ने कैंसर देखभाल सेवाओं के विस्तार के लिए साझेदारी शुरू की है। इस सहयोग के तहत ओमेगा मेडिशाइन एसोसिएशन की औपचारिक शुरुआत की गई। साथ ही व्यापक कैंसर देखभाल केंद्र (Comprehensive Cancer Care Centre) की आधारशिला भी रखी गई।

इस पहल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में कैंसर के मरीजों को एक ही जगह पर जांच से लेकर उपचार और इलाज के दौरान जरूरी सहयोग तक की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना है। इससे दूसरे शहरों में इलाज कराने जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों की यात्रा, समय और व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां कम करने में मदद मिल सकती है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ रहे कैंसर के मामले

कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच समय पर जांच और विशेषज्ञों की उपलब्धता स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। जारी जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 में कैंसर के 30,763 मामले और वर्ष 2025 में 31,553 मामले दर्ज किए गए।

वहीं, वर्ष 2024 से जून 2026 तक 17,611 नए मामलों का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, इन आंकड़ों की अवधि और श्रेणियों को लेकर स्पष्टता जरूरी है।

ऐसे में कैंसर की समय पर पहचान, सटीक निदान और उपचार की सुविधाओं का विस्तार मरीजों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

एक ही केंद्र पर मिलेंगी कैंसर उपचार से जुड़ी कई सेवाएं

ओमेगा हॉस्पिटल और श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल के बीच हुई साझेदारी के तहत कैंसर उपचार से संबंधित विभिन्न चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। इसमें मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी जैसी विशेषज्ञ सेवाएं शामिल हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36132..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36132

वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455J00004** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SURJBALI GUPTA** पिता / पति श्री/श्रीमती **MATADIN GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **GOMTA PRASAD GUPTA** पिता / पति श्री श्रीमती **S/O LT. MATADIN GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35998..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35998

वार्ड का नाम - 33 शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR332F00004 जो की निगम अभिलेख श्री । श्रीमती **UMA DEVI SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती प्रीती शर्मा पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. रामगोपाल शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति। संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36079..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36079

वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR**104H00379 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GANESH PRASAD KHETAN** पिता / पति श्री श्रीमती **LATE TEJPAL KHETAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **KAILASH KUMAR KHETAN** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. GANESH PRASAD KHETAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.**SHAPAT PATRA** 02.**DEATH CERTIFICATE** 03. B1 04. **TAX RASID** 05. **FOUTI NAMANTRA KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36097..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36097

वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104E00101 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती.. Ripusudan Sahu पिता / पति श्री श्रीमती Dasharath Sahu के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **DHANESHWARI VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O BHUPENDRA VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.**MALMA VIKRAYA IKARARNAMA** 02. **SHAPAT PATRA** 03. **TAX RASHI KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा । आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36084..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36084

वार्ड का नाम 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR653C0063A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **CHANDRAPRAKASH SAHU** पिता / पति श्री श्रीमती **CHHOTKA SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NAMESHWAR SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती S/O SHATRUGHAN SAH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA OR PANCHNAMA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36086..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36086

वार्ड का नाम 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR653C0005B जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती CHANDRAPRAKASH SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती CHHOTKA SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NANDKISHOR SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती S/O SANTOSH SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAHMATI PATRA OR SHAPATH PATRA OR PANCHNAMA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36087..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36087

वार्ड का नाम 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

नाम एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR653C00005 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती CHANDRAPRAKASH SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती CHHOTKA SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती VINOD KUMAR SAHU पिता / पति श्री श्रीमती S/O CHHOTKA RAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA OR PANCHNAMA / वंशानुक्रम । अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36088..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36088

वार्ड का नाम 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652F0307B जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DURGESH NANDINI SONI पिता / पति श्री श्रीमती GAURI SHANKAR SONI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **REKHA BAI MESHRAM** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O ANIL MESHRAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36124..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36124

वार्ड का नाम 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652D00363 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DURGA JAISWAL पिता / पति श्री/श्रीमती **RAVI KUMAR JAISWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **TABASSUM BANO** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O MOHAMMAD JAVED** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36172..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36172

वार्ड का नाम 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652F01339 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MEENAKSHI DEWANGAN** पिता / पति श्री श्रीमती **SAGAR KUMAR DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **GAURI SAGAR** पिता / पति श्री श्रीमती **W/O CHHOTU SAGAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....9571..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9571

वार्ड का नाम 61 - श्यामाप्रसाद मुखर्जी

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663Q0538A जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MS KASHYAP CONS. BY PARTNER, RAJIV KASHYAP S/O S.R. KASHYAP, PURNIMA BAIS W/O HITENDRA BAIS, KAMLA KASHYAP W/O S.R. S.R. KASHYAP BY RAJIV KASHYAP S/O S.R. KASHYAP** पिता/पति श्री श्रीमती SR KASHYAP के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **KUMARI MINAKSHI CHOUHAN** पिता/पति श्री **KISHOR KUMAR CHOUHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा। आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36196..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36196

वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR455100213 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUNANDA GUPTA** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE ASHOK KUMAR GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SURAJ GUPTA** पिता / पति श्री श्रीमती **W/O LT. ASHOK GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAPATH PATRA, SAHMATI MATI PATRA PATRA OR OR PANCHNAMA PANCHNAMA OR DEATH CERTIFICATE** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

अब कीचड़ से मिलेगी मुक्ति, संजय नगर में सीसी रोड की सौगात!

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। नगर पंचायत छुरा के वार्ड क्रमांक-01 स्थित संजय नगर के रहवासियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से सड़क की समस्या से जूझ रहे वार्डवासियों को अब कीचड़ और आवागमन की परेशानी से निजात मिलने की उम्मीद जगी है। ठाकुर सर के घर से केनाल तक सीसी रोड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। बारिश के दिनों में कीचड़ और बदहाल रास्ते के कारण होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद के बीच वार्डवासियों ने इस पहल को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नगर पंचायत छुरा में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में यह निर्माण कार्य वार्डवासियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीसी रोड बनने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और सड़क की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

हर वार्ड तक विकास पहुंचाना हमारा संकल्प : लुकेश्वरी निषाद

भूमिपूजन अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने कहा कि नगर का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है। छुरा के प्रत्येक वार्ड में रहने वाले नागरिकों को बेहतर सड़क, नाली, प्रकाश और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। विकास का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और आम नागरिकों को रोजमर्रा की समस्याओं से राहत मिले।

उन्होंने कहा कि वार्ड क्रमांक-01 संजय नगर में ठाकुर सर के घर से केनाल तक सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सड़क जैसी बुनियादी सुविधा लोगों की दैनिक जिंदगी से सीधे जुड़ी होती है। रास्ता खराब होने पर बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य नागरिकों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ती है। सीसी रोड निर्माण से इस समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी और वार्डवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

अध्यक्ष निषाद ने आगे कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि किसी भी वार्ड को विकास की सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े। नागरिकों की जरूरतों और स्थानीय समस्याओं को प्राथमिकता देकर निर्माण कार्यों को गति दी जाएगी। छुरा नगर के विकास का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि नगर के विकास में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देकर छुरा को बेहतर सुविधाओं वाला नगर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में कदम

नगर में सड़क, नाली और प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। संजय नगर में सीसी रोड निर्माण की पहल से वार्डवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर ऐसे निर्माण कार्य न केवल आवागमन को आसान बनाते हैं, बल्कि मोहल्ले की बुनियादी व्यवस्था को भी मजबूत करते हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद, उपाध्यक्ष समीम खान, सभापति भोलेशंकर, बलराज पटेल, रजनी लहरे, पार्षद सलीम मेमन, हरीश यादव, गरिमा ध्रुव, रामजी दिवान, एल्डरमैन धर्मेंद्र चंद्राकर, ओबीसी मोर्चा महामंत्री थानसिंग निषाद, ओबीसी मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी भवानीशंकर सेन, खिलावन चंद्राकर, हेमा देवांगन, शोभा साहू, आसकरण टंडन सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

सीसी रोड निर्माण की इस पहल से संजय नगर के रहवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। अब वार्डवासियों की निगाहें निर्माण कार्य के समय पर पूरा होने पर टिकी हैं, ताकि उन्हें जल्द से जल्द कीचड़ और खराब रास्ते की परेशानी से राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री साय को बस्तर दशहरा का न्योता

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री साय को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस अवसर पर बस्तर दशहरा समिति के प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पारंपरिक पागा पहनाकर सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर दशहरा के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बस्तर दशहरा हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, आस्था और सामूहिक सहभागिता की अमूल्य विरासत है। 75 दिनों तक चलने वाला यह ऐतिहासिक पर्व मां दंतेश्वरी की आराधना और बस्तर की जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं का अनूठा संगम है। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व देश दुनिया के सामने बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करता है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष बस्तर दशहरा के महत्वपूर्ण रस्म 'मुरिया दरबार' में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का आगमन हुआ था। वहीं इस वर्ष देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के मुरिया दरबार में शामिल होने की संभावना है। राष्ट्रपति को मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के केबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल तथा बस्तर लोकसभा सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप द्वारा नई दिल्ली में आमंत्रित किया गया है। बस्तर दशहरा प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री साय को बस्तर दशहरा की आगामी रस्मों, आयोजन की तैयारियों एवं परंपरागत कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने बस्तर की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की सफलता की कामना की।

जांच टीम ने अल्ट्रा टेक सीमेंट प्लांट का किया निरीक्षण, कमियों को दूर करने नोटिस

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार संयुक्त दल द्वारा शुक्रवार को कारखाना अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कुकुरडीह का निरीक्षण किया गया।कारखाने में संग्रहित अपशिष्ट पदार्थों के रख-रखाव के संबंध में पायी गई कमियों को दूर करने हेतु कारख़ाना प्रबंधन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

इस दौरान जांच दल द्वारा कारखाने में स्थापित शेड की जांच की गई एवं संग्रहित अपशिष्ट पदार्थो के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। अपशिष्ट पदार्थो के बेहतर रख- रखाव सहित अन्य सुरक्षा मानको के सम्बन्ध मे जरुरी निर्देश दिये गए। नोटिस के सम्बन्ध मे कमियों को दूर नहीं किए जाने पर कारखाने के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी । जाँच दल में उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी तथा खनिज विभाग के अधिकारी शामिल थे।

नवरात्रि, दशहरा एवं प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने हुई बैठक

विश्व केसरी

पिथौरा (नीशू माटा)। एसडीओपी अजीत ओगरे ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगर में गरबा उत्सव पारंपरिक रूप से धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने सभी आयोजकों से अपील की कि कार्यक्रमों के दौरान निर्धारित समय-सीमा और ध्वनि विस्तारक यंत्रों से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। इसके साथ ही, त्यौहारों और विसर्जन के दौरान नगर में यातायात व्यवस्था सुगम बनाए रखने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य रूप से एसडीएम शुभम देव, तहसीलदार मोहित अमिला , एसडीओपी अजीत ओगरे, थाना प्रभारी सिद्धार्थ मिश्रा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष वीरेन तिवारी एवं शीतला समिति अध्यक्ष प्रेमलाल सिन्हा उपस्थित रहे।

इसके साथ ही सुरेश बंसल, राजिंदर खनूजा , नंद किशोर अग्रवाल,बलराज नायडू परमीत सिंह माटा, विजय गुप्ता, जतिन ठक्कर, रमेश श्रीवास्तव, लोचन चौहान, सुमित अग्रवाल, जितेंद्र सिंह, गोपाल शर्मा, विकास अग्रवाल, सतीश ध्रुव, विक्की सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और मीडिया प्रतिनिधि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कसडोल के ग्राम मल्दा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने गुरुवार को कसडोल तहसील के ग्राम मल्दा में कार्रवाई करते हुए एक घर से तीन बड़े कार्टून दवाइयां जब्त की हैं। जब्त दवाइयों में लगभग 40 प्रकार की ब्रांडेड एवं एथिकल एलोपैथिक औषधियां शामिल हैं। औषधि निरीक्षक के अनुसार, शिकायत के आधार पर टीम ने ग्राम मल्दा निवासी हरनारायण केवट के निवास स्थान पर जांच की। इस दौरान बड़ी मात्रा में विभिन्न प्रकार की दवाइयां मिलीं। टीम ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा नियम, 1945 के तहत फॉर्म-16 जब्ती पत्रक के माध्यम से तीन बड़े कार्टून दवाइयां जब्त कीं।

शिक्षिका निशा साहू कलेक्टर द्वारा सम्मानित

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। उच्च माध्यमिक शाला बिजागुडा, विकासखण्ड बकावंड की शिक्षिका निशा साहू* को उनके उत्कृष्ट शिक्षण कार्य एवं नवाचारों के लिए जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया।

साहू विद्यालय में नई-नई नवाचार तकनीकों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मविश्वासी बना रही हैं। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि नृत्य, नाट्यकला, गीत, खेल एवं अन्य सहशैक्षणिक गतिविधियों में भी बच्चों को अव्वल बनाने में उनका विशेष योगदान रहा है। उनके इसी समर्पण और मेहनत के लिए जिले में संचालित विनोबा भावे कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें जिला कलेक्टर महोदय के कर-कमलों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के पुलिस अधीक्षक महोदय एवं जिला समन्वयक अशोक पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

शिक्षिका के इस सम्मान से पूरे विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र में खुशी की लहर है।

इंदु कश्यप ने शुरू की नि:शुल्क कोचिंग क्लास

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सरपंच परिवार ने सराहनीय पहल शुरू की है। ग्राम पंचायत के सरपंच संतोष कुमार कश्यप लगातार पंचायत क्षेत्र में संचालित शालाओं और आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर शिक्षण स्तर और मध्यान्ह भोजन एवं पोषण आहार की गुणवत्ता को उच्च बनाए रखने के प्रयास में लगे रहते हैं, अब उनकी धर्मपत्नी इंदु कश्यप ने भी 8 अक्टूबर से गांव के बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग कक्षा शुरू की है।

छोटे देवड़ा में नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस आयोजन प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक पंचायत भवन व सामुदायिक भवन में किया जा रहा है। इसमें कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषय की पढ़ाई कराई जा रही है। विशेष तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उन बच्चों को इसका लाभ मिलेगा, जो निजी ट्यूशन या कोचिंग का खर्च वहन नहीं कर पाते हैं। कोचिंग के पहले दिन ही 30 से अधिक बच्चे पढ़ाई के लिए इंदु मैडम की क्लास में पहुंचे। बच्चों के साथ पालकों में भी इस पहल को लेकर उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बच्चों को घर के नजदीक ही नि:शुल्क अतिरिक्त पढ़ाई की सुविधा मिलने से उनकी पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी। इंदु कश्यप ने कहा कि गांव के गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर अवसर मिल सके और आर्थिक परेशानी उनकी शिक्षा में बाधा न बने, इसी उद्देश्य से नि:शुल्क कोचिंग शुरू की गई है। उन्होंने पालकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से कोचिंग कक्षा में भेजने की अपील की है। ग्रामीणों ने सरपंच परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव में शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रयास है। इससे जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिए अतिरिक्त सहयोग मिलेगा।

सर्व आदिवासी समाज के युवाओं ने रायपुर में प्रादेशिक युवा सम्मेलन में भरे हुंकार

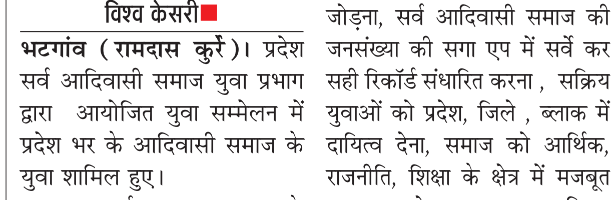

विश्व केसरी

भटगांव (रामदास कुर्रे)। प्रदेश सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन में प्रदेश भर के आदिवासी समाज के युवा शामिल हुए।

यह कार्यक्रम नया रायपुर के टीआरटीआई भवन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य सर्व आदिवासी समाज के युवा प्रभाग को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान कर प्रदेश भर के 1 लाख युवाओं को जोड़ना, सर्व आदिवासी समाज की जनसंख्या की सगा एप में सर्वे कर सही रिकॉर्ड संधारित करना , सक्रिय युवाओं को प्रदेश, जिले , ब्लाक में दायित्व देना, समाज को आर्थिक, राजनीति, शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत बनाना सम्मेलन का प्रमुख विषय रहा। समाज के युवाओं में सम्मेलन में खुलकर अपने अपने बात रहे और , यूसीसी कानून को लेकर आंदोलन करने का प्रस्ताव भी पारित किए।

कैफे पंडुम ने जीत लिया 'दिल्ली' का दिल

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में भाग लेने जगदलपुर पहुंचे भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी सहित केंद्र सरकार और विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को जगदलपुर स्थित 'कैफे पंडुम' का भ्रमण किया। हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा से जुड़े पुनर्वासित युवाओं द्वारा संचालित यह कैफे आज बस्तर में स्वावलंबन, पुनर्वास और सामाजिक बदलाव की एक मिसाल बन चुका है।

कैफे पंडुम भ्रमण के दौरान बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने कैफे के संचालन, इसकी अवधारणा तथा इससे जुड़े परिवारों के आजीविका संवर्धन से संबंधित प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार यह पहल पीड़ितों और मुख्यधारा में लौटे लोगों को सम्मानजनक जीवन और आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। अधिकारियों ने कैफे की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, आतिथ्य और स्थानीय स्तर पर शुरू किए गए इस सामाजिक व आर्थिक नवाचार की मुक्तकंठ से सराहना की। वहीं उन्होंने इन युवाओं से चर्चा का उनका उत्साहवर्धन किया।इस कैफे के शांत वातावरण, आत्मीय आतिथ्य और लजीज व्यंजनों से प्रभावित होकर अधिकारियों ने कहा कि यह बेहद खूबसूरती और सूझबूझ से परिकल्पित किया गया एक ऐसा कैफे है, जो सादगी और प्राकृतिक रंगों के साथ-साथ अत्यंत जीवंत भी है। उन्होंने यहां के माहौल, भोजन और इससे जुड़ी हर बात की दिल खोलकर तारीफ की। राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के इस भ्रमण और सकारात्मक प्रतिक्रिया से कैफे का संचालन कर रहे युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

युवा अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों में लगाएं : तोमर

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे युवाओं को विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को युवा उड़ान 2026 का आयोजन जिला ऑडिटोरियम बलौदाबाजार मे किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से युवाओं को कैरियर मार्गदर्शन,साइबर सिक्योरिटी के सम्बन्ध मे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि युवा पीढ़ी आने वाले भारत के भविष्य है,विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिये युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक कार्यों मे लगानी होगी। नकारात्मक माहौल बनाने वालों का कभी साथ न दें। देश के लिये क्या सही है उस दिशा मे आगे बढ़े.उन्होंने कहा कि जो सपने देखे हैं उसे पूरा करने के लिये पूरी ताकत लगा दें, माता - पिता और परिवार का विश्वास कभी न तोड़ें।उन्होंने कहा अपने परिश्रम से खेल के क्षेत्र मे संजू देवी और भुनेश्वरी यादव ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं के विश्वास को मजबूत करने के लिये पीएससी परीक्षा को पारदर्शी बनाया। अब जो अभ्यर्थी जितनी मेहनत किया है उसी के अनुसार पद पर चयन हो रहा है। हमारी सरकार युवाओं को खेल मे आगे बढ़ाने खेल अधोसंरचाना एवं सुविधाओं मे इजाफा कर रही है। कलेक्टर कुलदीप शराब ने कहा कि आने वाले 5 साल का लक्ष्य रखे और उसे पूरा करने मेहनत करें,समय का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थिति मे मुश्किल होता है लेकिन उससे सीख मिलती है,अच्छे परिणाम भी मिलते है। तूफान आने पर पेड गिरते है और नष्ट हो जाते है लेकिन उसके फल धरती पर गिरकर अंकुरित होते है और पुनः पेड बन जाते हैं।ऐसे ही मुश्किल क्षण बीतता है और नया पल आता है।

संपादकीय

कन्या से मां तक, हर रूप में विराजित है शक्ति- यही है सनातन की खूबसूरती

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

सनातन संस्कृति की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यहां देवी केवल मंदिरों में नहीं रहतीं, वे हमारे घरों में भी सांस लेती हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में हम जिस शक्ति की आराधना करते हैं, वह शक्ति हमारे जीवन में पूरे वर्ष, बल्कि पूरी जिंदगी हमारे साथ रहती है। फर्क सिर्फ इतना है कि मंदिर में हम उसे मां दुर्गा कहते हैं और घर में कभी मां, कभी बेटी, कभी पत्नी और कभी बहन के रूप में पहचानते हैं। नवरात्रि आती है तो हम घर में कलश स्थापित करते हैं, अखंड ज्योति जलाते हैं, माता की पूजा करते हैं और कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनके चरण धोते हैं। लेकिन जरा ठहरकर सोचिए, जिस कन्या को हम नौवें दिन देवी मानकर पूजते हैं, क्या हम उसके जन्म के समय भी उतनी ही खुशी मनाते हैं? जिस मां के चरणों में सिर रखकर हम आशीर्वाद मांगते हैं, क्या उसके बूढ़े होने पर उसके लिए हमारे पास उतना ही समय होता है?

मां केवल नौ दिनों के लिए नहीं आती। मां तो हर दिन हमारे घर में होती है। वह मां है, जो हमें जन्म देने के लिए स्वयं पीड़ा से गुजरती है, लेकिन अपनी संतान पर कोई आंच नहीं आने देती। बच्चे की एक छोटी-सी तकलीफ उसके लिए पूरी दुनिया की सबसे बड़ी चिंता बन जाती है। वह रातों की नींद भूल जाती है, अपनी इच्छाएं पीछे छोड़ देती है, लेकिन बच्चे की खुशी में ही अपनी खुशी खोज लेती है।

वह कन्या बनकर हमारे घर में जन्म लेती है। जिस घर में उसकी किलकारी गूंजती है, वहां खुशियां आती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिस समाज में कन्या को देवी कहकर पूजा जाता है, वहीं आज भी कहीं उसके जन्म पर चिंता की जाती है। नवरात्रि हमें सिर्फ कन्या पूजन नहीं, कन्या के सम्मान का संस्कार भी सिखाती है।

वह पत्नी बनकर लक्ष्मी का स्वरूप धारण करती है। घर की आय चाहे कितनी भी हो, वह अपनी समझ से परिवार की जरूरतों को संभालती है। पैसा कमाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे सही ढंग से बचाना और परिवार के भविष्य के लिए जोड़कर रखना भी कम बड़ी जिम्मेदारी नहीं। उसकी बचाई हुई छोटी-छोटी रकम कई बार घर की बड़ी जरूरतों में काम आती है। वह अपनी इच्छाओं को टालकर परिवार के सपनों को पूरा करती रहती है।

वह अन्नपूर्णा बनकर पूरे परिवार का पेट भरती है। कई बार खुद भूखी रहकर भी पूछती है, 'सबने खाना खा लिया?' उसके लिए परिवार का पेट भरना केवल जिम्मेदारी नहीं, प्रेम है। रसोई में घंटों खड़ी रहने वाली उस स्त्री के हाथों में केवल भोजन नहीं, पूरे परिवार के लिए ममता पकती है।

वह सरस्वती बनकर अपने बच्चों को शिक्षा देती है। किताबें स्कूल में ज्ञान देती हैं, लेकिन जीवन जीने का पहला पाठ मां की गोद में मिलता है। वह बच्चों को केवल पढ़ना नहीं सिखाती, बल्कि बड़ों का सम्मान, छोटों से प्रेम, सत्य बोलना, मेहनत करना और संस्कारों के साथ जीना सिखाती है। और जब परिवार पर संकट आता है तो वही स्त्री दुर्गा बन जाती है। जिसके हाथों ने बच्चों को सहलाया, वही हाथ जरूरत पड़ने पर उनकी रक्षा के लिए उठ खड़े होते हैं। उसमें ममता भी है और शक्ति भी; करुणा भी है और साहस भी।

इसलिए नवरात्रि का अर्थ केवल नौ दिनों तक दीप जलाना नहीं है। इसका अर्थ उस स्त्री के भीतर मौजूद शक्ति को पहचानना भी है, जिसे हम रोज देखते हैं और अक्सर सामान्य समझकर अनदेखा कर देते हैं।

जिस मां के लिए हम मंदिर में घंटियां बजाते हैं, उसी मां की आवाज घर में सुनना भी सीखिए। जिस कन्या को हम देवी मानकर पूजते हैं, उसके सपनों की रक्षा भी कीजिए। जिस पत्नी को लक्ष्मी कहते हैं, उसके श्रम और त्याग का सम्मान भी कीजिए और जिस स्त्री को दुर्गा कहते हैं, उसे कमजोर समझने की भूल मत कीजिए।

नवरात्रि हमें याद दिलाती है कि देवी को खोजने के लिए हमेशा मंदिर जाने की जरूरत नहीं। कभी अपनी मां के पास बैठिए, कभी बेटी का हाथ पकड़िए, कभी पत्नी के त्याग को महसूस कीजिए।

शायद तब समझ आएगा कि माता नौ दिनों के लिए नहीं आतीं, वह तो हर दिन हमारे घर में किसी न किसी रूप में हमारे साथ रहती हैं। यही सनातन संस्कृति की खूबसूरती है, यह देवी की पूजा करना ही नहीं सिखाती, बल्कि स्त्री में देवी को पहचानना भी सिखाती है।

अचूक, अभेद्य और सटीक भारतीय वायु सेनाः गर्व के साथ सफलता की ऊंचाइयों को छूते हुए

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

भारतीय वायु सेना 8 अक्टूबर को अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। अमेरिका और रूस के बाद लगातार पांचवें साल दुनिया की तीसरी सबसे ताकतवर वायु सेना बनी आईएएफ के पास 250 से अधिक सुखोई-30एमकेआई और राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं। वायु सेना अपनी सामरिक ताकत का भव्य फ्लाई-पास्ट इस साल वाराणसी में आयोजित करेगी।

भारतीय वायु सेना (आई. ए. एफ.) आज (8 अक्टूबर, 2026) अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। यह दिन हवाई सुरक्षा, रणनीतिक प्रतिरोध और मानवीय सेवा के लगभग एक सदी के सफल सफर को दर्शाता है।

भी पढ़ें: द्धस्र प्रमुख द्वड्डह्ल क्क्रद्दद्धह्ल स्द्बठ्ठद्दद्ध ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को किया याद! कहा- दुनिया ने देखी भारत की 'विध्वंसक ताकत', वायु सेना हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार

वायु सेना दिवस क्यों मनाया जाता है

भारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो 1932 में हमारी वायु सेना की आधिकारिक स्थापना की याद दिलाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान 'रॉयल ??इंडियन एयर फ़ोर्स' के रूप में स्थापित, वायु सेना ने 1950 में अपने नाम से 'रॉयल' शब्द हटा दिया। यह दिन उन वायु योद्धाओं (सेवानिवृत्त एवं सेवारत) के साहस, पेशेवर रवैये और बलिदान का सम्मान करता है, जो शांति और संघर्ष के समय भारत के हवाई क्षेत्र, सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करते हैं।

भारतीय वायु सेना दिवस समारोह भव्यता, सटीकता और टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। सालाना एयर डिस्प्ले और फ्लाईपास्ट में फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर के तालमेल वाले हवाई करतब शामिल होते हैं। एयर-वॉरियर परेड में पुरुष और महिला दोनों तरह के कर्मियों का सटीक तालमेल वाला मार्च होता है, जो अनुशासन और मिलिट्री अंदाज़ को दिखाता है।

कार्यक्रम को आम जनता तक पहुँचाने के लिए हर साल जगहें बदली जाती हैं, जैसे हिंडन एयर फ़ोर्स बेस, चंडीगढ़ और प्रयागराज। इस साल वाराणसी में 22, 23 और 25 अक्टूबर को फ्लाई-पास्ट डिस्प्ले होगा।

कैंपेन में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) और रक्षा मंत्रालय की तरफ़ से ऑफिशियल प्रमोशनल रिलीज़ शामिल हैं, जिनमें डायनामिक वीडियो कंटेंट होता है, जैसे 2026 का कैंपेन जिसकी थीम है, 'इंडियन एयर फ़ोर्स: अचूक, अभेद्य और सटीक।'

वायु सेना की मुख्य बातें

2022 से लगातार पांचवें साल, भारतीय वायु सेना दुनिया भर में अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर है। यह युद्ध में खुद को साबित कर चुकी और अनुभवी सेना है। साथ ही, यह इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना है जो लगातार युद्ध अभियानों में शामिल रही है। 2019 में बालाकोट, 2020 से 2025 तक लद्दाख एल ए सी गतिरोध और मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों ने भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी तक हमला करने और हवाई सुरक्षा की क्षमताओं को दिखाया है। ऑपरेशन का अनुभव इसकी एक बड़ी ताकत है।

भारतीय वायु सेना 250 से ज़्यादा एसयू-30एम के आई एयर-डोमिनेंस फाइटर जेट्स का संचालन करती है। इन्हें एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार और अस्त्र मार्क2 मिसाइलों के साथ 'सुपर सुखोई' मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। राफेल 4.5-जेनरेशन फाइटर जेट्स, जो मीटियोर और स्कैल्प मिसाइलों और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट से लैस हैं, 'ऑपरेशन सिंदूर' में बहुत असरदार साबित हुए। जल्द ही राफेल का एक नया वेरिएंट आने की उम्मीद है। तेजस मार्क-1, अपग्रेडेड मिग-29यूपीजी, मिराज-2000 और जगुआर फाइटर जेट्स जैसे अन्य प्लेटफॉर्म भी अलग-अलग तरह की ऑपरेशनल क्षमताएं प्रदान करते हैं। लेह (10,700 फीट की ऊंचाई) से लेकर कार निकोबार जैसी जगहों से काम करने की भारतीय वायु सेना की क्षमता इसे क्षेत्र की एकमात्र ऐसी वायु सेना बनाती है जो लगातार ऊंचाई वाले इलाकों में ऑपरेशन करने में सक्षम है। भारतीय वायु सेना एस-400 और आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम के साथ आईएसीसीएस और एएफनेट का इस्तेमाल करके असरदार इंटीग्रेटेड नेट-सेंट्रिक ऑपरेशन करती है। ये प्लेटफ़ॉर्म एक यूनिफाइड नेटवर्क के तौर पर काम करते हैं। एयर वॉरियर्स ने टेक्नोलॉजी-बेस्ड ऑपरेशन के तरीके को सफलतापूर्वक अपना लिया है।

वायु सेना का ट्रेनिंग का तरीका सबसे अच्छे तरीकों में से एक है और भारतीय वायु सेना के पायलटों ने कई इंटरनेशनल एक्सरसाइज़ जीती हैं।

'आत्मनिर्भर भारत' पहल और देश में ही मॉडर्नाइज़ेशन पर ध्यान देने के अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। भारतीय वायु सेना ने 180 तेजस मार्क -1ए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है और आमका (ए एम सी ए), फिफ्थ-जेनरेशन फाइटर, कैटस् टीमिंग ड्रोन और स्वदेशी अस्त्र बी वी आर मिसाइल को मंजूरी दी है। ये कदम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं, साथ ही बदलाव के दौर में क्षमता की कमियों को दूर करने के लिए लगातार कोशिशें ज़रूरी हैं।

एयर फ़ोर्स की उपलब्धियाँ

कई दशकों के इतिहास में, भारतीय वायु सेना बाइप्लेन के एक छोटे से बेड़े से बढ़कर दुनिया की टॉप पाँच सबसे ताकतवर एयर फ़ोर्स में से एक बन गई है। इसकी मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं:

के समय बहादुरी: बड़े मिलिट्री ऑपरेशन्स में अहम भूमिका, जिसमें दूसरा विश्व युद्ध; 1948, 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष; 1999 का कारगिल युद्ध शामिल हैं। और 2019 के बालाकोट ऑपरेशन जैसे सटीक क्रॉस-बॉर्डर हमले।

का आधुनिकीकरण और स्वदेशी इनोवेशन: पुराने आयातित विमानों से हटकर राफेल और एसयू-30एम के आई जैसे एडवांस्ड मल्टी-रोल फाइटर जेट, तेजस जैसे स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान, सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-295 जैसे आधुनिक भारी-भरकम सामान ढोने वाले विमान, और स्वार्म ड्रोन व ड्रोनाथॉन जैसी नई तकनीकों को अपनाना।

सहायता और आपदा राहत (एच ए डी आर): राष्ट्रीय आपातकाल, बाढ़ और भूकंप के दौरान ज़रूरी बचाव अभियान चलाना, और विदेशों में संघर्ष वाले इलाकों में फँसे नागरिकों और मेडिकल सप्लाई को एयरलिफ्ट करना।

शानदार क्षमताओं के बावजूद, भारतीय वायु सेना को ऑपरेशन, स्ट्रक्चर और प्लानिंग से जुड़ी अहम चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों की संख्या में काफी कमी आ रही है। हालाँकि 42 फाइटर स्क्वाड्रन की मंज़ूरी है, लेकिन अभी संख्या इससे कम है। 2030 के दशक में इनके और कम होने की उम्मीद है क्योंकि मिग-21, मिग-29, जगुआर और मिराज-2000 जैसे पुराने बेड़े तेज़ी से रिटायर हो रहे हैं और उनकी जगह नए विमान उतनी तेज़ी से नहीं आ रहे हैं। यह बढ़ता अंतर भविष्य की तैयारी के लिए सेना के आधुनिकीकरण को बहुत ज़रूरी बनाता है। एयर चीफ मार्शल एयर मार्शल ए.पी. सिंह ने 3 अक्टूबर 2026 को कहा, 'हमारी संख्या कम है, लेकिन हम कमज़ोर नहीं हैं,' जो भारतीय वायु सेना की मौजूदा स्थिति को दर्शाता है।

2021 में ऑर्डर किए गए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए का एक स्क्वाड्रन साल के आखिर तक शामिल कर लिया जाएगा। तेजस मार्क-2 की पहली उड़ान सितंबर 2027 तक होने की संभावना है, जबकि आमका (ए एम सी ए) की पहली उड़ान सितंबर 2028 तक होने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना उत्तरी सीमा पर लंबे समय से चल रहे और बहुत अहम सैन्य गतिरोध को संभाल रही है, साथ ही परमाणु हथियार वाले पश्चिमी पड़ोसी के खिलाफ रणनीतिक तैयारी भी बनाए हुए है।

चीन का सैन्य बुनियादी ढांचे, एयरफील्ड और क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्टील्थ क्षमताओं जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों का तेज़ी से आधुनिकीकरण क्षेत्रीय निर्माण क्षमताओं से कहीं आगे निकल रहा है। इससे प्रभावी 'फोर्स मल्टीप्लायर' (सैन्य क्षमता बढ़ाने वाले साधनों) और लगातार आधुनिकीकरण के ज़रिए सीमित संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करने की ज़रूरत बढ़ जाती है। इन-फ्लाइट रिफ्यूलर (आई एल-78), एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स), लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरी और मज़बूत अनमैन्ड एरियल कॉम्बैट सिस्टम (यू ए एस) जैसे अहम 'फोर्स मल्टीप्लायर' की कुल संख्या में अभी भी कमी है, जिससे इन क्षमताओं को बड़े पैमाने पर तैनात करने में सीमाएँ आती हैं। भारतीय वायु सेना की लगातार प्रभावशीलता बनाए रखने के रोडमैप के लिए इन कमियों को दूर करना ज़रूरी है।

लोकतंत्र बचाओः अदालत में सुनवाई , बाहर पूर्व जजों की चिट्ठी!

राकेश अचल

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है.चुनाव आयोग को नोटिस जारी हो चुके हैं.मामला अदालत के विचाराधीन है.ऐसे समय में देश के 272 नागरिकों और 42 पूर्व न्यायाधीशों की ओर से चुनाव आयोग के एस आई आर का खुलकर समर्थन करते हुए चिट्ठी सामने आती है.

सवाल बहुत सीधा है—क्या किसी संवैधानिक संस्था के पक्ष में सार्वजनिक अभियान चलाना, जबकि उसी संस्था की कार्यप्रणाली पर देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाई चल रही हो, सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश नहीं माना जाना चाहिए?

मैं यह नहीं कह रहा कि पूर्व न्यायाधीशों को अपनी राय रखने का अधिकार नहीं है.बिल्कुल है.लेकिन सवाल यह है कि समय क्या है और मामला क्या है?एक तरफ अदालत में एस आई आर की वैधानिकता और मतदाता सूची से जुड़े गंभीर सवाल हैं.

दूसरी तरफ सड़क पर राजनीतिक दल और नागरिक संगठन विरोध कर रहे हैं.और इसी बीच पूर्व न्यायाधीश कहते हैं—संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद सवाल मत उठाइए,विपक्ष माहौल बिगाड़ रहा है.शिकायत है तो संवैधानिक मंच पर जाइए.

ठीक है.लेकिन फिर मेरा सवाल है—क्या जनता को सड़क पर सवाल पूछने का भी अधिकार नहीं है?लोकतंत्र में सड़क भी एक संवैधानिक विमर्श का हिस्सा है.और अगर लाखों मतदाताओं को अपनी मतदाता सूची को लेकर चिंता है तो उनकी चिंता को सिर्फ 'राजनीतिक शोर' कहकर खारिज कर देना कितना लोकतांत्रिक है?

और सबसे बड़ा सवाल—जब मतदाता सूची में इतने बड़े पैमाने पर बदलाव की आशंका जताई जा रही थी, तब ये आवाजें कहाँ थीं?क्या उस समय सब कुछ ठीक था?

और अब जब सवाल सुप्रीम कोर्ट

तक पहुँच गया है, तब चुनाव आयोग के समर्थन में खुली चिट्ठी क्यों?यह सवाल पूछना भी तो लोकतंत्र का हिस्सा है.पूर्व न्यायाधीशों ने जस्टिस उज्वल भुइयां की एस आई आर संबंधी टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई है और कहा है कि विचाराधीन मामले पर मौजूदा जजों को सार्वजनिक टिप्पणी से बचना चाहिए.

तो फिर एक और सवाल—अगर मौजूदा न्यायाधीश को विचाराधीन मामले पर सार्वजनिक टिप्पणी से बचना चाहिए, तो क्या पूर्व न्यायाधीशों द्वारा उसी विचाराधीन मामले के एक पक्ष—चुनाव आयोग—के समर्थन में सार्वजनिक पत्र लिखने पर भी नैतिक सवाल नहीं उठना चाहिए?

मैं फैसला नहीं सुना रहा।फैसला सुप्रीम कोर्ट को करना है।

लेकिन जनता सवाल जरूर पूछेगी.क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत न चुनाव आयोग है, न सरकार, न विपक्ष.सबसे बड़ी ताकत है मतदाता.और अगर मतदाता अपनी वोटर लिस्ट को लेकर सवाल पूछ रहा है तो उसे जवाब चाहिए, उपदेश नहीं.

इसलिए सवाल फिर वही—एस आई आर का विरोध करने वाली जनता गलत है, ?या एस आई आर पर सवाल उठाना लोकतंत्र का अधिकार है?और अगर 272 नागरिक और 42 पूर्व न्यायाधीश चुनाव आयोग के समर्थन में खुली चिट्ठी लिख सकते हैं,तो क्या एस आई आर पर सवाल उठाने वाले करोड़ों नागरिकों को भी खुली आवाज का अधिकार नहीं होना चाहिए?

पत्र में चेतावनी दी गई है कि लोकतंत्र में केंचुआ जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर बार-बार बेबुनियाद सवाल खड़े नहीं किए जाने चाहिए. पूर्व जजों ने विपक्ष के विरोध को 'माहौल बनाने की सियासत' करार दिया है.दिल्ली हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस शिव नारायण ढींगरा को लगता है कि 'ये सारा शोर मतदाताओं का नहीं, बल्कि वो राजनीतिक दल मचा रहे हैं जो चुनाव जीतने में नाकाम रहे हैं.'

एस आई आर का बचाव करते हुए पूर्व जजों ने कहा कि ये पूरी तरह से एक कानूनी प्रक्रिया है जिसका मकसद साफ-सुथरी और सही वोटर लिस्ट तैयार करना है. 'भरोसा ही लोकतंत्र की असली मुद्रा है' और चुनावों को अमान्य ठहराने की ऐसी कोशिशें देश में अशांति और अराजकता को बढ़ावा दे सकते हैं.सवाल ये है कि जनता का भरोसा तोडा किसने? ज्ञानेश कुमार ने या विपक्ष ने?

मजे की बात ये है कि पत्र में राजनीतिक दलों से अपील की गई है कि वो अपनी शिकायतों को संवैधानिक और कानूनी मंचों पर रखें, न कि सड़कों पर संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाएं.ये अपील सरकार से नही की गयी कि सरकार जनता के मताधिकार और असहमति के अधिकार की भी रक्षा करे.

वास्तव में लगता है कि ये खत जबरन लिखवाया गया है उन पूर्व राजदूतों,न्यायाधीशों और रा तथा एन ए आई के पूर्व प्रमुखो से ताकि विपक्ष के आंदोलन को कमजोर किया जा सके और सुप्रीम कोर्ट को प्रभावित किया जा सके.लेकिन होना जाना कुछ नहीं है.ये पब्लिक है.ये सब जानती है.

बोध कथा

बोध कथा : देश की समस्याएं और हमारी जिम्मेदारी

भारत एक विशाल और विविधताओं से भरा देश है। आज देश में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, प्रदूषण और शिक्षा जैसी कई समस्याएं चर्चा में रहती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का भी कर्तव्य है।

एक गांव में दो मित्र रहते थे। एक हमेशा देश की समस्याओं के लिए सरकार को दोष देता था, जबकि दूसरा अपनी जिम्मेदारी निभाने में विश्वास रखता था। एक दिन गांव में गंदगी फैल गई। पहला मित्र बैठकर शिकायत करता रहा, लेकिन दूसरे ने सफाई शुरू कर दी। उसे देखकर धीरे-धीरे गांव के अन्य लोग भी साथ आ गए। कुछ ही घंटों में गांव साफ हो गया।

देखकर पहले मित्र को समझ आया कि बदलाव की शुरुआत स्वयं से करनी चाहिए।

इसी तरह, यदि हर भारतीय ईमानदारी अपनाए, नियमों का पालन करे, पानी बचाए, शिक्षा को बढ़ावा दे और भेदभाव से दूर रहे, तो देश की अनेक समस्याओं को कम किया जा सकता है।

शिक्षा: देश को बेहतर बनाने के लिए केवल सवाल उठाना नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी है।

कविता

स्याही का सफ़र

मोनिका डागा :आनंद

की थी एक दिन नई शुरुआत,
कुछ टूटे-फूटे शब्दों के साथ,
भावों का समंदर उफन रहा था,
मन कुछ लिखने को कह रहा था ।

जानती न थी लेखन की दिशा,
प्रेरणा मिली दूर करने को निशा,
धन्यवाद को ही सर्वप्रथम चुना,
अभिव्यक्ति स्वरूप कुछ बुना ।

हृदय का भाव था मंगल कामना,
मन ने आत्मा की आवाज को सुना,
निकल पड़े यूँ ही स्याही के सफ़र पर,
थोड़ा सहमें हुए बढ़े धीरे-धीरे चलकर ।

वो भेजता गया अपने फरिश्तों को,
साथ लिए दुआओं की पोटली को,
कई उतार-चढ़ाव बीच में आते गए,
उदासी-मुस्कुराहट संग लिए सीखते गए ।

गुरु कृपा का अमृत पान किया,
अंत:करण को चिंता मुक्त किया,
बस अब जो प्रभु लिखवाता है,
उसी का नाम ले लिख देते हैं ।

अंत तक जारी रहेगा अंजाना,
स्याही का 'आनंद' सफ़र सुहाना,
ये जीवन प्रभु का ही प्रताप है,
दूर किया उसने सारा विलाप है ।

व्यंग्य केसरी

देशभक्ति की थर्मामीटर

बेबाक बनारसी

हमने इतना भर कहा कि इस देश में गद्दार बढ़ रहे हैं', तो वे मुझे घूर कर देखने लगे,फिर बोले 'मैं समझ रहा हूं कि आपका इशारा किसकी ओर है!' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, ' आपकी तरफ तो बिल्कुल नहीं है.आप तो जबरदस्त देशभक्त होंगे' सज्जन की जुबान लड़खड़ाने लगी. बोले, ' हां हां इसमें कोई शक?' मैंने फौरन कहा, 'तो फिर बोलिए वंदे मातरम!' वे चिढ़ गए और बोले, ' साम्प्रदायिकता की बात मत करो! विडंबना यह है कि जब आप किसी से पूछते हैं कि भाई, जरा उंगली उठाकर उस गद्दार का पता तो बताओ, तो उसकी खुद की उंगलियां आपस में उलझ जाती हैं।

उस सज्जन की जुबान का लड़खड़ाना कोई इत्तेफाक नहीं था। यह हमारे समाज के एक बहुत बड़े वर्ग का मनोवैज्ञानिक सच है। वे हर मंच से देशप्रेम की लंबी-चौड़ी परिभाषाएं लिख सकते हैं, शेरो-शायरी कर सकते हैं और दूसरों की निष्ठा पर सवालिया निशान लगा सकते हैं। लेकिन जैसे ही उनसे यह कहा जाए कि जरा अपने ही पाले हुए उसूलों पर खरे उतरकर दिखा दीजिए—मिसाल के तौर पर, बस एक बार सप्रेम 'वंदे मातरम' का नारा लगा दीजिए—तो उनके पैरों तले जमीन खिसक जाती है।

?तुरंत उनके मुंह से जो ब्रह्मस्त्र निकलता है, वह है: 'साम्प्रदायिकता की बात मत करो! ?यहाँ आकर गजब का मानसिक व्यायाम शुरू होता है। जिस नारे को कभी स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश की अस्मिता का प्रतीक बनाया था, उसे आज के तथाकथित 'सेक्युलर' और सुविधाभोगी नायकों ने अचानक एक धर्म-विशेष के दायरे में कैद कर दिया है। सवाल यह है कि यदि कोई नारा इस देश की माटी, इसकी नदियों और इसके गौरव का गान करता है, तो वह अचानक साम्प्रदायिक कैसे हो जाता है? क्या राष्ट्रभक्ति भी अब किसी विशेष पार्टी, एजेंडे या धर्म के पेटेंट के अधीन आ गई है?

हमारे देश में देशभक्ति को लेकर दो तरह के चश्मे बिकते हैं। एक चश्मा वह है जो दूसरों की देशभक्ति को हमेशा शक की निगाह से देखता है, और दूसरा वह है जो खुद पर जरा सी आंच आते ही अपनी निष्ठा को बचाने के लिए संविधान, सेक्युलरिज्म और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर छुपने की जगह तलाशने लगता है। ?जब तक आप देश की समस्याओं पर सामान्य टिप्पणी करते हैं, तब तक आप एक प्रगतिशील विचारक हैं। लेकिन जैसे ही आप राष्ट्रवाद की कसौटी पर किसी को सीधा खड़ा कर देते हैं, वैसे ही लोकतंत्र के ये स्वयंभू ठेकेदार असहज हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी देशभक्ति का मुखौटा अब उतरने वाला है।

?सज्जन का चिढ़ जाना इस बात का सबूत है कि चोर की दाढ़ी में तिनका नहीं, बल्कि पूरा का पूरा तिनकों का गोदाम है। वे चाहते हैं कि देश में गद्दारों पर बहस हो, लेकिन उसका निशाना हमेशा कोई और होना चाहिए—वे खुद नहीं।

?क्या आपको नहीं लगता कि जो लोग महज़ एक नारे या राष्ट्र-गीत के उच्चारण मात्र से इतने असहज हो जाते हैं, वे असल में देश की वैचारिक जमीन को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं?

इतिहास

10 अक्टूबर का दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, महान व्यक्तियों के जन्म और विश्व स्तर पर मनाए जाने वाले दिवसों के लिए जाना जाता है। इस दिन भारत और दुनिया में राजनीति, साहित्य, विज्ञान तथा समाज से जुड़ी कई उल्लेखनीय घटनाएं हुईं।

10 अक्टूबर की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1845: अमेरिका की नौसेना अकादमी (यूएस नेवल अकादमी) की स्थापना मैरीलैंड के एनापोलिस में हुई।

1964: जापान की राजधानी टोक्यो में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल शुरू हुए। ये एशिया में आयोजित पहले ओलंपिक थे।

1967: बाह्य अंतरिक्ष संधि लागू हुई, जिसने अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों की नींव रखी।

जनहित सर्वोपरि, गुणवत्ता से समझौता नहीं: उप मुख्यमंत्री साव

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने रामानुजगंज के बटालियन कैम्प में अपने विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की। कृषि मंत्री रामविचार नेताम और सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की उपस्थिति में हुई इस बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि वे सेवा और समर्पण भाव से कार्य करें और आमजन के हित को सर्वोपरि रखें।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि बलरामपुर छत्तीसगढ़ का अंतिम छोर का जिला नहीं, बल्कि प्रमुख और प्रथम स्थान का जिला है। आपसी समन्वय से इसे हर क्षेत्र में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सहयोगी साथियों को साथ लेकर युद्धस्तर पर काम करें और योजनाओं को मूर्त रूप दें। हर कार्य में गंभीरता और समयबद्धता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जनमानस की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पहली प्राथमिकता हो और केन्द्र व राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में जिले की हर सड़क की वर्तमान स्थिति पर बिंदुवार चर्चा हुई। साव ने कहा कि सड़क आमजन से सीधे जुड़ा विषय है, इसे नजरअंदाज करने की भूल न करें। उन्होंने अभियंताओं को गुणवत्ता से समझौता किए बिना प्रगतिरत कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने की बात कही। वर्तमान में जिले में 339.98 किलोमीटर की 25 सड़कें, 19 भवन और 114 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 22 पुल-पुलिया निर्माणाधीन हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 343 के उन्नयन में पैकेज-1 का 30 प्रतिशत और पैकेज-3 का 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नई योजनाओं के प्रस्ताव लोगों की वास्तविक आवश्यकता पर केन्द्रित हों। उन्होंने कार्यपालन अभियंता पीएचई से पंचायतों को हस्तांतरित नल-जल योजनाओं की स्थिति जानी। उन्होंने कहा कि जिन घरों तक पानी पहुंच चुका है, वहां के ग्रामीणों को भी योजनाओं की देखरेख की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही सभी सरपंचों की कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए गए, ताकि बेहतर संचालन करने वाली पंचायतें से दूसरी पंचायतें सीख सकें। जिले में 1 लाख 47 हजार से अधिक घरों तक नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं, जिससे लगभग 4 लाख की आबादी लाभान्वित हो रही है। स्वीकृत 2,124 में से 1,059 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और 81 ग्राम हर घर जल प्रमाणित हैं। नगरीय निकायों की समीक्षा में साव ने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों से बिंदुवार जानकारी ली। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के शेष आवासों की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने विशेष अभियान शुरू

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र नागरिकों एवं नए युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पहली बार मतदान के पात्र बने युवाओं तथा अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके नागरिकों के नाम जोड़े जाएंगे। यह कार्य बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत किया जाएगा। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता और सहयोग से यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी की कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और सभी पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान का उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में पंजीयन सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने और मतदाता सूची में अपना पंजीकरण विधिवत सुनिश्चित करने की अपील की है। मतदाता सूची में अपना पंजीकरण करने के लिए ईसीआईनेट मोबाइल एप्प या वेबसाइट https://voters.eci.gov.in के माध्यम से फॉर्म 6 में ऑनलाईन आवेदन भी किया जा सकता है।

राज्यपाल ने किया 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप का शुभारंभ

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ : राज्यपाल

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल डेका सरकंडा स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ कर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलो से 240 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भाग ले रहे है।

राज्यपाल डेका ने कहा कि खेल हमें प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया और कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

प्रदेश की खेल प्रतिभाएं बढ़ा रही हैं छत्तीसगढ़ का गौरव - राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हेमवती नाग ने खेलो इंडिया नेशनल गेम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीता कोरेटी ने ताइवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

चेंबर ऑफ कॉमर्स भानुप्रतापपुर इकाई के नए सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। चेंबर ऑफ कॉमर्स भानुप्रतापपुर इकाई द्वारा संगठन से जुड़े नवीन 50 सदस्यों को आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र वितरित किया गया हैं। व नए सदस्य बनने हेतु कुछ और व्यापारियों ने भी सहमति दी है इस अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया।

भानुप्रतापपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी ने चेंबर आपकी कॉमर्स की पूर्व में सदस्यता 3500 में की गई थी अब जो नई सदस्यता होगी वह 5100 की होगी जो की 15 अगस्त से लागू हो चुकी है भानुप्रतापपुर इकाई अपने सदस्य को की संख्या लगातार बढ़ा रही है कुछ नए व्यापारियों ने भी सदस्यता लेने की सहमति दी है। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने और व्यापारियों के हितों को आगे बढ़ाने में प्रत्येक सदस्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। आजीवन सदस्यता के माध्यम से अधिक से अधिक व्यापारियों को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। चेंबर ऑफ कॉमर्स भानुप्रतापपुर इकाई व्यापारिक हित,सामाजिक कार्य के लिए हमेशा आगे रहती। नवीन सदस्यता प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, व्यापारी संघ के अध्यक्ष चैंबर, जिला मंत्री राकेश रामानी ,अध्यक्ष यश कुथुरिया ,महामंत्री नमन जैन, उपाध्यक्ष प्रदीप नवलानी, मंत्री अजय लखानी, मंत्री लक्ष्मण मखीजा, विवेक गुप्ता,मोंटी कुलदीप, व अन्य सदस्य शामिल थे।

सक्ती में कांग्रेस ने फूंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार,छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी सक्ती द्वारा आज 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह ' के तहत,' वोट बचाओ देश बचाओ' नारे के साथ एवं दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष माननीय राहुल गांधी जी एवं इंडिया गठबंधन के नेताओं एवं सांसदो के साथ अलोकतांत्रिक तरीके से बर्बरतापूर्ण कार्यवाही के विरोध में आज भारतीय इतिहास का ' काला दिवस ' के रूप में प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च कर कचहरी चौक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रश्मि गभेल, विधायक जैजैपुर बालेश्वर साहू , पूर्व विधायक चैन सिंह सामले जिला प्रतिनिधि डा गुलजार सिंह, त्रिलोक जायसवाल,जिला महामंत्री गण गिरधर जायसवाल पिंटू ठाकुर घनश्याम देवांगन अमित राठौर, राजीव जायसवाल, ताम्रध्वज चंद्रा, बोधसाय चंद्रा ओमप्रकाश पटेल, उपाध्यक्षगण बलराम पांडेय, अमरसिंह बनाफर, रुप नारायण साहू, ताराचंद साहू , भुनेश्वर चंद्रा, नीतेश वर्मा,सचिव चन्द्रकुमार सोनी, राजेन्द्र यादव, भीष्म देव भारती, पूर्णिमा खूंटे, राजेन्द्रयादव , सुनील पटेल,, सन्नी यादव,दूजराम साहू, नगर कांग्रेस अध्यक्ष राकेश राठौर, राकेश गबेल,ग्रामीण अध्यक्ष रामप्यारे सिदार, श्याम कुमार केवट, गोपाल भारद्वाज, लंकेश्वरी देवा लहरें , चन्द्रकुमार गबेल , सोनू तंबोली, प्रकाश गबेल, , अमित राठौर,, विजया जायसवाल, महबूब खान, नरेश गेवाडीन ,लाला सोनी, जीवेन्द्र राठौर , भूरु अग्रवाल, राशिद खान,प्रेम राठौर, छोटूदास महंत,समेलाल जायसवाल, रवीन्द्र राठौर, आनंद नायक, उमंग गबेल , प्रेमसिंह नेताम, गायत्री सिदार,सहसराम कर्ष, राजू राठौड़, नवधा मौरे,बलराम वैष्णव, विनय चंद्रा , जागेश्वर राज , श्याम सोनी, ,कालू अग्रवाल, साधेश्वर गबेल, अयोध्या भारद्वाज, समेलाल गबेल , राजेश खुंटे, रोहित यादव, ज्योतिष गर्ग, राकेश रोशन महंत, पीयूष राय, मनोज जायसवाल, खगेश्वर चंद्रा, सोनी रात्रे , उमेश यादव, प्रदीप पटेल, सुंदर पटेल, ताराचंद साहू,कमल चंद्रा , सफीक अहमद , रोहित चंद्रा, अमरनाथ साहू,बबला महंत, ज्योति गबेल, रामेश्वरी पटेल, गीता देवांगन, विजया जायसवाल,अल्का जायसवाल, गायत्री सिदार, लच्छीराम यादव , सुरेश अजगल्ले, रवि देवांगन, कार्तिक साहू, भीष्म साहू,खगेश गबेल, श्याम साहू, रामकुमार राठौर , घनश्याम गबेल ,पूरन गबेल, इंडिया गठबंधन से कामरेड अनिल शर्मा जी एवं उनके सहयोगी साथी गण, ब्लाक कांग्रेस पदाधिकारी चन्द्र कुमार, विजय चंद्रा, अशोक गबेल, नंदलाल सिदार,शांतिभुषण बनाफर, विजय सूर्यवंशी, पप्पू खान, नारायण गभेल,शैलेश अजगल्ले,प्रेम प्रधान, जागेश्वर सिंह राज, प्यारेलाल पटेल, रथराम पटेल, पुरूषोत्तम साहू,देवा लहरें, सोमनाथ, उमेश साहू,विशाल जांगड़े , रिजवान कुरैशी,प्रेम राठौर, शिवप्रसाद साहू ,प्रताप चन्द्रा, दिवाकर यादव प्रदेश सचिव, सुरेन्द्र भार्गव प्रदेश सचिव,विनय चंद्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026 को लेकर जागरूकता कार्यशाला

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' के अंतर्गत विगत दिवस अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, नगरदा में जागरूकता कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सक्ती द्वारा किया गया।

कार्यशाला के दौरान पूर्व विधायक डॉ. खिलावन साहू ने छात्र-छात्राओं को नवाचार के प्रति मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं सांसद प्रतिनिधि गोपाल जायसवाल ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, नगरदा के प्राध्यापक द्वारा इनोवेशन प्रोग्राम के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सक्ती के सहायक प्रबंधक ने भी छात्र-छात्राओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की। कार्यशाला के अंत में अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, नगरदा के प्राध्यापक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए जागरूकता कार्यशाला का समापन किया गया। इस अवसर पर अरुण साहू, प्राध्यापकगण, अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय नगरदा के सहायक प्राध्यापक एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सक्ती के सहायक प्रबंधक सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त बलरामपुर के लिए 'जोश' कार्यक्रम का शुभारंभ

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी से गति देने के लिए आज जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में जोश (जॉइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में इसका राष्ट्रीय शुभारंभ किया, जिसका सीधा प्रसारण उपस्थित लोगों ने देखा।

स्वास्थ्य, युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा रक्षा मंत्रालय की इस संयुक्त पहल में प्रथम श्रेणी के अधिकारी, माई भारत स्वयंसेवक और एनसीसी कैडेट गांव-गांव तक टीबी की पहचान, जांच, उपचार और पोषण का संदेश पहुंचाएंगे। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंचों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिले में तीन वर्षों में टीबी मुक्त पंचायतों की संख्या 20 से बढ़कर 216 तक पहुंची है। यह इस बात का प्रमाण है कि पंचायत, स्वास्थ्य अमला और समुदाय मिलकर काम करें तो टीबी को हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य पूरे जिले को टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच और नियमित दवा के साथ पोषण सहायता सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि टीबी का इलाज पूरी तरह संभव और निःशुल्क है, इसलिए लक्षण दिखते ही जांच कराना और दवा का पूरा कोर्स लेना सबसे जरूरी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेटों और मितानिनों से इस अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया और सभी को टीबी मुक्त बलरामपुर की शपथ दिलाई।

जुआ खेलते 11 आरोपी गिरफ्तार 50,300 रुपए

विश्व केसरी

अकलतरा (नीरज शर्मा)। थाना अकलतरा पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम कोटगढ़ और बाना में दबिश देकर काटपत्ती नामक जुआ खेल रहे 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 50,300 रुपए नगद, 52 पत्ती ताश एवं बोरा-फट्टी बरामद की है। कार्रवाई में तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए।पुलिस के अनुसार 7 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के कोटगढ़ एवं बाना में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर काटपत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. युलैण्डन यार्क एवं एसडीओपी डॉ. मेघलेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक जय कुमार साहू एवं प्रशिक्षु उपनिरीक्षक नितिन चंद्रवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर तत्काल दबिश दी गई।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दिलीप टंडन, राजकुमार मिरी, श्याम कार्तिक, अजय कंवट, कुश कुमार अंचल, अमरकांत कुर्रे, शिव कुमार, सोमू भारती, मनीराम साण्डे, विवेकी मिरी एवं बाली कुमार कंवर को जुआ खेलते पकड़ा। सभी आरोपी थाना अकलतरा क्षेत्र के ग्राम कोटगढ़ एवं बाना के निवासी बताए गए हैं।पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई में एसडीओपी डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह, निरीक्षक जय कुमार साहू, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक नितिन चंद्रवंशी सहित आरक्षक सुरेन्द्र प्रताप कश्यप, शैलेन्द्र राठौर, शोभानारायण साहू, महेन्द्र राज, बसंत साहू, बाल्मीकि राठौर एवं रमेश भारद्वाज का सराहनीय योगदान रहा।

कवर्धा में किसानों के चक्काजाम से बस परिवहन, कारोबार पर असर

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। कवर्धा में किसानों के प्रदर्शन और चक्काजाम का असर अब बेमेतरा जिले के यात्री परिवहन और व्यापार-व्यवसाय पर भी दिखाई देने लगा है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसानों द्वारा बलराम किसान यात्रा के तहत नेशनल हाईवे जाम किए जाने से कवर्धा मार्ग पर यात्री बसों का आवागमन प्रभावित हो गया है। इसका सीधा असर बेमेतरा बस स्टैंड पर दिखाई दे रहा है। बसों की आवाजाही बाधित होने से ग्रामीण क्षेत्रों से जिला मुख्यालय आने वाले यात्री परेशान हैं। वहीं, रोजमर्रा के काम, खरीदारी और जरूरी कार्यों के लिए बेमेतरा पहुंचने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों का आंदोलन 24 घंटे से अधिक समय से जारी रहने के बावजूद अब तक उनकी मांगों का समाधान नहीं हो पाया है। इसके चलते सड़क परिवहन सामान्य नहीं हो सका है। कवर्धा से होकर जबलपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर आवागमन बाधित होने का असर यात्रियों की आवाजाही पर पड़ रहा है। बेमेतरा जिला मुख्यालय होने के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग यहां खरीदारी, व्यापार, शासकीय कामकाज और अन्य जरूरी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। लेकिन बसों की संख्या घटने और कुछ मार्गों पर आवागमन प्रभावित होने से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी पड़ रही है।

बस स्टैंड पर यात्रियों की आवाजाही प्रभावित - बेमेतरा बस स्टैंड से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित दूसरे शहरों के लिए यात्री बसों का नियमित संचालन होता है। कवर्धा में चक्काजाम के कारण बसों के आवागमन पर असर पड़ने से यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ग्रामीण इलाकों से बेमेतरा आने वाले लोगों को समय पर बस नहीं मिलने के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। जरूरतमंद लोग भी जिला मुख्यालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। खासकर उन यात्रियों को दिक्कत हो रही है, जिन्हें जरूरी काम से शहर आना है और जिनके पास निजी वाहन या अन्य परिवहन साधन उपलब्ध नहीं हैं।

हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों से बेमेतरा आने-जाने वाली कुछ बसों का संचालन जारी है, जिससे यात्रियों को आंशिक राहत मिल रही है। लेकिन सीमित बसों के कारण सभी यात्रियों को नियमित सुविधा नहीं मिल पा रही है। दूसरी ओर, बेमेतरा से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर बसों का आवागमन जारी रहने से कुछ यात्रियों को राहत जरूर मिल रही है, लेकिन कवर्धा मार्ग की स्थिति सामान्य नहीं होने के कारण परिवहन व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है।

ग्रामीण व्यापारियों और जरूरतमंदों की बढ़ी परेशानी -बसों का संचालन प्रभावित होने से इसका असर केवल यात्रियों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारियों और छोटे कारोबारियों को भी परेशानी हो रही है।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत बिलासपुर को मिली 38.23 करोड़ स्वीकृति

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्री अरूण साव ने बिलासपुर नगर निगम को विकास कार्यों के लिए एक और बड़ी सौगात दी है। उनके निर्देश पर मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत नगरीय प्रशासन विभाग ने मंत्रालय से 38 करोड़ 23 लाख 82 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति आदेश जारी की है।

इस राशि से सिरगिट्टी बन्नाक चौक के पास 12 करोड़ 21 लाख 76 हजार की लागत से खेल और व्यावसायिक काम्प्लेक्स सड़क और नाली निर्माण होगा इसी तरह जोन क्रमांक 2 के नर्मदा कोलडिंक से गोकने नाला तक 3 करोड़ 15 लाख की लागत से नाला निर्माण किया जाएगा। जोन क्रमांक 7 के खमतराई में 4 करोड़ 58 लाख 39 हजार की लागत से सड़क और नाली के कार्य होंगे। जोन क्रमांक 7 में बहतराई चौक के पास भक्त माता करमा चौक से मोपका बाईपास तक 9 करोड़ 38 लाख 44 हजार की लागत से सड़क नाली और विद्युतीकरण के कार्य किए जाएंगे। जोन क्रमांक 7 में ही 4 करोड़ 99 लाख 25 हजार की लागत से शापिंग कांप्लेक्स बनाया जाएगा। इन सभी कार्यों के हो जाने से शहर में खेल गतिविधियों के लिए एक खिलाड़ियों को एक बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा तो वहीं सड़क और ड्रेनेज की समस्या से मुक्ति मिलेगी,इसके अलावा व्यावसायिक काम्पलेक्स के निर्माण से व्यावसायिक गतिविधियों को रफ्तार मिलने के साथ ही निगम के राजस्व में वृद्धि होगी। जोन क्रमांक 8 में ईदिरा विहार के पास 3 करोड़ 90 लाख रूपये से सड़क और व्यावसायिक परिसर तथा चांटीडीह में शापिंग काम्पलेक्स बनाए जाएंगे।

शेयर बाजार लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद बढ़त के साथ बंद, आईटी स्टॉक्स में रही खरीदारी

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 879.09 अंक या 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,472.33 और निफ्टी 288.65 अंक या 1.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,520.45 था।

सत्र में खरीदारी को सहारा आईटी शेयरों ने दिया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 3 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मेटल, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में बंद हुए। केवल निफ्टी ऑयल एंड गैस लाल निशान में बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 904.80 अंक या 1.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,787.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 103.60 अंक या 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,153.70 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में आईटीसी, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, टाटा स्टील, एचयूएल, टाइटन, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, इंडिगो, एनटीपीसी, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस गेनर्स थे। केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज ही लूजर था। जानकारों ने कहा कि हाल ही में आई भारी गिरावट के बाद, वैल्यू बाइंग और शॉर्ट कवरिंग के दम पर घरेलू इक्विटी मार्केट में राहत भरी रैली देखने को मिली। दूसरी तिमाही के आय सीजन की मजबूत शुरुआत और एआई-आधारित आय के मौकों पर बढ़ते भरोसे के कारण आईटी शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने आगे कहा कि इस सेंटीमेंट को भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी से भी मदद मिली; संकेत मिले हैं कि मिड-टर्म चुनावों से पहले ईरान के खिलाफ किसी संभावित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना कम है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, एफआईआई की लगातार निकासी और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड का ऊंचा स्तर रिकवरी की उम्मीदों पर दबाव बनाए हुए है। आरबीआई के 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' के रुख के बाद, निवेशक अब ब्याज दरों की चाल के बारे में और संकेतों के लिए सोमवार को आने वाले घरेलू सीपीआई डेटा का इंतजार कर रहे हैं। आगे चलकर, दूसरी तिमाही के नतीजों का प्रदर्शन बाजार की रिकवरी के टिके रहने को तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।

सोने-चांदी में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़त

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और निवेशकों की बढ़ती खरीदारी के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को दोनों कीमती धातुओं, सोने और चांदी, में मजबूती लौटी है, और इनमें 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों, डॉलर में नरमी और मध्य पूर्व से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने कीमती धातुओं को समर्थन दिया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना दो महीने के निचले स्तर से उबरकर फिर मजबूती के साथ कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं घरेलू वायदा बाजार और सर्राफा बाजार में भी इसका सीधा असर देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर सोने की कीमतों में करीब 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिसके बाद यह लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। इसी तरह चांदी भी मजबूत खरीदारी के दम पर 60 डॉलर प्रति औंस के ऊपर कारोबार करती दिखाई दी, जिसमें करीब 2 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी डॉलर में नरमी और बॉन्ड यील्ड में कमी से सोने की सुरक्षित निवेश के रूप में मांग बढ़ी है। साथ ही निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगे की ब्याज दर नीति पर भी नजर बनाए हुए हैं।

वहीं, घरेलू बाजार की बात करें तो, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में अच्छी तेजी देखने को मिली। शुक्रवार के शुरुआती कारोबार के दौरान दिसंबर डिलीवरी वाले सोने का भाव 1,51,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव 1,49,610 रुपए से 1,590 रुपए यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है।वहीं, दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी ने 2,24,500 रुपए प्रति किलोग्राम का उच्च स्तर टच किया, जो पिछले बंद भाव 2,21,233 रुपए से 3,267 रुपए यानी 1.47 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है।

हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11 बजे) दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 1,493 रुपए यानी 1 प्रतिशत चढ़कर 1,51,103 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया, तो वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 3,088 रुपए यानी 1.40 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,24,321 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

भारत में मोबाइल नेटवर्क ट्रैफिक 2025 से 2030 के बीच सालाना 17 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में मोबाइल नेटवर्क ट्रैफिक 2025 से 2030 के बीच सालाना लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि दूरसंचार ऑपरेटरों का राजस्व सालाना 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केपीएमजी इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में दूरसंचार उपकरणों का बाजार वित्त वर्ष 2025 के 25 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2032 तक लगभग 50 अरब डॉलर होने का अनुमान है। भारत में यह बाजार वैश्विक बाजार की तुलना में लगभग दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने विनिर्माण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित की है। वित्त वर्ष 2026 में मोबाइल हैंडसेट का उत्पादन 6,270 अरब रुपए तक पहुंच गया, जबकि दूरसंचार उपकरणों के आयात के स्थान पर घरेलू उत्पादन की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत हो गई है। यह देश की बढ़ती घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को दर्शाता है।

केपीएमजी इंडिया में पार्टनर एवं क्लाइंट्स एंड मार्केट्स तथा टेक्नोलॉजी, मीडिया एंड टेलीकम्युनिकेशंस (टीएमटी) के राष्ट्रीय प्रमुख अखिलेश टुटेजा ने कहा, 'दूरसंचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्लाउड और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का एकीकरण वैश्विक प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम में मूल्य सृजन के तरीके को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। जैसे-जैसे डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कनेक्टिविटी से आगे बढ़कर इंटेलिजेंस की ओर विकसित हो रही है, भारत के पास वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों, प्लेटफॉर्म और बौद्धिक संपदा (आईपी) का निर्माता बनने का अनूठा अवसर है।' उन्होंने कहा कि इस क्षमता को साकार करने के लिए नवाचार, उन्नत विनिर्माण और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग में लगातार निवेश की आवश्यकता होगी। इससे आने वाले वर्षों में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति मजबूत होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार उद्योग अब केवल कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि एक बुद्धिमान डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।

अक्टूबर में पावर प्लांट्स को कोयला आपूर्ति में तेज सुधार, बिजली संकट की आशंकाओं को सरकार ने किया खारिज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अक्टूबर के दौरान बिजली संयंत्रों (पावर प्लांट्स) को कोयले की आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और बिजली संकट की आशंकाओं को लेकर सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्टें भ्रामक हैं। कोयला मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि अक्टूबर में कोयले की आपूर्ति सितंबर की तुलना में औसतन 9 प्रतिशत अधिक रही है और सितंबर के निचले स्तर की तुलना में इसमें लगभग 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि बिजली संयंत्रों में कोयला भंडार कम होने को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और स्थिति पर केंद्र सरकार की करीबी निगरानी बनी हुई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, अक्टूबर में रेलवे के माध्यम से कोयले की ढुलाई बढ़कर 465 रेक प्रतिदिन से अधिक के औसत स्तर पर पहुंच गई है। इतना ही नहीं, 470 रेक प्रतिदिन के लक्ष्य को लगातार तीन दिनों तक हासिल किया गया। सड़क मार्ग सहित अन्य माध्यमों से भी कोयला आपूर्ति में सुधार देखा गया है।

कोयला स्टॉक में कमी की गति भी अब काफी धीमी पड़ गई है। सितंबर में जहां बिजली संयंत्रों के भंडार में प्रतिदिन 0.243 मिलियन टन की कमी आ रही थी, वहीं अक्टूबर में यह घटकर 0.116 मिलियन टन प्रतिदिन रह गई है। मंत्रालय का कहना है कि स्थिति धीरे-धीरे स्थिर हो रही है, हालांकि भंडार में वास्तविक पुनर्निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है।

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी बिजली संयंत्र को 'क्रिटिकल स्टॉक' श्रेणी में शामिल किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि उसके पास कोयला समाप्त हो गया है या वह बंद होने की कगार पर है। यह केवल एक पूर्व चेतावनी संकेत है, जो तब जारी किया जाता है जब संयंत्र में निर्धारित मानक स्तर से कम भंडार रह जाता है।

बयान के अनुसार, ऐसे संयंत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता के अनुसार कोयले का पुनर्वितरण कर संवेदनशील बिजलीघरों तक पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, ताकि बिजली उत्पादन प्रभावित न हो। मंत्रालय का मानना है कि मानसून के समाप्त होने और अक्टूबर के मध्य तक बिजली की चरम मांग में संभावित कमी आने के साथ स्थिति और बेहतर हो सकती है। यदि प्रतिदिन 465-475 रेक की आपूर्ति जारी रहती है, तो त्योहारी सीजन, सर्दियों और अगले वर्ष की गर्मियों की मांग से पहले कोयला भंडार को फिर से मजबूत किया जा सकेगा।

शेयर बाजार की कमजोरी के बावजूद आईपीओ बाजार में रिकॉर्ड तेजी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (आईएएनएस)। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों ने 2026 के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) के दौरान आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए रिकॉर्ड 12.5 अरब डॉलर जुटाए हैं। यह आंकड़ा 1980 से उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार जनवरी-सितंबर अवधि का अब तक का सबसे बड़ा फंड जुटाव है।

एलएसईजी के विश्लेषण के अनुसार, यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब व्यापक शेयर बाजार दबाव में रहा और निफ्टी में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि आईपीओ की संख्या में कमी देखने को मिली। जनवरी-सितंबर 2026 के दौरान 220 आईपीओ आए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 268 आईपीओ की तुलना में लगभग 17.9 प्रतिशत कम हैं। इसके बावजूद कुल जुटाई गई राशि 11.3 प्रतिशत बढ़ी, जो यह दर्शाती है कि बड़े आकार के इश्यू बाजार में आए।

डेटा के अनुसार, औसत आईपीओ आकार बढ़कर करीब 5.7 करोड़ डॉलर हो गया, जबकि एक वर्ष पहले यह लगभग 4.2 करोड़ डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ बड़े आईपीओ ने कुल जुटाई गई राशि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुल आईपीओ फंड जुटाव का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कुछ चुनिंदा बड़े इश्यू से आया।

सितंबर 2026 अकेले ही आईपीओ बाजार के लिए बेहद मजबूत महीना रहा। रिपोर्ट में कहा गया कि इस महीने 34 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए करीब 39,380 करोड़ रुपए जुटाए गए, जो वर्ष 2026 का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, जुटाई गई राशि का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से आया, जिसका अर्थ है कि धन का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों को गया, न कि सीधे कंपनियों की बैलेंस शीट में।

आईपीओ बाजार की यह मजबूती व्यापक इक्विटी फंड जुटाव के मुकाबले अलग तस्वीर पेश करती है। फॉलो-ऑन ऑफरिंग्स और ब्लॉक डील्स सहित कुल इक्विटी कैपिटल मार्केट फंड जुटाव 1.7 प्रतिशत घटकर 40.8 अरब डॉलर पर आ गया, जो पिछले तीन वर्षों का सबसे निचला स्तर है।

रिपोर्ट में कहा गया कि मजबूत घरेलू तरलता ने आईपीओ बाजार को समर्थन दिया। यह तब हुआ जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी से सितंबर के बीच भारतीय शेयर बाजार से अनुमानित 2.7 लाख करोड़ से 3 लाख करोड़ रुपए की निकासी की।

हालांकि, लिस्टिंग के बाद मिलने वाले मुनाफे में कुछ नरमी के संकेत भी दिखाई दिए हैं। सितंबर में औसत लिस्टिंग प्रीमियम 15.1 प्रतिशत रहा, जो अगस्त में 24.4 प्रतिशत था। वहीं मीडियन लिस्टिंग लाभ 21.3 प्रतिशत से घटकर 5.9 प्रतिशत रह गया।

वहीं, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग उद्योग के लिए तस्वीर मिश्रित रही। इक्विटी अंडरराइटिंग फीस 9 प्रतिशत घटकर 415.6 मिलियन डॉलर हो गई, जबकि मजबूत एमएंडए गतिविधियों की बदौलत कुल इन्वेस्टमेंट बैंकिंग फीस 2 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1.1 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 130 से अधिक कंपनियों के पास सेबी से आईपीओ की मंजूरी मौजूद है। ऐसे में आने वाले महीनों

फोनपे और डीपीसीजीसी के बीच साझेदारी, ओटीटी मंचों पर नियमों के पालन और शिकायत निवारण को मिलेगा बढ़ावा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे और इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के अंतर्गत काम करने वाली स्व-नियामक संस्था डिजिटल पब्लिशर कंटेंट ग्रीवेंस काउंसिल (डीपीसीजीसी) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य फोनपे के भुगतान गेटवे से जुड़ने वाले सभी व्यापारियों के लिए स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) का प्रमाणन आसान बनाना, नियामकीय नियमों के पालन को बढ़ावा देना और व्यापारियों को इस संबंध में जागरूक करना है।

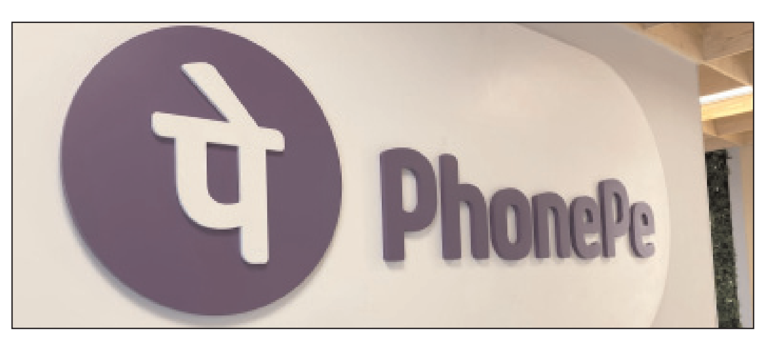

भारत में लागू नियमों के तहत ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंचों और ऑनलाइन चुने गए कंटेंट के प्रकाशकों (ओसीसीपी) के लिए शिकायतों के निवारण के उद्देश्य से किसी मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) का सदस्य होना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

फोनपे अपने व्यापारी पंजीकरण की प्रक्रिया में इस नियामकीय आवश्यकता को अनिवार्य शर्त के रूप में लागू करता है।

डीपीसीजीसी सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत गठित दूसरे स्तर की स्व-नियामक संस्था है, जो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत है। इस समझौते के माध्यम से फोनपे और डीपीसीजीसी का उद्देश्य ओटीटी मंचों तथा ऑनलाइन कंटेंट के प्रकाशकों के बीच नियामकीय नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

जीके इलेक्ट्रिक ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में इनोवेशन के लिए आईआईटी भिलाई के साथ एमओयू

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर स्थित जीके ग्रुप की कंपनी जीके इलेक्ट्रिक ने IIT भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (IBITF) के जरिए IIT भिलाई के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MOU) साइन करने की घोषणा की। इस पार्टनरशिप का मकसद इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जॉइंट रिसर्च, डिज़ाइन और डेवलपमेंट को आगे बढ़ाना है।

यह MOU IIT भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश की मौजूदगी में साइन हुआ। इस मौके पर जीके इलेक्ट्रिक की तरफ से चेयरमैन अमर परवानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं CEO पुनीत परवानी, COO सुरेश दसारी और हेड - फील्ड सर्विस सायन भौमिक मौजूद रहे। IIT भिलाई की तरफ से डॉ. शैलेंद्र कुमार, हेड, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, और प्रो. सौम्या गंगोपाध्याय, डीन ऑफ फैकल्टी अफेयर्स, IIT भिलाई मौजूद रहे। इस पार्टनरशिप के तहत जीके इलेक्ट्रिक और IIT भिलाई नेक्स्ट-जेनरेशन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के जॉइंट डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और डेवलपमेंट पर मिलकर काम करेंगे — जिसमें एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (BMS), मोटर, कंट्रोलर और व्हीकल इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

इसके साथ ही लाइटवेट मटीरियल, थर्मल मैनेजमेंट और स्मार्ट, कनेक्टेड व्हीकल सिस्टम्स पर जॉइंट रिसर्च, और शेयर्ड टेस्टिंग, वैलिडेशन व सर्टिफिकेशन कैपेबिलिटीज़ भी इस MOU के दायरे में शामिल हैं।

इस MOU के तहत दोनों पार्टनर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एंड एडवांस्ड व्हीकल टेक्नोलॉजीज़ के लिए एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने, स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप, लाइव इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स और रिसर्च के मौके देने, और IIT भिलाई के फैकल्टी द्वारा प्रोडक्ट डिज़ाइन, मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और बैटरी टेक्नोलॉजी में जीके इलेक्ट्रिक को टेक्निकल कंसल्टेंसी देने की प्लानिंग पर भी विचार करेंगे।

'भारत के प्रीमियर इंस्टीट्यूट्स में से एक, IIT भिलाई के साथ पार्टनर करना जीके इलेक्ट्रिक के लिए गर्व की बात है। हम गुड्स और पैसेंजर्स के लिए लास्ट-माइल मोबिलिटी सॉल्व करने वाले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बनाते हैं, और यह पार्टनरशिप हमें इंडिजीनियस टेक्नोलॉजी डेवलप करने में मदद करेगी।'

- **पुनीत परवानी,** मैनेजिंग डायरेक्टर एवं CEO, जीके इलेक्ट्रिक

'IIT भिलाई लगातार इंडिजीनियस इंडियन टेक्नोलॉजी बनाने की दिशा में इनोवेशन पर काम करता रहा है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के इंडिया में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के विज़न के मुताबिक, हमें इस दिशा में जीके इलेक्ट्रिक के साथ पार्टनरशिप करते हुए खुशी हो रही है।'

-**प्रो. राजीव प्रकाश,** डायरेक्टर, IIT भिलाई

'जीके इलेक्ट्रिक 'मेक इन छत्तीसगढ़, मेक इन इंडिया' में विश्वास रखता है। इंडिजीनियस टेक्नोलॉजी डेवलप करने से हमारे प्रोडक्ट्स और मजबूत होंगे, और हमें IIT भिलाई के साथ काम करने पर गर्व है — हम इस पार्टनरशिप के लिए उनका थैंक्स कहना चाहते हैं।'

-**अमर परवानी,** चेयरमैन, जीके इलेक्ट्रिक

महिषासुरमर्दिनी का प्रसारण प्रसंग

पार्थसारथि थपलियाल

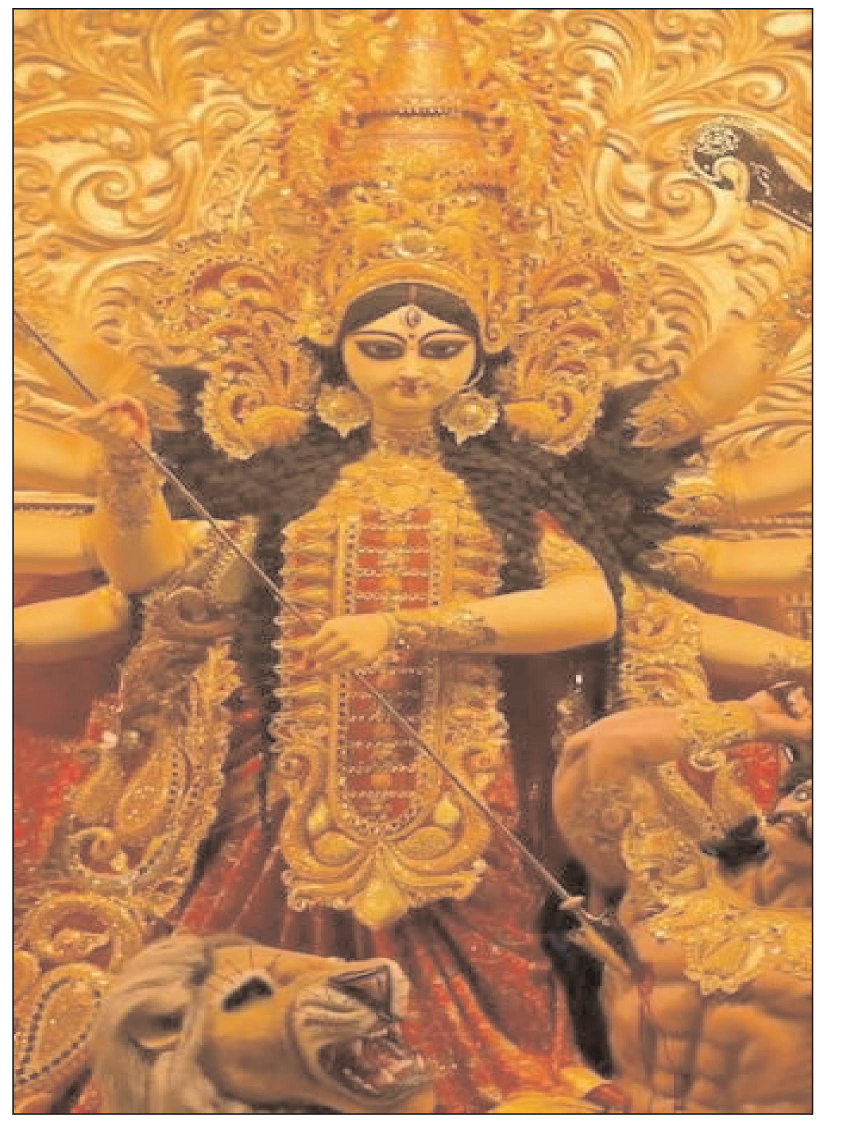

आकाशवाणी के इतिहास में कुछ कार्यक्रम ऐसे हैं जो केवल प्रसारण नहीं रहे, बल्कि कालांतर में जनजीवन की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा बन गए। 'महिषासुर मर्दिनी' ऐसा ही एक अमर कार्यक्रम है। महालया (सर्वपितृ अमावस्या) की भोर, दुर्गापूजा के आगमन की प्रतीक्षा के साथ जुड़ा प्रसंग है महिषासुरमर्दिनी कार्यक्रम का प्रसारण। मार्कंडेय पुराण में के अंतर्गत दुर्गा सप्तशती में दुर्गादेवी द्वारा महिषासुर वध की कथा का संस्कृत में स्वर वाचन ही इस कार्यक्रम की विशेषता है। आकाशवाणी से राष्ट्रीय नेटवर्क पर गूंजती बीरेंद्र कृष्ण भद्र की गंभीर, ओजस्वी आवाज, इन सबने मिलकर बंगाल ही नहीं, भारतीय रेडियो संस्कृति में एक ऐसी परंपरा का निर्माण किया, जिसकी अनुगूंज आज भी सुनाई देती है। रेडियो प्रसारण के इतिहास में यह सबसे पुराना प्रसारण है।

'महिषासुर मर्दिनी' का इतिहास भारतीय स्वाधीनता से पुराना है। 1931 में पितृपक्ष समाप्ति के दिन तत्कालीन रेडियो प्रसारण सेवा -इंडियन स्टेट ब्राडकास्टिंग सर्विस (ड्ढस्क्क्र) के कलकत्ता केंद्र से दुर्गा देवी द्वारा महिषासुर वध पर आधारित एक रूपकात्मक प्रस्तुति प्रसारित की गई। जिसे आगे चलकर महिषासुरमर्दिनी नाम दिया गया।

इस कार्यक्रम की रचना में तीन व्यक्तित्वों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रह बाणी कुमार, पंकज कुमार मल्लिक और बीरेंद्र कृष्ण भद्र। बाणी कुमार ने कार्यक्रम की पटकथा और कथ्य को आकार दिया, पंकज कुमार मल्लिक ने संगीत का संयोजन किया और बीरेंद्र कृष्ण भद्र ने संस्कृत चंडी-पाठ तथा प्रभावशाली वाचन से इसे ऐसी पहचान दी, जो बाद में इस कार्यक्रम की आत्मा बन गई।

'महिषासुर मर्दिनी' का मूल आधार देवी माहात्म्य और दुर्गा की महिषासुर पर विजय की कथा है। इसमें संस्कृत के मंत्र और श्लोक, बंगला भक्ति गीत, संगीत तथा नाटकीय कथावाचन का अद्भुत समन्वय है। लगभग डेढ़ घंटे की यह प्रस्तुति श्रोता के सामने केवल कथा नहीं रखती, बल्कि ध्वनि, संगीत और शब्दों के माध्यम से देवी-उपासना का एक वातावरण निर्मित करती है। रेडियो की विशेषता यह थी कि इसके लिए किसी विशाल मंच, मंदिर या सभागार की आवश्यकता नहीं थी। एक छोटा-सा रेडियो यंत्र ही लाखों घरों में उस आध्यात्मिक वातावरण को पहुंचाने का माध्यम बन गया।

धीरे-धीरे महालया की भोर और 'महिषासुर मर्दिनी' एक-दूसरे के पर्याय बन गए। प्रात:काल लगभग चार बजे जब इसका प्रसारण होता, तब बंगाल के असंख्य परिवार अपने रेडियो सेट के आसपास एकत्र होते। उस समय टेलीविजन और डिजिटल माध्यमों का युग नहीं था। रेडियो घर के भीतर सामूहिक श्रवण का माध्यम था। परिणाम यह हुआ कि एक ही समय में हजारों-लाखों घरों में एक ही आवाज, एक ही मंत्र और एक ही कथा सुनाई देने लगी। इसने महालया को केवल पंचांग की एक तिथि न रखकर एक जीवंत सामूहिक सांस्कृतिक अनुभव बना दिया।

इस कार्यक्रम की लोकप्रियता का सबसे बड़ा आधार बीरेंद्र कृष्ण भद्र की आवाज थी। उनके संस्कृत उच्चारण में गंभीरता, गति, आरोह-अवरोह और भाव का ऐसा सम्मिश्रण था कि श्रोता केवल शब्द नहीं सुनता था, वह उस कथा को अनुभव करता था। उनकी आवाज स्वयं 'महिषासुर मर्दिनी' की पहचान बन गई। लंबे समय तक यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष संजीव प्रसारित होता था। बाद में कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग तैयार हुई और वही प्रस्तुति लंबे समय तक महालया पर प्रसारित होती रही। इस प्रकार एक रेडियो कार्यक्रम ने समय की सीमा को पार कर पीढ़ियों के बीच अपनी निरंतरता बनाए रखी। 1966 से यह कार्यक्रम आकाशवाणी नेटवर्क पर प्रसारित होने लगा। महिषासुरमर्दिनी के इतिहास का एक अत्यंत रोचक अध्याय 1976 में सामने आया। उस वर्ष आकाशवाणी ने परंपरागत 'महिषासुर मर्दिनी' के स्थान पर एक नया कार्यक्रम 'दुर्गा दुर्गतिहारिणी' प्रसारित करने का निर्णय लिया। इसमें लोकप्रिय अभिनेता उत्तम कुमार की आवाज का प्रयोग किया गया था। किंतु श्रोताओं की प्रतिक्रिया अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। लोगों की सांस्कृतिक स्मृति में बीरेंद्र कृष्ण भद्र की आवाज इतनी गहराई से बस चुकी थी कि नए कार्यक्रम को स्वीकार करना कठिन हुआ। अंतत: आकाशवाणी को पुरानी प्रस्तुति की ओर लौटना पड़ा। यह घटना प्रसारण इतिहास में श्रोता-शक्ति और सांस्कृतिक परंपरा की निरंतरता का अनूठा उदाहरण बन गई। यही आकाशवाणी की शक्ति थी। वह केवल समाचार और सूचना का माध्यम नहीं थी, वह भारत की विविध भाषाओं, परंपराओं, लोक-स्मृतियों और सांस्कृतिक भावनाओं को घर-घर पहुंचाने वाला माध्यम भी थी। 'महिषासुर मर्दिनी' इसका अत्यंत प्रभावशाली उदाहरण है। महालया की उस भोर में आज भी आकाशवाणी नेटवर्क पर महिषासुरमर्दिनी कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है। राष्ट्रीय नेटवर्क पर महालय की प्रात: 4.30 से 6 बजे तक यह कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है। बीरेंद्र कृष्ण भद्र की आवाज जब रेडियो से गूंजती है, तब लाखों श्रोता भौगोलिक रूप से भले अलग-अलग स्थानों पर हों, किंतु श्रवण के उस सामूहिक अनुभव में एक सांस्कृतिक सूत्र से जुड़े होते हैं।

आज संचार के साधन बदल गए हैं, फिर भी महालया आते ही बीरेंद्र कृष्ण भद्र की आवाज की तलाश समाप्त नहीं हुई है। यही किसी प्रसारण की सबसे बड़ी सफलता है, जब कार्यक्रम अपने समय से आगे निकलकर परंपरा बन जाए।

आक्रामक बेटी के व्यवहार से तंग पिता ने ली जान; क्या मानसिक बीमारी से जूझ रहे बच्चों को संभालने में नाकाम हैं हम?

महाराष्ट्र के सतारा जिले से एक ऐसी झकझोर देने वाली खबर सामने आई है. एक शिक्षक पिता ने टीवी देखने को लेकर हुए मामूली विवाद में अपनी 17 साल की बेटी की क्रिकेट बैट से मारकर हत्या कर दी. शुरुआती जांच में सामने आया कि मृतका मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से जूझ रही थी, अत्यधिक मोबाइल और टीवी का इस्तेमाल करती थी, और कई बार आक्रामक होकर परिवार वालों पर हाथ भी उठा चुकी थी. यह घटना सिर्फ एक आपराधिक मामला नहीं है, बल्कि यह आधुनिक समाज, टूटते धैर्य और परिवारों के भीतर सुलग रहे मानसिक स्वास्थ्य के उस गंभीर संकट का आईना है, जिसके बारे में बात करना अब बेहद जरूरी हो गया है.

आज के समय में पेरेंटिंग (पैरेंटिंग) किसी तलवार की धार पर चलने जैसी हो गई है. एक तरफ माता-पिता पर दफ्तर, काम और परिवार की दोहरी जिम्मेदारी का तनाव है, तो दूसरी तरफ डिजिटल युग में पल रहे हमारे बच्चे स्क्रीन एडिक्शन, एंग्जायटी और कई तरह के मानसिक विकारों की चपेट में आ रहे हैं.

सतारा की इस घटना में पिता और मां दोनों शिक्षक थे. इसके बावजूद वे अपनी बेटी के मानसिक तनाव और आक्रामक व्यवहार को संभाल नहीं पाए. पुलिस के मुताबिक, लड़की को मनोचिकित्सक के पास ले जाया जा रहा था और उसे नियमित दवाइयां भी दी जा रही थीं. इसके बावजूद, एक दिन जब घर में टीवी देखने को लेकर बच्चों में झगड़ा हुआ और लड़की ने आपा खोकर पिता पर हमला करने की कोशिश की, तो शिक्षक पिता का भी धैर्य जवाब दे गया. गुस्से के उस चंद सेकंड ने एक भरापूरा परिवार को हमेशा के लिए तबाह कर दिया.

मशहूर मनोवैज्ञानिकों और चाइल्ड बिहेवियर एक्सपर्ट्स का मानना है किशोरावस्था इंसानी जिंदगी का सबसे संवेदनशील दौर होता है. इस उम्र में हॉर्मोनल बदलावों के साथ-साथ पहचान की तलाश और बाहरी दबाव बच्चों के मानसिक संतुलन को बुरी तरह प्रभावित करते हैं.

क्रोध और आक्रामकता हमेशा बदमाशी या जिद्दीपन का परिणाम नहीं होती. अक्सर यह उस गहरे मानसिक दर्द, लाचारी या एंग्जायटी का बाहरी प्रकटन होती है, जिसे बच्चा शब्दों में बयां नहीं कर पाता.

दही को खट्टा होने से कैसे बचाएं? कितने दिन तक खा सकते हैं फ्रिज में रखा दही, जानें स्टोरेज का सही तरीका

हालांकि, दही को सही समय पर फ्रिज में रखकर और कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर इस प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है. साथ ही, दही को सही तरीके से स्टोर करना भी जरूरी है, ताकि वह लंबे समय तक ताजा बना रहे. आइए जानते हैं दही को खट्टा होने से बचाने के 5 तरीके और फ्रिज में इसे कितने दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है.

दही जमने के बाद तुरंत फ्रिज में रखें- मौसम गर्म हो तो दूध से दही जमने में कम समय लगता है. सर्दियों में जहां दही जमने में 8-10 घंटे लगते हैं, वहीं गर्मियों में यह कुछ ही घंटों में जम जाता है. इसलिए दही को बीच-बीच में चेक करते रहें. जैसे ही दही जम जाए, उसे फ्रिज में रख दें. इसे लंबे समय तक कमरे के तापमान पर छोड़ने से खट्टापन बढ़ सकता है.

जामन की मात्रा कम रखें- दही जमाने के लिए इस्तेमाल होने वाले जामन की मात्रा भी उसके स्वाद पर असर डालती है. गर्मियों में ज्यादा जामन डालने से दही जल्दी खट्टा हो सकता है. इसलिए 500 मिलीलीटर दूध में लगभग आधा छोटा चम्मच जामन डालकर शुरुआत कर सकते हैं. दूध के तापमान और जामन की ताकत के अनुसार मात्रा में बदलाव हो सकता है.

दही जमाने के लिए सही जगह चुनें- दही जमाने के लिए बर्तन को रसोई की अपेक्षाकृत ठंडी जगह पर रखें. इसे सीधे धूप में, गैस चूल्हे के पास या किसी गर्म जगह पर रखने से बचें. अगर घर में बहुत गर्मी है, तो बर्तन को ढककर किसी इंसुलेटेड डिब्बे या कैसरोल में रख सकते हैं. इससे दही जमने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है.

दही को एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें- दही जमने के बाद इसे साफ, ढक्कन वाले कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर करें. बेहतर है कि इसे फ्रिज की ऐसी शेल्फ पर रखें, जहां तापमान स्थिर रहता हो. बार-बार बाहर निकालकर लंबे समय तक रखने से बचें. फ्रिज में ठंडा तापमान बैक्टीरिया की गतिविधि को धीमा करता है, जिससे दही का खट्टापन धीरे बढ़ता है.

फ्रिज में रखे दही को कितने दिन तक खा सकते हैं? घर पर जमाया दही आमतौर पर फ्रिज में 3-5 दिन तक अच्छी गुणवत्ता बनाए रख सकता है. पैकेट वाला दही उसकी पैकेजिंग, स्टोरेज और एक्सपायरी डेट के अनुसार इस्तेमाल करना चाहिए. बंद पैकेट वाले दही की अवधि अलग-अलग हो सकती है. पैकेट खोलने के बाद उसे फ्रिज में रखें और लेबल पर दिए निर्देशों का पालन करें.

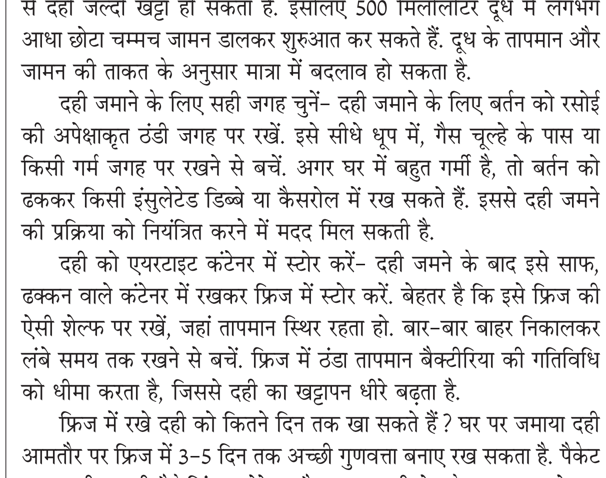

गुलाब जामुन तलते ही फटने लगते हैं या अंदर रह जाती है गांठ? मावे से लेकर आटा मिलाने तक जानें सही और आसान तरीका

गुलाब जामुन बनाते समय अक्सर ऐसा होता है कि बाहर से मिठाई का रंग तो अच्छा आ जाता है, लेकिन अंदर गांठें रह जाती हैं. कभी जामुन तलते समय फटने लगते हैं तो कभी चाशनी में डालने के बाद भी अंदर से सख्त रहते हैं. इसकी एक वजह खोया या मिल्क पाउडर के मिश्रण का सही तरीके से तैयार न होना हो सकती है. अच्छी बात यह है कि कुछ छोटी बातों का ध्यान रखकर इस परेशानी को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

खोया छानने से लेकर आटा मिलाने और आटा गूंथने तक की प्रक्रिया में सावधानी जरूरी है. आइए जानते हैं कि गुलाब जामुन का मिश्रण बिना गांठ वाला कैसे बनाएं और गूंथते समय किन गलतियों से बचें.

गुलाब जामुन के मिश्रण में गांठें क्यों पड़ती हैं?

गुलाब जामुन का मिश्रण खोया, पनीर, मैदा या मिल्क पाउडर जैसी सामग्री से बनाया जा सकता है. हर विधि में गांठ पड़ने की वजह थोड़ी अलग हो सकती है. खोया इस्तेमाल कर रहे हैं तो वह सूखा, कड़ा या दानेदार होने पर मिश्रण में छोटे-छोटे टुकड़े छोड़ सकता है. वहीं मिल्क पाउडर को बिना छाने या सही लिक्विड के बिना मिलाने से भी गांठें बन सकती हैं. एक और आम गलती है कि मिश्रण को जरूरत से ज्यादा गूंथ दिया जाता है. इससे तैयार जामुन की बनावट पर असर होता है. इसलिए शुरुआत में ही सामग्री को अच्छी तरह मिलाना और जरूरत के अनुसार नमी बनाए रखना जरूरी है.

अगर आप मावे से गुलाब जामुन बना रहे हैं तो सबसे पहले उसे कमरे के तापमान पर थोड़ा नरम होने दें. इसके बाद हाथों से अच्छी तरह मसलें या बड़ी छलनी से छान लें. इससे मावे के बड़े टुकड़े अलग हो जाएंगे और मिश्रण ज्यादा एकसार बनेगा. अगर मावा बहुत सूखा है तो उसे जबरदस्ती ज्यादा दूध डालकर गीला न करें. जरूरत के मुताबिक ही नमी बढ़ाएं.

2. मिल्क पाउडर को छानकर इस्तेमाल करें

मिल्क पाउडर से गुलाब जामुन बना रहे हैं तो उसे मैदा और बेकिंग पाउडर जैसी सूखी सामग्री के साथ छलनी से छान लें. इससे पाउडर के छोटे लम्प्स टूट जाएंगे और सभी सामग्री आपस में अच्छी तरह मिल सकेगी. दूध या अन्य तरल सामग्री एक साथ बहुत ज्यादा डालने के बजाय थोड़ी-थोड़ी मात्रा में मिलाएं.

3. आटा गूंथने के बजाय हल्के हाथों से मिलाएं

गुलाब जामुन का मिश्रण रोटी के आटे की तरह सख्त नहीं गूंथना चाहिए. सामग्री को हल्के हाथों से मिलाकर नरम और एकसार मिश्रण तैयार करें. अगर मिश्रण सूखा लगे तो विधि के अनुसार थोड़ा दूध डालें. अगर वह चिपचिपा है तो तुरंत बहुत सारा मैदा डालने के बजाय पहले कुछ देर उसकी बनावट देखें.

हिंदू शब्द फारसी नहीं, भारत की पहचान है

डॉ.राघवेंद्र शर्मा

मेरे लिए हिंदू और हिंदुस्तान वह शब्द है, जिसे करोड़ों भारतीय अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना से जोड़कर देखते हैं। लेकिन कुछ लोग खासकर कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हिंदू शब्द के मनमाने अर्थ प्रस्तुत कर देते हैं। हिन्दुओं पर इतनी सहजता से कुछ भी कह देने का सिलसिला कब तक चलता रहेगा? क्या हिंदू और हिंदुत्व को लेकर हर बार ऐसी ही नकारात्मक और अपमानजनक व्याख्याएं सुनते रहना होगा? तो बस, अब बहुत हुआ। अब नहीं सहेंगे हिंदू-हिंदुत्व की बेइज्जती।

आसिंधु सिंधु पर्यन्ता, यस्य भारतभूमिका
पितृभू: पुण्यभूश्चैव स वै हिंदुरिति स्मृत

इसका सीधा सपाट अर्थ है कि सिंधु नदी (उत्तर-पश्चिम) से लेकर हिंद महासागर तक फैली हुई भारत की यह पूरी भूमि, जिसकी पितृभूमि और पुण्यभूमि है, वही हिंदू कहलाता है।

हिमालयात् समारभ्य यावत् इन्दु सरोवरम्।
तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थानं प्रचक्षते॥

इस श्लोक का अर्थ है कि हिमालय से प्रारंभ होकर हिंद महासागर तक फैला हुआ यह देवताओं द्वारा निर्मित देश हिंदुस्थान कहलाता है।

उपरोक्त दो प्राचीन श्लोकों से स्वत: स्पष्ट है कि हम जहां पैदा हुए और निवास कर रहे हैं, वह पुण्य भूमि हिंदुओं की ही है और इसका नाम हिंदुस्तान ही है। इसके बावजूद हिंदू और हिंदुत्व शब्द भारत में इतने सहज सुलभ हैं कि उनके बारे में कभी भी कुछ भी बोला अर्थात 'बका' जा सकता है। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि हिंदू-हिंदुत्व को लेकर समय-समय पर निकृष्टतम और घृणित व्याख्याएं की जाती रही हैं। और यह सब इसलिए होता रहा है और हो भी रहा है, क्योंकि हिंदू-हिंदुत्व को सदैव गरियाते रहने वाले धूर्त नेता जानते हैं कि ऐसा करने से उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा। वे जानते हैं कि आज भी हिंदू अनेक विचारधाराओं तथा राजनीतिक धड़ों में बंटा हुआ है। वह कहीं धर्मनिरपेक्ष है, कहीं समाजवादी है, तो कहीं वामपंथी है। और तो और वह शूद्र है, वैश्य, क्षत्रिय एवं ब्राह्मण भी है। बस, खुद को हिंदू न मानने की जिद पाले बैठा है।

शायद यही वजह है, जिसके चलते अब हिंदू-हिंदुत्व शब्द पर ही सवालिया निशान लगाए जाने लगे हैं। सवाल भी कौन उठा रहा है? वह, जिनके स्वर्गीय पिता श्री बलभद्र सिंह अपने कालखंड में 'हिंदूपत' की उपाधि से विभूषित हुआ करते थे और उन्हें स्वयं हिंदू होने पर गर्व था। जिस राजघराने द्वारा दशकों तक 'हिंदूपत' बैंक का संचालन किया जाता रहा, उस राजघराने के मुखिया हिंदू-हिंदुत्व शब्द को गैर-भारतीय बता रहे हैं।

जिस राजनेता की देखरेख में 'हिंदूपत' नामक शैक्षणिक संस्थान की नींव रखी गई, वह नेता बता रहा है कि हिंदू-हिंदुत्व का भारतीयता से कोई लेना-देना नहीं है। जो वक्त-जरूरत खुद भी चीख-चीख कर कहता रहा कि मैं सबसे बड़ा हिंदू हूं, वह आज साबित करने पर तुला है कि हिंदू शब्द तो यहां का है ही नहीं!

आप समझ ही गए होंगे कि यहां किस नेता और किस राजघराने की बात हो रही है। हम बात कर रहे हैं राघौगढ़ राजघराने के मुखिया, स्वर्गीय राजा बलभद्र सिंह के पुत्र और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री दिग्विजय सिंह की, जिन्होंने एक पत्रकार वार्ता में यह कहकर सुर्खियां बटोरीं कि हिंदू शब्द का हिंदुस्तान से कोई लेना-देना नहीं है।

लेकिन मेरा सवाल इंडी गठबंधन में शामिल उन तमाम राजनीतिक संगठनों के हिंदू भाइयों-बहनों से है, जो इतना सब सुनकर भी खामोश बने हुए हैं! क्या उनके लिए राजनीति इतनी बड़ी हो गई है कि सियासी फायदे के चलते वे यह मिथ्या आरोप भी सहर्ष स्वीकार कर रहे हैं कि हिंदू और हिंदुत्व दोनों फारसी हैं?

क्या एक भी कांग्रेसी, समाजवादी, वामपंथी अथवा धर्मनिरपेक्षता की राजनीति करने वाले हिंदू नेता में यह साहस शेष नहीं बचा जो दिग्विजय सिंह से पूछ सके कि जब हिंदू फारसी है तो उनके पिता 'हिंदूपत' क्यों थे? यदि हिंदू-हिंदुत्व भारतीय ही नहीं तो राघौगढ़ राजघराने द्वारा संचालित बैंक का नाम 'हिंदूपत' क्यों था?

ये वे सवाल हैं जिनके जवाब दिग्विजय सिंह के हिंदू विरोधी बयानों से कलंकित हो रही राघौगढ़ की नगरी को, उसके पूर्वजों और वर्तमान वंशजों को काफी हद तक स्वच्छता प्रदान कर सकते हैं।

एक निवेदन भारतीय जनमानस से भी है - उन्हें भी यह तय करना होगा कि बस, बहुत हुआ। अब हिंदू-हिंदुत्व के खिलाफ कोई बात नहीं सुनी जाएगी।

'जूली' की शूटिंग में नेहा की मां का ख्याल रखते थे संजय कपूर

नेहा धूपिया ने 'डबल डेट' शो में साझा किया पुराना किस्सा

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री नेहा धूपिया ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए साल 2004 में आई फिल्म 'जूली' की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उस दौर में उनकी मां अक्सर शूटिंग सेट पर मौजूद रहती थीं, लेकिन अपने कमरे से बाहर नहीं आती थीं। इस दौरान अभिनेता संजय कपूर उनकी मां का खास ख्याल रखते थे और उन्हें सहज महसूस कराने की कोशिश करते थे।

दरअसल, संजय कपूर और उनकी पत्नी महीप कपूर हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में शामिल हुए। इस दौरान नेहा ने फिल्म 'जूली' की शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि कैसे संजय कपूर निर्देशक और निर्माता के साथ काम संभालने के अलावा उनकी मां का भी ध्यान रखते थे।

नेहा ने कहा, ''मेरी मां सेट पर आती थीं, लेकिन वह कभी कमरे से बाहर नहीं निकलती थीं। ऐसा नहीं था कि उन्हें कोई बुलाता नहीं था। उन्हें किसी के इनवाइट की जरूरत भी नहीं थी। बात बस इतनी थी कि वह चाहती थी कि मैं अपने काम पर पूरा ध्यान दे सकूं।''

उन्होंने आगे बताया कि संजय कपूर इस दौरान उनकी मां को सहज महसूस कराने में काफी मदद करते थे। नेहा ने कहा, ''संजय बहुत अच्छे थे। वह निर्देशक और निर्माता के साथ काम संभालने के साथ-साथ मेरी मां के पास भी जाते थे और उन्हें सहज महसूस कराते थे। वह इन सबके बीच बहुत अच्छी तरह तालमेल बिठाते थे।'' नेहा और संजय इससे पहले फिल्म 'कयामतः सिटी अंडर थ्रेट' में भी साथ काम कर चुके हैं।'जूली' फिल्म की बात करें, तो यह फिल्म साल 2004 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन दीपक शिवदासानी ने किया था, जबकि एन. आर. पचिसिया इसके निर्माता थे। फिल्म में नेहा धूपिया के साथ प्रियांशु चटर्जी, यश टोंक, संजय कपूर और अचिंत कौर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

'चार यार' का पोस्टर शेयर कर मेकर्स ने बताई रिलीज डेट, सीरीज में चार दोस्तों की कहानी

विश्व केसरी

मुंबई। अमेजन प्राइम वीडियो की अपकमिंग क्राइम ड्रामा सीरीज 'चार यार' के मेकर्स ने शुक्रवार को रिलीज डेट की जानकारी दी। यह सीरीज 2000 के शुरुआती दौर की मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'चार दोस्त, एक चोरी, और पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं 'चार यार' 23 अक्टूबर। 2000 के दशक के शुरुआती दौर की मुंबई की पृष्ठभूमि पर बनी यह कहानी चार दोस्तों जय, टोनी, साहिल और समीर की है, जो अनजाने में मुंबई के अंडरवर्ल्ड और अपराध की दुनिया में फंस जाते हैं। ये चारों दोस्त मध्यम वर्ग के जीवन, परिवार की जिम्मेदारियों और बेहतर भविष्य के सपनों के बीच अपनी जिंदगी जीते हैं। उनकी साझा परेशानियां ही उनकी पक्की दोस्ती की नींव हैं।

जो शुरुआत में अपनी हालत बदलने की एक कोशिश होती है, वह जल्द ही एक बड़े खतरे में बदल जाती है। इस मुश्किल समय में उनकी दोस्ती ही उनकी सबसे बड़ी ताकत होती है और हर एक फैसला उन्हें खतरे के और करीब ले जाता है।

प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियो इंडिया के निदेशक और ओरिजिनल्स (एसवीओडी) के प्रमुख निखिल माधोक ने सीरीज को लेकर कहा, 'चार यार में दोस्ती, महत्वाकांक्षा, हास्य और अनपेक्षित मोड़ हैं, जो इसे एक बहुत ही मनोरंजक सफर बनाते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम हमेशा नए कलाकारों का साथ देने में सबसे आगे रहे हैं और हमारे युवा कलाकारों की शानदार एक्टिंग देखना बहुत ही आनंददायक है। विनय वायकुल के निर्देशन और शिल्प ने इस कहानी को एक नया स्वाद दिया है। और हम इंतजार नहीं कर सकते कि जब यह 23 अक्टूबर को रिलीज होगी, तो दुनिया भर के दर्शक इस कहानी का अनुभव करें।' विनय वायकुल द्वारा निर्देशित सीरीज में पूरव झा, नमन जैन, साकिब अयूब और प्रयारक मेहता मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, सई ताम्हणकर, सिकंदर खेर, दिव्येंदु भट्टाचार्य, राजेश तैलंग, चंकी पांडे और भगवती पेरुमल जैसे कलाकार सहायक भूमिका में नजर आएंगे।

अंकिता लोखंडे-विक्की जैन से कृष्णा-कश्मीरा तक, रोहित शर्मा की होस्टिंग के मुरीद हुए सितारें

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी और मनोरंजन जगत के चर्चित सितारों कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने परिवार के साथ समय बिताने, आपसी रिश्तों और खेल-खेल में होने वाली नोकझोंक के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने शो के होस्ट रोहित शर्मा के अंदाज की भी तारीफ की।

कृष्णा अभिषेक ने शो के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब पूरा परिवार एक साथ आता है और उनके बीच थोड़ा कॉम्पिटिशन होता है, तो माहौल और भी मजेदार हो जाता है। इस शो में छोटी-छोटी फैमिली इक्वेशन देखने को मिलती हैं। इससे पता चलता है कि कौन सबसे ज्यादा कॉम्पिटिटिव है, किसे सबसे पहले गुस्सा आता है और कौन चुपचाप जीतने की कोशिश कर रहा है।''

कृष्णा ने रोहित शर्मा की होस्टिंग की तारीफ करते हुए कहा, ''रोहित ने इस पूरे माहौल को बहुत अच्छी तरह संभाला। वह रिलैक्स्ड थे, उनकी कॉमिक टाइमिंग अच्छी थी और उन्हें पता था कि कब परिवारों को खुलकर मस्ती करने देनी है। दर्शकों को उनका यह अंदाज देखकर अच्छा लगेगा। कश्मीरा शाह ने कहा, ''परिवार के साथ इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद मजेदार और यादगार अनुभव रहा। हम सभी ने साथ में हंसी-मजाक किया, एक-दूसरे को छेड़ा और खेलों में हिस्सा लिया। इन खेलों से परिवार के सदस्यों का मुकाबला करने वाला अंदाज सामने आता है, लेकिन असली मजा उनके रिएक्शन, हंसी और साथ बिताए छोटे-छोटे पलों में है।''

'लिखे जो खत तुझे' का हिस्सा बनने पर शीबा चड्ढा ने जताई खुशी, बोलीं - कहानी पहली नजर में ही दिल को छू गई

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री शीबा चड्ढा माइक्रो ड्रामा 'लिखे जो खत तुझे' में नजर आ रही हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने इसका हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की और इस प्लेटफॉर्म पर काम करने के अनुभव को भी शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर 'लिखे जो खत तुझे' की शूटिंग की कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार कुशा कपिला और प्रियांशु चटर्जी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि वे दोनों कलाकारों के काम की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हैं।

अभिनेत्री ने लिखा, 'मेरे लिए यह कहानी पहली नजर में ही दिल को छू लेने वाली थी। कुशा कपिला के साथ काम कर बहुत खुशी हुई, जिन्हें मैं हमेशा से बहुत पसंद करती रही हूं और प्रियांशु चटर्जी के लिए भी यही बात कह सकती हूं। बाकी सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए साथ दिया। आप सभी को पूरे प्यार के लिए बहुत-बहुत

धन्यवाद। खासकर हरी साड़ी के लिए कृपया हमें लिखते रहें।'

माइक्रो ड्रामा 'लिखे जो खत तुझे' 14-एपिसोड वाली सीरीज है। यह रिश्तों और खुद को पहचानने जैसे विषयों पर है। इसकी कहानी दो अलग-अलग शहरों में रहने वाली महिलाओं के बीच अनजाने में हुई पत्र-व्यवहार (पेन-पाल) की दोस्ती और उनकी भावनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

कहानी तब शुरू होती है जब एक महिला अपने पुराने दोस्त को पत्र भेजती है, लेकिन वह गलती से उस घर में रहने वाले किरायेदार तक पहुंच जाता है।

कहानी में कुशा कपिला मुंबई की एक युवती 'अनीशा' का किरदार निभा रही हैं, जो टूटे हुए रिश्ते के दर्द से गुज़र रही है। वहीं, शीबा चड्ढा लखनऊ की एक विधवा 'चारू' के रूप में दिखेंगी, जो अपनी ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव से जूझ रही है। इनके अलावा, प्रियांशु चटर्जी भी इस मुख्य स्टारकास्ट का हिस्सा हैं।

सीरीज को 'अंडरनीट' द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जिसे कुशा कपिला और विमर्श राजदान ने सह-संस्थापक के रूप में शुरू किया था। यह सीरीज नम्रता वाधवानी द्वारा रची और लिखी गई है तथा राशी प्रिया नाहटा द्वारा निर्देशित है। यह सीरीज सितंबर/अक्टूबर 2026 में रिलीज हुई है।

'काला हिरण' फिल्म विवाद : सलमान खान को 4 हफ्ते में देना होगा जवाब, 16 दिसंबर को अगली सुनवाई

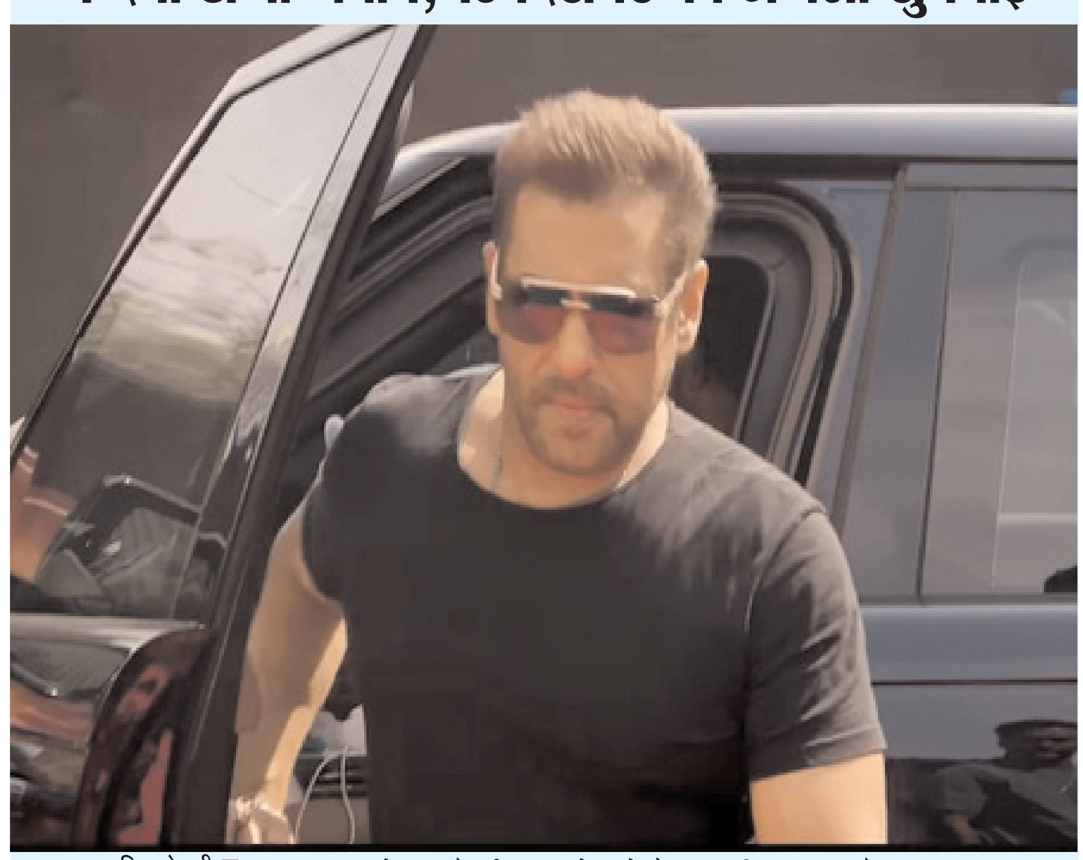

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता सलमान खान को फिल्म 'काला हिरण' के निर्माता की ओर से दायर याचिका पर जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। फिल्म निर्माता ने अदालत से मांग की है कि सलमान खान की ओर से फिल्म पर रोक लगाने के लिए दायर मुकदमे को वापस लेने का निर्देश दिया जाए।

निर्माता का तर्क है कि सलमान की ओर से दायर मुकदमे में दिल्ली की अदालत के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है।

हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सलमान खान से जवाब मांगा है। जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट की ओर से चार हफ्ते का समय दिया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी।

दरअसल, पूरा विवाद फिल्म का पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद शुरू हुआ। सलमान की तरफ से आरोप लगाया गया कि फिल्म में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है, जो काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है। उस किरदार के हाथ में सलमान खान जैसा मशहूर ब्रेसलेट भी नजर आया। सलमान का कहना है कि यह सब उनकी पहचान से जोड़कर दिखाया जा रहा है और उनकी अनुमति के बिना फिल्म में उनकी पर्सनैलिटी का इस्तेमाल किया गया है।

फिल्म के टीजर में 1998 के काले हिरण शिकार मामले से जुड़े संदर्भ भी दिखाए गए हैं। यह वही मामला है, जिससे सलमान खान का नाम लंबे समय से जुड़ा रहा है। सलमान की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े विवाद को कहानी का हिस्सा बनाया गया है और इसका इस्तेमाल फिल्म के प्रचार के लिए भी किया जा रहा है।

उनका कहना है कि इससे उनकी छवि को नुकसान पहुंच सकता है और उनकी पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन हो रहा है।

वहीं, फिल्म के डायरेक्टर भरत एस. श्रीनेत का कहना है कि यह फिल्म सलमान खान पर नहीं है। फिल्म का किरदार काल्पनिक है और उसका नाम 'अयान खान' रखा गया है। डायरेक्टर ने ब्रेसलेट को लेकर भी कहा था कि ऐसा ब्रेसलेट सिर्फ सलमान खान ही नहीं पहनते। वहीं अभिनेता को सलमान जैसा दिखाने के लिए किसी तरह का प्रोस्थेटिक मेकअप नहीं किया गया है।

27 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने सलमान खान की आपत्ति पर फिल्म के टीजर और उससे जुड़ी कुछ प्रचार सामग्री के ऑनलाइन लिंक हटाने का अंतरिम आदेश दिया था।

नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार सूरज ढलने के बाद क्यों हुआ? बेटे मल्हार पाटेकर ने बताई वजह

विश्व केसरी

मुंबई। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर के पार्थिव शरीर का गुरुवार रात पुणे जिले के डोंजे गांव स्थित उनके फार्महाउस पर अंतिम संस्कार किया गया। अभिनेता के बेटे मल्हार पाटेकर ने दाह संस्कार के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार सूरज ढलने के बाद क्यों किया गया।

मल्हार पाटेकर ने बताया कि अभिनेता के शव को गोवा से फार्महाउस तक लाने में लंबा समय बीत चुका था। इसलिए, पार्थिव शरीर को लंबे समय तक रखना ठीक नहीं था। उन्होंने कहा, 'हम गोवा में थे और उनके पार्थिव शरीर को गांव के फार्महाउस तक लाना था। हमें उम्मीद थी कि फार्महाउस तक जल्दी पहुंच जाएंगे, लेकिन पहुंचने में समय ज्यादा लग गया और पार्थिव शरीर को लंबे समय तक रखना ठीक नहीं था। इसलिए हमें सूरज ढलने के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया करनी पड़ी थी।'

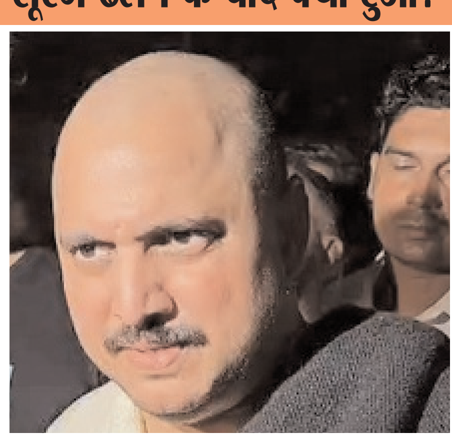

मल्हार पाटेकर ने अपने पिता के सामाजिक कार्यों की विरासत को आगे बढ़ाने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता जी, जैसे लोग कहीं नहीं जाते हैं, वे अपने काम से हमेशा जीवित रहते हैं। वे हमेशा कहते थे कि हमें लोगों की मदद करनी चाहिए और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहिए। हमारा सामाजिक कार्य महाराष्ट्र के साथ-साथ बाकी राज्यों में भी फैला हुआ है, जिसमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल है। हम वहां शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सामाजिक कार्य कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने पहले ही हर उस व्यक्ति को इस कार्य को संभालने की जिम्मेदारी सौंप दी थी, जो इसका हकदार था और इस कार्य के साथ अच्छे से न्याय कर सके। वह अपनी जिंदगी एक ऐसी जगह बिताना चाहते थे, जहां सामाजिक कार्य के लिए उनकी जरूरत हो। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि जो भी काम अधूरा है, वह पूरा हो। उनका सपना और मेरा सपना एक साथ लोगों के लिए काम करना है।'

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से अभिनेता नाना पाटेकर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

भारत और लाइबेरिया ने खाड़ी और काला सागर में जहाजों पर हमलों की निंदा की, तुरंत रोकने की अपील

विश्व केसरी

नई दिल्ली। खाड़ी क्षेत्र के आस-पास और काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों पर हमलों की भारत और लाइबेरिया ने कड़ी नर्िंदा की। 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेफ्टी एंड सिक्योरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफेरर्स' (जीओएफ ऑन एस4) के सह-अध्यक्ष के तौर पर भारत और लाइबेरिया ने समुद्री व्यापार को बाधित करने वाले इन हमलों तुरंत बंद करने की अपील की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में भारत के स्थायी मिशन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए लिखा, ''भारत और लाइबेरिया, 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेफ्टी एंड सिक्योरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफेरर्स' (जीओएफ ऑन एस4) के सह-अध्यक्ष होने के नाते, जहाजों और नाविकों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।''

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में भारत के स्थायी मिशन ने अपने पोस्ट में लिखा, ''भारत और लाइबेरिया, जो ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेफ्टी एंड सिक्योरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफेरर्स (जीओएफ ऑन एस4) के सह-अध्यक्ष हैं, खाड़ी क्षेत्र और उसके आसपास तथा काला सागर में पिछले कुछ दिनों के दौरान वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों पर हुए लगातार अस्वीकार्य हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। समुद्री व्यापार को बाधित करने वाले और निर्दोष लोगों की जान लेने वाले ऐसे हमलों का किसी भी तरह से बचाव नहीं किया जा सकता। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता के हित में इन हमलों को तुरंत बंद करने की अपील करते हैं।''

पोस्ट में आगे लिखा गया, ''जिन नाविकों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों के प्रति हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। साथ ही, घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत और लाइबेरिया ने 25 सितंबर 2026 को जीओएफ ऑन एस4 की शुरुआत की थी। दोनों देश ऐसे हमलों की पुनरावृत्ति रोकने और नाविकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग और बेहतर समन्वय बढ़ाने के लिए तैयार हैं।''

इससे पहले बुधवार को भी विदेश मंत्रालय (एमईए) की पाक्षिक प्रेस वार्ता में भारत ने इन हमलों को लेकर चिंता जाहिर की थी।

एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'भारत ने मंगलवार से बुधवार के बीच देखा कि चार वाणिज्यिक जहाजों पर हमले हुए। हम इसकी घोर निंदा करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुधारों के साथ महासभा को और मजबूत बनाने की जरूरत: भारत

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। भारत ने कहा है कि महासभा का पुनरुद्धार व्यापक संयुक्त राष्ट्र सुधारों का हिस्सा होना चाहिए ताकि संगठन अधिक प्रतिनिधि, प्रभावी और अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम बन सके।

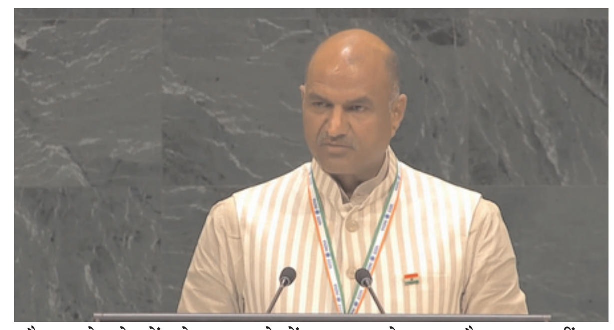

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के पूर्ण सत्र में महासभा के कामकाज के पुनरुद्धार पर भाजपा सांसद सीपी जोशी ने निर्वाचित और स्थायी श्रेणियों में सदस्यता के विस्तार सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए भारत की मांग को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा परिषद के लिए आज की वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि महासभा का पुनरुद्धार व्यापक संयुक्त राष्ट्र सुधारों का हिस्सा होना चाहिए ताकि संगठन अधिक प्रतिनिधि, प्रभावी और अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम बन सके। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों का पुनरुद्धार केवल महासभा तक सीमित नहीं हो सकता। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने दायित्व को प्रभावी ढंग से निभाने में सुरक्षा परिषद की अक्षमता समग्र रूप से संयुक्त राष्ट्र के कामकाज पर संदेह पैदा करती है। स्थायी और निर्वाचित दोनों श्रेणियों में सदस्यता विस्तार सहित सुरक्षा परिषद में प्रभावी सुधार को अब और टाला नहीं जा सकता। यह आवश्यक है कि सुरक्षा परिषद आज की वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे और संयुक्त राष्ट्र को वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम बनाए।

जोशी ने महासभा की केंद्रीय भूमिका को मजबूत और पुनर्जीवित करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और तीन क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्यप्रणाली में सुधार का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबर

नेपाल: पोखरा के पास सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी स्कूल बस, हादसे में पांच की मौत

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल के पश्चिमी शहर पोखरा में शुक्रवार सुबह एक स्कूल बस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी। बस सुबह करीब 6:20 बजे कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका के वार्ड नंबर 28 स्थित ओखलेको भीर इलाके में सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह बस कालिका इंग्लिश बोर्डिंग स्कूल की है। कास्की जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख पुलिस अधीक्षक नवीन कार्की ने आईएएनएस को बताया कर्ि हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस में 17 छात्र, एक अन्य यात्री और चालक सवार थे। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। कास्की के मुख्य जिला अधिकारी कुमान सिंह गुरुंग ने बताया कि बस में ज्यादातर 10वीं कक्षा के छात्र थे। हादसे के समय वे ट्यूशन क्लास में जाने के लिए यात्रा कर रहे थे। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल में सड़क हादसों की संख्या बढ़ी है। इसके साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या में भी लगातार इजाफा हुआ है। करीब दस साल पहले नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की थीं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में नेपाल में 7,669 सड़क हादसे हुए, जिनमें 1,900 लोगों की मौत हुई।

बिहार के मुजफ्फरपुर में बिजली के तार के संपर्क में आने से दो छात्राएं झुलस गईं

विश्व केसरी

पटना। शुक्रवार को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के शाहबाजपुर हायर सेकेंडरी स्कूल में बिजली का झटका लगने से दो छात्राएं झुलस गईं। यह घटना दोपहर के भोजन के अवकाश के दौरान हुई जब छात्राएं स्कूल की छत पर गई थीं, जहां से 11,000 वोल्ट की बिजली की लाइन गुजरती है। घायल छात्राओं में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल छात्राओं को इलाज के लिए श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसकेएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। घायल छात्राओं में से एक नेहा के अनुसार, वह दोपहर के भोजन के अवकाश के दौरान अन्य छात्राओं के साथ छत पर खाना खाने गई थी। वहां उसने छत के पास एक दीवार को छुआ और गिरने से पहले उसे तेज बिजली का झटका लगा। एक अन्य छात्रा भी चीखने लगी। बताया जाता है कि श्रुति नाम की एक छात्रा ने साहस दिखाते हुए घायल छात्राओं को नीचे उतारने में मदद की। इस घटना से स्कूल परिसर में दहशत फैल गई और कई छात्र डर के मारे परिसर छोड़कर चले गए। इस दुर्घटना ने विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्कूल भवन के पास मौजूद उच्च वोल्टेज बिजली लाइन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। स्थानीय लोगों ने स्कूल प्रबंधन पर तुरंत कार्रवाई न करने का आरोप भी लगाया है। प्रत्यक्षदर्शी वैभव कुमार ने बताया कि एक छात्रा के हाथ और पैर बुरी तरह जल गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि घायल विद्यार्थियों को अस्पताल ले जाने के लिए स्कूल का गेट समय पर नहीं खोला गया।

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को 'सर्वोच्च वीरता अवॉर्ड' से नवाजेगा इजरायल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फ्लाईदुबई की फ्लाइट से जुड़ी घटना में 170 से ज्यादा लोगों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को उनकी बहादुरी के लर्िए इजरायल ने सर्वोच्च नागरिक वीरता सम्मान 'प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड फॉर सिविलियन हीरोइज्म' से सम्मानित करने की घोषणा की है। वहीं, अमेरिका भी कैप्टन स्मित को प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के 'कांग्रेसनल रिकॉर्ड' में सम्मानित करेगा।

भारत में इजरायली दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग की घोषणा की जानकारी साझा की।

पोस्ट में लिखा गया, ''कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी और साहस ने एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। स्वस्थ होने के बाद राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग उन्हें इजरायल का राष्ट्रपति नागरिक वीरता पुरस्कार प्रदान करेंगे। हम उनके जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करते हैं। धन्यवाद, कैप्टन। इजरायल आपकी बहादुरी को सलाम करता है।''

इससे पहले भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अमेरिकी कांग्रेस के आधिकारिक रिकॉर्ड (कांग्रेसनल रिकॉर्ड) में कैप्टन मच्छार के साहस और बहादुरी की सराहना करते हुए एक बयान दर्ज कराएंगे। कृष्णमूर्ति ने अपने साथी सांसदों से भी कैप्टन मच्छार के साहस को सम्मानित करने की अपील की।

यह सम्मान 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई फ्लाइट एफजेड 1073 में हुई घटना के बाद दिया जा रहा है। आरोप है कि उड़ान के दौरान सह-पायलट ने कैप्टन मच्छार पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की।

राजा कृष्णमूर्ति के बयान के अनुसार, घटना के दौरान विमान केवल 30 सेकंड में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार किसी तरह कॉकपिट के दरवाजे तक पहुंचे और उसे खोलने में सफल रहे। इससे यात्रियों और चालक दल के अन्य सदस्यों को अंदर पहुंचकर हमलावर को काबू करने का मौका मिला।

इसके बाद विमान में यात्रा कर रहे फ्लाईदुबई के दो रिजर्व पायलटों ने कमान संभाली और उसे सुरक्षित रूप से सऊदी अरब के तबूक में उतारा। कांग्रेस सदस्य के बयान के मुताबिक, विमान में 172 यात्री सवार थे, जिनमें चार अमेरिकी नागरिक और 27 बच्चे शामिल थे।

पाकिस्तान: वकीलों ने पीटीआई के मार्च और मांगों को दिया

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) को वकीलों ने समर्थन दिया है। शुक्रवार की मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि 'ऑल पाकिस्तान लॉयर्स एक्शन कमेटी' ने 'पीटीआई' के मार्च और उसकी मांगों का समर्थन किया है।

पाकिस्तान के अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'ऑल पाकिस्तान लॉयर्स एक्शन कमेटी' के चेयरमैन अली अहमद कुर्द और अलग-अलग बार एसोसिएशन व काउंसिलों के प्रतिनिधियों ने कहा है कि पीटीआई का मार्च पाकिस्तान में लोकतंत्र और कानून के शासन को मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक संघर्ष होगा।

एक बयान में वकीलों ने कहा है कि पीटीआई पार्टी संविधान और कानून की सर्वोच्चता, एक स्वतंत्र न्यायपालिका, संसद और पाकिस्तान में चल रहे आर्थिक और राजनीतिक संकट, बिगड़ती कानून व्यवस्था, राजनीतिक और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की अवैध गिरफ्तारी, मुद्रास्फीति और अराजकता के खिलाफ मार्च निकाल रही है।

वकीलों ने पीटीआई के संस्थापक इमरान खान और हिरासत में लिए गए पार्टी के अन्य नेताओं की रिहाई की भी मांग की। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तानी अधिकारी खैबर पख्तूनख्वा में गवर्नर शासन लागू करते हैं या 'कोई अलोकतांत्रिक कदम' उठाते हैं, तो वकील विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इससे पहले, गुरुवार को खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने कहा कि पीटीआई अपना लंबा मार्च जारी रखेगी, क्योंकि 'पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं है'।

आंध्र प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका, बीसी के 34 प्रतिशत आरक्षण पर याचिका खारिज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से आंध्र प्रदेश सरकार को एक बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च अदालत ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली उसकी याचिका खारिज कर दी, जिसमें स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 34 प्रतिशत आरक्षण को रद्द कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और शील नागू की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा बीसी आरक्षण बढ़ाने के औचित्य हेतु प्रस्तुत आंकड़ों, विशेष रूप से एकीकृत परिवार सर्वेक्षण के निष्कर्षों के कानूनी आधार पर सवाल उठाए।

आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि हाई कोर्ट के पास आंकड़ों को अविश्वसनीय बताकर खारिज करने का कोई कारण नहीं था। हालांकि, न्यायमूर्ति दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य सरकार से यह साबित करने को कहा कि हाई कोर्ट ने यह मानने में कहां गलती की है कि सर्वेक्षण के आंकड़े आरक्षण निर्धारण का आधार नहीं बन सकते।

याचिका खारिज करने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए बढ़े हुए आरक्षण को उचित ठहराने के लिए सर्वेक्षण आंकड़ों पर भरोसा करने के कानूनी आधार पर सवाल उठाया।

1 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी (बहुसंख्यक वर्ग) के लिए 34 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले दो सरकारी आदेशों को रद्द कर दिया, यह मानते हुए कि यह कोटा कुल आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा का उल्लंघन करता है।

हाई कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार, स्थानीय निकायों में सभी श्रेणियों के लिए कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

यह फैसला चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि स्थानीय निकायों में बीसी आरक्षण को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 34 प्रतिशत करना 2024 के विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए उसके प्रमुख वादों में से एक था।

सिब्बल के बयान का जिक्र कर फडणवीस बोले, एसआईआर का विरोध करने से पहले कांग्रेस अपना इतिहास देखे

विश्व केसरी

मुंबई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के नेतृत्व में चुनाव आयोग तथा एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन और उससे मध्य दिल्ली में काफी देर तक यातायात प्रभावित रहने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

सीएम फडणवीस ने सोशल मीडिया पर संसद का पुराना फुटेज साझा किया, जिसमें कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री कपिल सिब्बल एसआईआर फ्रेमवर्क का आधिकारिक तौर पर समर्थन करते हुए दिख रहे हैं।

फडणवीस की ओर से साझा की गई वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो रही है। यह क्लिप विपक्ष की ओर से किए गए उन दावों को खारिज करती है, जिसमें कहा गया है कि वोटर लिस्ट में बदलाव की प्रक्रिया एक 'साजिश' या असंवैधानिक तरीका है। विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम छूट गए हैं और वे इसके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रही हैं।

कांग्रेस नेतृत्व पर सीधा हमला करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के पुराने रुख और अभी सड़कों पर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच जबरदस्त अंतर को उजागर किया। सीएम सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस हर मंच से एसआईआर के खिलाफ शोर मचा रही है, लेकिन उनके ही पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल के शब्द इस ड्रामे की पोल खोल रहे हैं। राजनीतिक सुविधा के हिसाब से संसद का रिकॉर्ड नहीं बदलता। शायद नई-नई साजिश की थ्योरी गढ़ने से पहले कांग्रेस को अपना इतिहास देख लेना चाहिए। कभी-कभी, सबसे अच्छा जवाब आपकी अपनी पार्टी के अतीत से ही मिलता है।'

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उत्तरी कमान ने तबाह किए थे 9 में से 7 आतंकी ठिकाने

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की उत्तरी कमान ने अहम भूमिका निभाई थी। उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा के अनुसार, अभियान के दौरान निशाना बनाए जाने के लिए चिह्नित नौ ठिकानों में से सात को नष्ट करने की जिम्मेदारी उत्तरी कमान को मिली थी, जिसे सेना ने पूरा किया।

उत्तरी कमान पूर्वी लद्दाख से सियाचिन तक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है। भारतीय सेना की उत्तरी कमान हर समय किसी न किसी सैन्य अभियान में जुटी रहती है। चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा से लेकर सियाचिन ग्लेशियर और नियंत्रण रेखा तक, इस कमान की जिम्मेदारियां बेहद व्यापक हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने यह जानकारी रक्षा त्रिवेणी संगम से मिले अनुभवों और उत्तरी कमान की सैन्य तैयारियों पर चर्चा करते हुए दी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जमीनी हालात, पूर्वी लद्दाख में चीन से लगी सीमा पर तैनाती और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में विस्तार से बताया।

लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के 88 घंटों के दौरान उत्तरी कमान ने अपनी परिचालन जिम्मेदारी निभाते हुए नौ में से सात चिह्नित ठिकानों को नष्ट किया।

जेवर एयरपोर्ट अब 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' के नाम से जाना जाएगा, योगी कैबिनेट की मुहर

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने का फैसला किया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद सीएम योगी ने इसकी जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के जनसेवा कालखंड को देश और प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। कैबिनेट ने इस दौरान कुल 39 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश कैबिनेट ने उनके योगदान का अभिनंदन करते हुए यह प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश से आत्मीय संबंध है और उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है। उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को 500 वर्षों के इंतजार की समाप्ति से जोड़ते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण और विदेश से मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा वापस लाकर स्थापित कराना भी प्रधानमंत्री के प्रयासों के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।

झांसी में आज से सीनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप

पिछले साल हॉकी पंजाब ने जीता था डिवीजन-ए का खिताब

विश्व केसरी ■

झांसी। हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2026, 10 अक्टूबर को झांसी में शुरू होने वाली है, जिसमें तीन डिवीजनों में 29 टीमें मुकाबला करेंगी। टूर्नामेंट 21 अक्टूबर को खत्म होगा और डिवीजन 'ए' का फाइनल मुकाबला आखिरी दिन होगा।

पिछले एडिशन में, हॉकी पंजाब ने डिवीजन 'ए' के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश को 4-1 से हराकर प्रतिष्ठित 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता था। उत्तर प्रदेश हॉकी ने तीसरे स्थान के मैच में मणिपुर हॉकी को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

2026 एडिशन में डिवीजन 'ए', डिवीजन 'बी' और डिवीजन 'सी' होंगे, जिसमें टीमों को 2025 एडिशन की रैंकिंग के अनुसार ग्रुप किया जाएगा। यह चैंपियनशिप देश भर की टीमों को अपना टैलेंट दिखाने और नेशनल लेवल पर सम्मान के लिए मुकाबला करने का एक कॉम्पिटिटिव प्लेटफॉर्म देगी।

डिवीजन 'ए' में 12 टीमें होंगी, जिन्हें तीन-तीन टीमों के चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में हॉकी पंजाब, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और हॉकी बंगाल शामिल हैं, जबकि पूल बी में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी पुडुचेरी शामिल हैं। पूल सी में उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी कर्नाटक और हॉकी चंडीगढ़ शामिल हैं, जबकि पूल डी में मणिपुर हॉकी, हॉकी हरियाणा और दिल्ली हॉकी शामिल हैं। पूल स्टेज के बाद 18 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल होंगे, जिसमें हर पूल से टॉप दो टीमें नॉकआउट स्टेज में जाएंगी। सेमीफाइनल 19 अक्टूबर को होंगे, उसके बाद तीसरे स्थान का मैच और फाइनल 21 अक्टूबर को होगा। डिवीजन 'बी' में दो पूलों में 10 टीमें मुकाबला करेंगी। पूल 'ए' में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, असम हॉकी, केरल हॉकी, हॉकी उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ हॉकी शामिल हैं। पूल बी में हॉकी झारखंड, तेलंगाना हॉकी, गोवा हॉकी, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी और हॉकी अरुणाचल शामिल हैं।

इस बीच, डिवीजन 'सी' में सात टीमें होंगी, जिन्हें दो पूलों में बांटा गया है। पूल ए में हॉकी मिजोरम, हॉकी हिमाचल और हॉकी जम्मू और कश्मीर शामिल हैं, जबकि पूल बी में हॉकी आंध्र प्रदेश, हॉकी राजस्थान, बिहार और हॉकी गुजरात शामिल हैं।

डिवीजन 'बी' और डिवीजन 'सी' के मैच 10 अक्टूबर से शुरू होंगे, जिसमें टीमें अपने कैंपेन की मजबूत शुरुआत करना चाहेंगी। डिवीजन 'ए' के मैच 14 अक्टूबर से शुरू होने वाले हैं, जिसमें कई कड़े मुकाबले होंगे क्योंकि टीमें नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगी।

तीन डिवीजनों में टीमों के बीच मुकाबला होने के साथ, 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष नेशनल चैंपियनशिप झांसी में घरेलू हॉकी के रोमांचक दो सप्ताह का वादा करती है, क्योंकि इसमें हिस्सा लेने वाली टीमें अपनी पहचान बनाने और अपने-अपने टाइटल के लिए चुनौती पेश करने का लक्ष्य रखेंगी।

यह चैंपियनशिप 10 से 21 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश के झांसी में होगी।

पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में हिस्सा, बांग्लादेश को मिली जगह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा।

पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया।

यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों – जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम – में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमें मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं। जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद, पांच बार की एसीटी विजेता भारतीय टीम शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी और प्रतियोगिता में अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

उद्घाटन समारोह 27 अक्टूबर को होगा, जिसके ठीक बाद भारत अपने अभियान के पहले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा। छह टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन लीग चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें प्रत्येक टीम पांच मैच खेलेगी। लीग चरण के अंत में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

पहले दिन बांग्लादेश का सामना करने के बाद भारत का मुकाबला 29 अक्टूबर को चीन, 30 अक्टूबर को जापान, 1 नवंबर को मलेशिया और 2 नवंबर को साउथ कोरिया से होगा। भारत के सभी पांच लीग मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होंगे। टूर्नामेंट में 28 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 3 नवंबर को तीन दिन का विश्राम (रेस्ट डे) होगा। टूर्नामेंट से पाकिस्तान का हटना दोनों देशों के अपनी टीमों को सीमा पार यात्रा करने की अनुमति न देने के रुख के अनुरूप लगता है। दोनों देशों ने अपनी टीमों को सीमा पार भेजने से इनकार कर दिया है, और मैच तटस्थ स्थानों पर आयोजित किए गए हैं। हालांकि, हॉकी में ऐसा मुमकिन न होने के कारण, पाकिस्तान ने अपनी टीम को वापस बुलाने का फैसला किया, जिसने एशियन गेम्स 2026 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बीच, टूर्नामेंट के अहम दौर के लिए मोहाली जाने से पहले, जालंधर 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सभी लीग-स्टेज मैचों की मेजबानी करेगा। सेमीफाइनल और मेडल मैच ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। सेमीफाइनल 4 नवंबर को और ब्रॉन्ज मेडल व गोल्ड मेडल मैच 5 नवंबर को होंगे।

मेगन शट वन्डे में 150 विकेट पूरे किए

विश्व केसरी ■

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गई है। शुक्रवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड पर बांग्लादेश महिला टीम के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में शट ने वनडे क्रिकेट में 150 विकेट पूरे किए।

इस खास मुकाम तक पहुंचने वाली सिर्फ तीसरी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गई हैं। वह इस लिस्ट में दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पेरी (166 विकेट) और पूर्व तेज गेंदबाज कैथरीन फिट्जपैट्रिक (180 विकेट) के साथ शामिल हो गई हैं। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में उतरते समय, 33 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए दो विकेट की जरूरत थी। उन्होंने सीरीज की पहली ही गेंद पर फरगाना हक का विकेट लिया और फिर तीसरे ओवर में शर्मिन सुल्ताना का विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया के पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद उन्होंने पहली ही गेंद पर हक को पवेलियन भेजा। उन्होंने बांग्लादेशी ओपनर को एक ऐसी गेंद पर आउट किया जो 'बैक-ऑफ-ए-लेंथ' से अंदर की ओर आई और बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में फील्डिंग कर रहीं लिचफील्ड के हाथों में समां गई।

शट ने तीसरे ओवर में यह खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने शर्मिन सुल्ताना को फुल लेंथ की गेंद डाली, जो अंदर की तरफ स्विंग हुई। बल्लेबाज ने फ्लिक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले को छूने के बजाय सीधे उनके पैड पर लगी। इसके बाद अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया।

शट इस फॉर्मेट में 150 विकेट लेने वाली कुल मिलाकर 12वीं खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में भारत की दिग्गज और पूर्व तेज गेंदबाज़ झूलन गोस्वामी सबसे आगे हैं, जिनके नाम 255 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से फिट्जपैट्रिक 180 विकेट के साथ सबसे आगे हैं, जबकि पेरी 166 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम 49.4 ओवर में 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने चार विकेट लिए, जबकि एशले गार्डनर, उप-कप्तान ताहलिया मैकग्राथ और जॉर्जिया वेयरहैम ने भी एक-एक विकेट चटकाया।

ऑस्ट्रेलिया ने 167 रनों के लक्ष्य को 25.4 ओवर में सिर्फ 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बल्लेबाजी में फोएबे लिचफील्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों में 77 रनों की दमदार पारी खेली।

शंघाई मास्टर्स: ज्वेरेव ने तीसरे दौर में बनाई जगह, वू यिबिंग को सीधे सेटों में हराया

विश्व केसरी ■

शंघाई। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शुक्रवार को शंघाई मास्टर्स के दूसरे दौर में चीन के स्थानीय खिलाड़ी वू यिबिंग को 6-4, 7-6 (4) से हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। हालांकि, ज्वेरेव को मैच के दौरान कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा और वह मुकाबले में कुछ समय के लिए संघर्ष करते दिखे, लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

पहला सेट ज्वेरेव ने 6-4 से अपने नाम किया, जबकि दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली। आखिरकार टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने बाजी मारते हुए मैच को अपने नाम किया और अगले दौर में प्रवेश किया। राउंड ऑफ 64 के इस मुकाबले में अलेक्जेंडर ज्वेरेव दूसरे सेट में अच्छी स्थिति में थे, लेकिन मैच के दौरान एक पल ऐसा आया जब वे कोर्ट पर गिर पड़े। बैकहैंड शॉट खेलने के बाद उनका टखना मुड़ गया, जिससे कुछ समय के लिए उनकी परेशानी बढ़ गई।

हालांकि, जर्मन खिलाड़ी ने हिम्मत नहीं हारी। वह तुरंत उठे और मैच जारी रखा। चोट के बावजूद उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल कर ली। ज्वेरेव ने यह मुकाबला एक घंटे 36 मिनट में अपने नाम किया और शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में जगह बनाई। चीनी खिलाड़ी पर जीत के बाद ज्वेरेव ने कहा, 'वह हर गेंद को पूरी ताकत से मारते हैं, इसलिए आपकी सर्विस के अलावा मैच का नतीजा आप पर बहुत ज्यादा निर्भर नहीं करता। मुझे लगा कि मेरी सर्विस ठीक थी, लेकिन बाकी सब उनके हाथ में था। वह दूसरे सेट में अच्छा खेल रहे थे, इसलिए मैं खुश हूं कि मैंने सीधे सेटों में जीत हासिल की।

इस बीच, दुनिया के नंबर 7 खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली को दूसरे राउंड में 83वीं रैंकिंग वाले एड्रियन मन्नारिनो ने 1-6, 6-4, 3-6 से चौंकाते हुए जीत दर्ज की। कोबोली को पिछले हफ्ते बीजिंग में भी शुरुआती राउंड में हार का सामना करना पड़ा था और शंघाई में भी वह अपनी लय नहीं दिखे।

इससे पहले, बेन शेल्टन ने डैनियल ऑल्टमेयर को 6-3, 7-6(6) से हराकर अपना 24वां जन्मदिन मनाया। शेल्टन हाल ही में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां वे ज्वेरेव से हार गए थे। अब वह इस साल की शुरुआत में कनाडा मास्टर्स जीतने के बाद अपना दूसरा मास्टर्स 1000-लेवल का खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले, जापानी क्वालीफायर रे साकामोटो ने कोर्ट 3 पर खेले गए दूसरे राउंड के मैच में पूर्व फाइनलिस्ट आंद्रे रुबलेव को 6-4, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। दुनिया के 137वें नंबर के खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में हरा दिया। साकामोटो ने मैच में रुबलेव की सर्विस दो बार तोड़ी और दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई।

रणजी ट्रॉफी: रवींद्र जडेजा शामिल

विश्व केसरी ■

राजकोट। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2026/27 के पहले मैच के लिए सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के हाथ में है।

जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे सीरीज जीत में खेलकर आ रहे हैं, हालांकि उन्होंने दो मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए और उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला।

रणजी ट्रॉफी में खेलने से जडेजा को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दो मैचों के टेस्ट दौरे से पहले रेड-बॉल लय बनाने में मदद मिलेगी। रणजी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ एलीट ग्रुप बी में रखा गया है।

उनादकट की लीडरशिप में सौराष्ट्र अपने कैंपेन की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र, जिसने उनादकट की लीडरशिप में 2019/20 और 2022/23 में दो बार प्रीमियर घरेलू खिताब जीता था, ने पिछले सीजन की टीम के 14 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

लेफ्ट-आर्म पेसर उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। सौराष्ट्र 2025/26 रणजी ट्रॉफी के दौरान ग्रुप स्टेज में जल्दी बाहर हो गया था और इस साल एक मजबूत कैंपेन के लिए बेताब है।

सिलेक्शन कमिटी ने दो नए चेहरों—पेसर नील पांड्या और ऑलराउंडर अर्थ यादव—को टीम में शामिल किया है। हार्विक देसाई विकेटकीपिंग करते रहेंगे, जबकि बैटिंग यूनिट में अनुभवी अर्पित वासवदा, चिराग जानी और जय गोहिल होंगे। उनादकट, लेफ्ट-आर्म पेसर चेतन सकारिया के साथ तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। अनुभवी लेफ्ट-आर्म स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा टीम से बाहर हो गए हैं।

सदरलैंड की शानदार गेंदबाजी, लिचफील्ड ने खेली अर्धशतकीय पारी, ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 7 विकेट से शिकस्त दी। ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड मैदान पर बांग्लादेश से मिले 167 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आसानी से 25.4 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और जॉर्जिया वोल 19 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटीं। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड ने एलिस पेरी संग मिलकर दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों में 89 रनों की अहम साझेदारी निभाई। लिचफील्ड बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने 57 गेंदों का सामना करते हुए 77 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस इनिंग में उन्होंने 10 चौके और एक छक्का लगाया। बेथ मूनी ने 13 रनों का योगदान दिया। वहीं, पेरी 45 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने 23 गेंदों में 25 रनों की नाबाद पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से गेंदबाजी में हबीबा इस्लाम पिंकी ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजों के आगे बांग्लादेश की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम महज 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की तरफ से रितु मोनी ने सर्वाधिक 45 रन बनाए, जबकि निगर सुल्ताना ने 29 रन बनाए। शर्मिन अख्तर ने 26 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया। शोर्ना अख्तर ने 50 गेंदों में 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में 30 रन देकर चार विकेट चटकाए। वहीं, मेगन शट ने 2 विकेट लेने के साथ-साथ बेहद किफायती भी रहीं और उन्होंने 10 ओवर में महज 19 रन खर्च किए। एश्ले गार्डनर औरताहलिया मैकग्राथ ने एक-एक विकेट चटकाया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का दूसरा वनडे मुकाबला रविवार (11 अक्टूबर) को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़े इटली के ऑलराउंडर बेन मैनेंटी, दो साल का हुआ करार

विश्व केसरी ■

मेलबर्न। इटली के ऑलराउंडर बेन मैनेंटी ने आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ दो साल का करार किया है। मैनेंटी इससे पहले सिडनी सिक्सर्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए भी बीबीएल में खेल चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्हें यह नया कॉन्ट्रैक्ट मिला है।

29 वर्षीय ऑफ स्पिनर और आक्रामक बल्लेबाज बेन मैनेंटी इस साल फरवरी में हुए पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप में इटली की पहली बार मौजूदगी के दौरान टीम के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में तीन पारियों में 138 रन बनाए और इटली के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इसके अलावा उन्होंने पांच विकेट भी लिए। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ने इटली के अभियान में बड़ी भूमिका निभाई थी।

टी20 वर्ल्ड कप में कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ मैनेंटी ने 25 गेंदों में 60 रनों की तूफानी पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 4 चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 29 गेंदों में अर्धशतक लगाया और नेपाल के खिलाफ इटली की ऐतिहासिक जीत में 2-9 के शानदार स्पेल के साथ मैच जिताने वाली भूमिका निभाई।

यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के पहले सीजन में रॉटरडैम डॉकर्स के लिए खेलने के बाद इस ऑलराउंडर ने अपनी शानदार फॉर्म को ऑस्ट्रेलिया के घरेलू सीजन में साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए भी जारी रखा। शुक्रवार को विक्टोरिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड के पहले मैच में साउथ ऑस्ट्रेलिया के स्टैंड-इन कप्तान बने मैनेंटी ने 112 गेंदों में शतक जड़ा और कुल 128 रन बनाए, जिससे उनकी टीम पहली पारी में 500 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। ऑफ-सीजन में लेग-स्पिनर एडम जम्पा के होबार्ट हरिकेंस में चले जाने के बाद मैनेंटी की ऑफ-स्पिन गेंदबाजी उन्हें मेलबर्न में मुख्य स्पिन गेंदबाज की भूमिका के लिए अपनी दावेदारी पेश करने का बेहतरीन मौका देगी। रेनेगेड्स के नए हेड कोच ल्यूक रोंची ने बेन मैनेंटी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हाल के समय में शानदार क्रिकेट खेली है।

भारत में मोबाइल नेटवर्क ट्रैफिक 2025 से 2030 के बीच सालाना 17 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में मोबाइल नेटवर्क ट्रैफिक 2025 से 2030 के बीच सालाना लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि दूरसंचार ऑपरेटरों का राजस्व सालाना 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केपीएमजी इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में दूरसंचार उपकरणों का बाजार वित्त वर्ष 2025 के 25 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2032 तक लगभग 50 अरब डॉलर होने का अनुमान है। भारत में यह बाजार वैश्विक बाजार की तुलना में लगभग दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने विनिर्माण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित की है। वित्त वर्ष 2026 में मोबाइल हैंडसेट का उत्पादन 6,270 अरब रुपए तक पहुंच गया, जबकि दूरसंचार उपकरणों के आयात के स्थान पर घरेलू उत्पादन की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत हो गई है। यह देश की बढ़ती घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को दर्शाता है।

केपीएमजी इंडिया में पार्टनर एवं क्लाइंट्स एंड मार्केट्स तथा टेक्नोलॉजी, मीडिया एंड टेलीकम्युनिकेशंस (टीएमटी) के राष्ट्रीय प्रमुख अखिलेश टुटेजा ने कहा, 'दूरसंचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्लाउड और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का एकीकरण वैश्विक प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम में मूल्य सृजन के तरीके को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। जैसे-जैसे डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कनेक्टिविटी से आगे बढ़कर इंटेलिजेंस की ओर विकसित हो रही है, भारत के पास वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों, प्लेटफॉर्म और बौद्धिक संपदा (आईपी) का निर्माता बनने का अनूठा अवसर है। उन्होंने कहा कि इस क्षमता को साकार करने के लिए नवाचार, उन्नत विनिर्माण और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग में लगातार निवेश की आवश्यकता होगी। इससे आने वाले वर्षों में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति मजबूत होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार उद्योग अब केवल कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि एक बुद्धिमान डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), दूरसंचार नेटवर्क, सेमीकंडक्टर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सेवाओं और सहायक नीतिगत पहलों का एकीकरण नवाचार, मूल्य सृजन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व के अभूतपूर्व अवसर पैदा कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दूरसंचार क्षेत्र एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कनेक्टिविटी, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक क्षमता एक-दूसरे पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं। इसमें कहा गया है कि भारत ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर क्षमता विकसित करने की अपनी योग्यता पहले ही साबित कर दी है। हालांकि, विकास के अगले चरण में सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर, रेडियो सिस्टम, ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों में अधिक भागीदारी की आवश्यकता होगी।

गर्भावस्था में हाई बीपी को न करें नजरअंदाज, मां और बच्चे की सेहत के लिए समय पर जांच बेहद जरूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी सेहत का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं, जिनमें ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव भी शामिल है। कई बार गर्भवती महिलाएं हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप को सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन ऐसा करना मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, गर्भावस्था में हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याएं मातृ मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं की प्रमुख वजहों में शामिल हैं। ऐसे में समय पर जांच और इलाज बेहद जरूरी है।

डब्ल्यूएचओ की मानें तो दुनियाभर में लगभग 10 से 15 प्रतिशत गर्भधारण में हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याएं सामने आती हैं। इनमें प्री-एक्लेम्पसिया जैसी गंभीर स्थिति भी शामिल है। गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप से जुड़े विकारों के कारण हर साल दुनियाभर में लगभग 42 हजार महिलाओं की मौत होने का अनुमान है। इसके अलावा, इन समस्याओं के चलते पांच लाख से ज्यादा मृत-जन्म और नवजात शिशुओं की मौत के मामले भी सामने आते हैं। आंकड़े बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान ब्लड प्रेशर की नियमित जांच कितनी महत्वपूर्ण है। समय रहते समस्या की पहचान होने पर उचित इलाज और निगरानी से गंभीर जटिलताओं का खतरा कम किया जा सकता है।

प्री-एक्लेम्पसिया गर्भावस्था से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, जिसमें आमतौर पर 20 सप्ताह के बाद हाई ब्लड प्रेशर विकसित होता है और इसके साथ शरीर के अंगों, खासकर किडनी या लिवर पर असर पड़ने के संकेत मिल सकते हैं। कई बार यूरिन में प्रोटीन की मात्रा भी पाई जाती है। अगर समय पर इसका पता न चले और इलाज न मिले, तो यह मां और बच्चे दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

तेज सिरदर्द, आंखों के सामने धुंधलापन या चमक दिखाई देना, पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, चेहरे और हाथों में अचानक सूजन या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हालांकि, कई महिलाओं में शुरुआत में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते। इसलिए नियमित जांच बेहद जरूरी है।

डब्ल्यूएचओ ने गर्भावस्था में हाई ब्लड प्रेशर से होने वाली मौतों और जटिलताओं को रोकने के लिए 2026 से 2035 और उसके बाद तक की वैश्विक रणनीति पेश की है।

अक्टूबर में पावर प्लांट्स को कोयला आपूर्ति में तेज सुधार, बिजली संकट की आशंकाओं को सरकार ने किया खारिज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अक्टूबर के दौरान बिजली संयंत्रों (पावर प्लांट्स) को कोयले की आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और बिजली संकट की आशंकाओं को लेकर सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्टें भ्रामक हैं। कोयला मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि अक्टूबर में कोयले की आपूर्ति सितंबर की तुलना में औसतन 9 प्रतिशत अधिक रही है और सितंबर के निचले स्तर की तुलना में इसमें लगभग 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि बिजली संयंत्रों में कोयला भंडार कम होने को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है

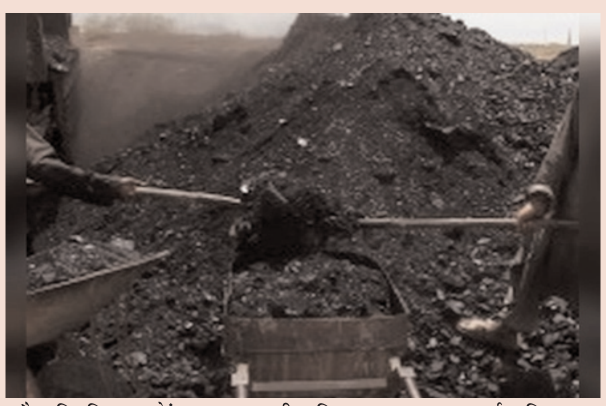

और स्थिति पर केंद्र सरकार की करीबी निगरानी बनी हुई है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, अक्टूबर में रेलवे के माध्यम से कोयले की ढुलाई बढ़कर 465 रेक प्रतिदिन से अधिक के औसत स्तर पर पहुंच गई है। इतना ही नहीं, 470 रेक प्रतिदिन के लक्ष्य को लगातार तीन दिनों तक हासिल किया गया। सड़क मार्ग सहित अन्य माध्यमों से भी कोयला आपूर्ति में सुधार देखा गया है।

कोयला स्टॉक में कमी की गति भी अब काफी धीमी पड़ गई है। सितंबर में जहां बिजली संयंत्रों के भंडार में प्रतिदिन 0.243 मिलियन टन की कमी आ रही थी, वहीं अक्टूबर में यह घटकर 0.116 मिलियन टन प्रतिदिन रह गई है। मंत्रालय का कहना है कि स्थिति धीरे-धीरे स्थिर हो रही है, हालांकि भंडार में वास्तविक पुनर्निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है।

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी बिजली संयंत्र को 'क्रिटिकल स्टॉक' श्रेणी में शामिल किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि उसके पास कोयला समाप्त हो गया है या वह बंद होने की कगार पर है। यह केवल एक पूर्व चेतावनी संकेत है, जो तब जारी किया जाता है जब संयंत्र में निर्धारित मानक स्तर से कम भंडार रह जाता है।

बयान के अनुसार, ऐसे संयंत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता के अनुसार कोयले का पुनर्वितरण कर संवेदनशील बिजलीघरों तक पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

कैंसर मरीजों को बड़ी राहत: दवाओं की कीमतों पर लगाम लगाएगी सरकार, सालाना 2,500 करोड़ रुपए तक की बचत का अनुमान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कैंसर उपचार को अधिक किफायती बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं की आपूर्ति और बिक्री पर लगने वाले व्यापारिक मार्जिन को सीमित करने को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत इन दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का 30 प्रतिशत मार्जिन ही लिया जा सकेगा।

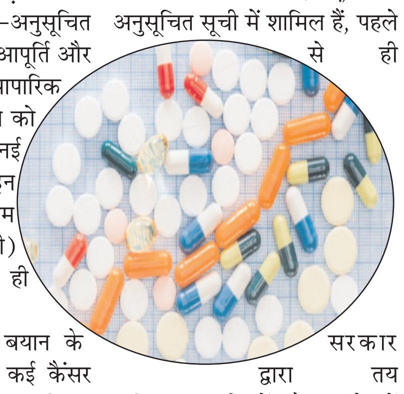

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम से कई कैंसर दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है और मरीजों को हर साल लगभग 2,500 करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे इलाज पर होने वाला जेब से खर्च भी काफी घटने की उम्मीद है।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि वर्तमान में आवश्यक कैंसर दवाएं, जो अनुसूचित सूची में शामिल हैं, पहले से ही सरकार द्वारा तय अधिकतम कीमतों के दायरे में आती हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में ऐसी कैंसर दवाएं भी हैं जो इस सूची में शामिल नहीं हैं और उन पर प्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण लागू नहीं होता।

नई व्यवस्था के माध्यम से सरकार इन गैर-अनुसूचित दवाओं पर भी अप्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण लागू करेगी, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों तक पहुंचने से पहले सप्लाई चेन में अत्यधिक मार्जिन न जोड़ा जाए।

सरकार के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अंतर्गत एक विशेषज्ञ समिति उन दवाओं की सूची तैयार करेगी जिन्हें इस व्यवस्था के तहत शामिल किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) अंतिम अधिसूचना जारी करेगा।

बयान में आगे कहा गया है कि भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अनुमान के अनुसार, प्रति एक लाख आबादी पर लगभग 60 लोग कैंसर से प्रभावित हैं। ऐसे में इलाज की ऊंची लागत कई परिवारों के लिए आर्थिक संकट का कारण बन जाती है।

एनपीपीए के विश्लेषण में पाया गया कि गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर औसतन 170 प्रतिशत तक मूल्य वृद्धि हो जाती है।

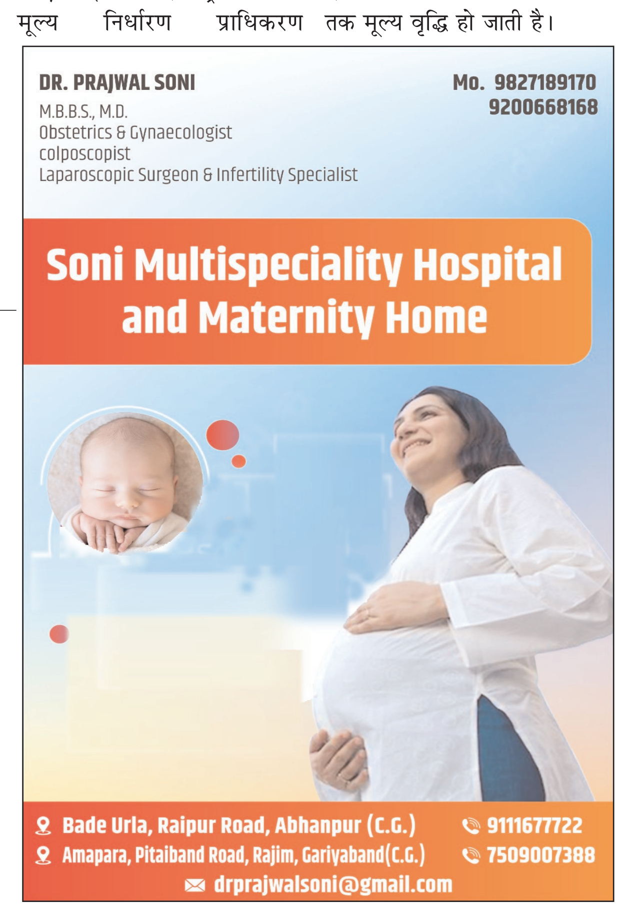

जम्मू-कश्मीर के डोडा में लंपी के 300 से अधिक मामले, पशुपालन विभाग ने तेज किया टीकाकरण अभियान

विश्व केसरी

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में मवेशियों में तेजी से फैल रही लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) ने पशुपालकों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में पिछले तीन महीनों के दौरान 300 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला पशुपालन विभाग ने प्रभावित इलाकों में युद्धस्तर पर टीकाकरण, जागरूकता और इलाज अभियान शुरू कर दिया है।

मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. इरफान अली वानी ने खुद इसकी पुष्टि की और कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, बीमारी पूरी तरह से नियंत्रण में है।

पशुपालन विभाग की टीमें शुक्रवार को बगोर इलाके में घर-घर जाकर पशुओं की जांच और टीकाकरण कर रही हैं। एक स्थानीय किसान ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, 'हम बहुत घबरा गए थे,

जब यहां ये बीमारी आई। यह हमारे लिए रोजगार का एकमात्र साधन है, गांव के सभी लोगों का यही सहारा है। हमने तुरंत पशुपालन विभाग से संपर्क किया। विभाग की टीम तुरंत आई और हमारे पशुओं का टीकाकरण किया। डॉक्टर साहब ने हमें सलाह दी है कि अपने पशुओं के रहने की जगह पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।' उन्होंने आगे बताया, 'पहले हम सभी लोग बहुत डरे हुए थे कि कहीं हमारी गाय मर न जाए। लेकिन अब समय-समय पर टीकाकरण हो रहा है और डॉक्टर खुद गांव-गांव आ रहे हैं। आज पूरी टीम बगोर में आई है और हर घर में जाकर पशुओं को वैक्सीन लगा रही है।'

एक अन्य पशुपालक ने कहा, 'यह बीमारी अचानक फैल रही है, लेकिन अब यहां टीकाकरण अभियान चल रहा है और डॉक्टरों की टीम हर संभव मदद कर रही है। पहले हम बहुत परेशान थे कि हमारे पशुओं का क्या होगा, लेकिन डॉक्टरों के आने के बाद हमें राहत मिली है। हमें उम्मीद है कि समय पर टीकाकरण से यह बीमारी दोबारा यहां नहीं आएगी।'

इस पूरे मामले पर डोडा के मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. इरफान अली वानी ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लंपी स्किन डिजीज का प्रकोप केवल जम्मू-कश्मीर में ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत में देखा जा रहा है। हमारे जिले में भी छिटपुट मामले मिले हैं। पिछले महीने कुछ मामले देखे गए थे और इस महीने भी कुछ नए मामले सामने आ रहे हैं। लेकिन हम शुरू से ही लोगों से कह रहे हैं कि इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। हालांकि, थोड़ी एहतियात बरतने की जरूरत है। यह बीमारी एक संक्रमित पशु के दूसरे स्वस्थ पशु के संपर्क में आने से, या मच्छर और मक्खियों के काटने से फैलती है। जब एक मच्छर संक्रमित पशु को काटकर दूसरे पशु को काटता है तो वायरस फैल जाता है।

डॉ. वानी ने बताया कि विभाग ने अधिक से अधिक टीमों को फील्ड में तैनात किया है। ये टीमें दो तरह से काम कर रही हैं - पहला, लोगों में जागरूकता फैलाना और दूसरा, जहां भी मामले सामने आ रहे हैं, वहां तुरंत इलाज मुहैया कराना। 4 से 5 दिन के इलाज में जानवर ठीक हो जाता है। इसमें सबसे जरूरी बात यह है कि जानवर खाना-पीना न छोड़े।

कलेक्टर ने 20 विद्यार्थियों के दल को दिखाई हरी झंडी

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान, आधुनिक तकनीक और उच्च शिक्षा के नए अवसरों से परिचित कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के 20 विद्यार्थियों को चार दिवसीय एजुकेशन एक्सपोजर विजिट के अंतर्गत भिलाई के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर विश्वदीप ने विद्यार्थियों के दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शैक्षणिक भ्रमण का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई तथा भिलाई स्टील प्लांट का भ्रमण करेंगे। यहां उन्हें औद्योगिक विकास, आधुनिक मशीनों, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उच्च शिक्षा की संभावनाओं को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा।

भिलाई स्टील प्लांट में जानेंगे इस्पात उत्पादन और आधुनिक औद्योगिक तकनीक – भ्रमण के दौरान विद्यार्थी भिलाई स्टील प्लांट में इस्पात उत्पादन की विभिन्न प्रक्रियाओं, अत्याधुनिक मशीनों, औद्योगिक तकनीक और संयंत्र की कार्यप्रणाली से परिचित होंगे। उन्हें कच्चे माल से इस्पात निर्माण तक की प्रक्रिया तथा इसमें विज्ञान, इंजीनियरिंग, आधुनिक तकनीक और कुशल मानव संसाधन की भूमिका को समझने का अवसर मिलेगा।

यह अनुभव विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के व्यावहारिक उपयोग से परिचित कराने के साथ औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार और करियर की संभावनाओं के प्रति जागरूक करेगा। साथ ही विद्यार्थियों में तकनीकी विषयों के प्रति रुचि विकसित होगी और भविष्य में अपनी अभिरुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर चयन करने में सहायता मिलेगी।

आईआईटी भिलाई में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार की दुनिया से होंगे रूबरू – भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक शैक्षणिक वातावरण को करीब से देखने एवं समझने का अवसर मिलेगा।

हत्या के मामले में 19 वर्षीय युवक को आजीवन कारावास

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में हत्या के एक मामले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार टामक की अदालत ने आरोपी कैटिज कुलदीप (19 वर्ष), निवासी ग्राम किलेपर, थाना नरहरपुर को आजीवन कारावास और 1,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। प्रकरण में विशेष अपर लोक अभियोजक शैलेन्द्र तिवारी ने प्रभावी पैरवी की। पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर 2025 को ग्राम किलेपर में किराये पर रहने वाले संतुराम देशमुख का शव उसके घर के पास इमली के पेड़ के नजदीक मिला था। मामले में नरहरपुर थाने में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान कैटिज कुलदीप की संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

मामले में पुलिस द्वारा संकलित साक्ष्यों, गवाहों के बयान और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। प्रकरण की विवेचना एवं साक्ष्य संकलन में हल्बा चौकी पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम में निरीक्षक कोमल भूषण पटेल, सहायक उप निरीक्षक राकेश स्वर्ण सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

नगर पंचायत चारामा में अधिकारियों की कमी से कामकाज प्रभावित

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर पंचायत चारामा में अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी तथा अन्य स्थानों पर अधिकारियों की अटैचमेंट व्यवस्था को लेकर नगर की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। नगर पंचायत के अध्यक्ष भुनेश्वर नागराज ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए शासन-प्रशासन से चारामा की ओर विशेष ध्यान देने की मांग की है।

नगर पंचायत अध्यक्ष का कहना है कि नगर पंचायत चारामा में अधिकारियों के अन्य स्थानों पर अटैच रहने के कारण स्थानीय कामकाज प्रभावित हो रहा है। इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। अपनी समस्याओं और जरूरी कार्यों के लिए नगर पंचायत पहुंचने वाले लोगों को कई बार भटकना पड़ता है। वहीं, पार्षदों को भी वार्डों की समस्याओं के निराकरण में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अधिकारियों की अटैचमेंट से बढ़ी परेशानी – नगर पंचायत की स्थिति को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तीन दिन कांकेर में अटैच रहते हैं। इसी तरह सब इंजीनियर और लेखापाल तीन-तीन दिन नरहरपुर में अटैच बताए गए हैं। निर्माण शाखा के लिपिक तीन दिन भानुप्रतापपुर में अटैच हैं। वहीं, पीआईयू चार दिन कांकेर में तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के सब इंजीनियर तीन दिन नरहरपुर में अटैच बताए गए हैं।

अधिकारियों और कर्मचारियों की इस व्यवस्था के चलते नगर पंचायत चारामा में नियमित रूप से प्रशासनिक कामकाज संचालित करने में दिक्कतें आने की बात कही जा रही है।

पांच कर्मचारी नियमित, बाकी प्लेसमेंट और ठेके पर – नगर पंचायत अध्यक्ष के अनुसार, नगर पंचायत में केवल पांच कर्मचारी नियमित हैं, जबकि बाकी कर्मचारी प्लेसमेंट या ठेके के माध्यम से कार्यरत हैं। ऐसे में अधिकारियों की अनुपलब्धता और कर्मचारियों की स्थिति के कारण नगर के विकास कार्यों एवं आम जनता से जुड़े कार्यों पर असर पड़ने की चिंता जताई जा रही है।

अध्यक्ष ने शासन-प्रशासन से की ध्यान देने की मांग – नगर पंचायत अध्यक्ष भुनेश्वर नागराज ने कहा कि नगर पंचायत में चुने हुए जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन अधिकारियों की अटैचमेंट व्यवस्था के कारण उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आम जनता, पार्षद और अध्यक्ष को अपने कामों के लिए भटकना पड़ रहा है।

उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि नगर पंचायत चारामा में अधिकारियों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि नगरवासियों को समय पर सुविधाएं मिल सकें और विकास कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें। अब सवाल यह है कि नगर पंचायत चारामा की प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए शासन-प्रशासन कब ठोस कदम उठाएगा, ताकि नगरवासियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े।

विश्व दृष्टि दिवस पर आईटीआई अंतागढ़ में जागरूकता कार्यक्रम

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। विश्व दृष्टि दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार 8 अक्टूबर को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) अंतागढ़ में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़, समर्थन रायपुर एवं साइटसेवर्स एनजीओ के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ से नेत्र सहायक रामलु पोटामी, मोबिलाइजर महेश दर्रो एवं नेत्र सहायक भुवनेश्वर देहारी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को नेत्र सुरक्षा, आंखों की देखभाल एवं नेत्रदान के महत्व सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया गया। विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर 'अपनी आंखों से प्रेम' विषय पर निबंध, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अधिकारी-कर्मचारियों हिरामन नाग, संयोजक दिलीप कुमार जांगड़े, सहसंयोजक तरुण कुमार साहू, हिमालय दर्रो, सारिका खापर्डे, प्रीतेश कुमार तोड़ेकर एवं दीक्षा मेहर का सहयोग रहा।

मांझापारा के गायत्री-संतोषी मंदिर में 43वां शारदीय नवरात्रि महापर्व 11 अक्टूबर से

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। मांझापारा स्थित श्री सिद्ध-स्थल वेदमाता मां गायत्री एवं मां संतोषी मंदिर में 43वें शारदीय नवरात्रि महापर्व का आयोजन 11 अक्टूबर से किया जाएगा। पर्व के दौरान ज्योति कलश स्थापना, विशेष पूजन, रामायण पाठ, हवन एवं कन्या भोजन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे।

मंदिर की संस्थापक एवं व्यवस्थापक डॉ. गीता शर्मा तथा महिला रामायण मंडली कचहरी चौक की अध्यक्ष रानी शर्मा ने बताया कि 11 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे ज्योति कलश स्थापना होगी। 15 अक्टूबर को पंचमी पूजन एवं माता का विशेष श्रृंगार, 17 अक्टूबर को शाम 4:30 बजे से रामायण पाठ तथा 19 अक्टूबर को महाअष्टमी हवन-पूजन, कन्या भोजन और शाम 4 बजे ज्योति कलश विसर्जन किया जाएगा। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम 7:20 बजे महाआरती तथा शाम 6 बजे शिव गौरा सेवा समिति द्वारा देवी भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रमों में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

चिरायु योजना बनी वनांचल के बच्चों के लिए संजीवनी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित चिरायु योजना सुदूर वनांचल क्षेत्रों के बच्चों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। योजना के माध्यम से बच्चों में जन्मजात एवं गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में दो स्कूली बच्चों में जन्मजात मोतियाबिंद की पहचान कर उनका रायपुर में निःशुल्क सफल इलाज कराया गया है।

चिरायु टीम अंतागढ़ द्वार शासकीय विद्यालयों में नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है।इसी जांच के दौरान स्कूली छात्र अविनाश नेताम पिता नाम – मन्नू राम ग्राम लामन एवं गजेंद्र कोमरा पिता संतू कोमरा ग्राम चंगोड़ी में जन्मजात मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। चिरायु टीम ने तत्काल दोनों बच्चों को उच्च स्तरीय उपचार के लिए रायपुर रेफर किया। स्वास्थ्य विभाग की पहल मार्गदर्शन में दोनों बच्चों का रायपुर स्थित निजी अस्पताल में पूरी तरह निःशुल्क उपचार कराया गया।

केंद्रीय विद्यालय बीजापुर में संविदा शिक्षकों के लिए वॉक-इन इंटरव्यू 12 अक्टूबर को

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। केंद्रीय विद्यालय बीजापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अंशकालिक एवं अनुबंधित आधार पर संविदा शिक्षकों का पैनल तैयार करने हेतु 12 अक्टूबर 2026 को वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार विद्यालय परिसर में होगा। विद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थियों का पंजीयन सुबह 8:30 बजे से 10:00 बजे तक किया जाएगा, जबकि साक्षात्कार सुबह 10:30 बजे से शुरू होगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से पीजीटी (हिंदी एवं गणित), टीजीटी (गणित), प्राथमिक शिक्षक, काउंसलर, विशेष शिक्षक (प्राथमिक) और योग कोच के पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का पैनल तैयार किया जाएगा।

अभ्यर्थियों के पास KVS के निर्धारित मानदंडों के अनुसार आवश्यक शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता होना अनिवार्य है। B.Ed. एवं CTET योग्यताधारी अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनके अभाव में गैर-CTET अथवा गैर-B.Ed. अभ्यर्थियों पर नियमानुसार विचार किया जा सकता है।

मां आमाबुंदिन शीतला माता मंदिर समिति ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतागढ़ स्थित मां आमाबुंदिन शीतला माता मंदिर समिति द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष संजय ध्रुव के नेतृत्व में समिति के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने पौधों को संरक्षित करने तथा उनके नियमित देखभाल की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। फलदार पौधों से भविष्य में लोगों को फल प्राप्त होंगे, वहीं छायादार वृक्ष गर्मी से राहत देने के साथ पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। समिति के सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण बेहद आवश्यक है। पेड़-पौधे न केवल हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं, बल्कि प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में भी अहम योगदान देते हैं। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है।

गांड़ागौरी पहाड़ी पर स्थित योनि माता मंदिर: आस्था, प्रकृति और लोकविश्वास का अद्भुत संगम

कांकेर जिले के चारामा विकासखंड में स्थित प्राचीन स्थल श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के चारामा विकासखंड अंतर्गत ग्राम गांड़ागौरी की पहाड़ी प्राकृतिक सौंदर्य, प्राचीन शैल-धरोहरों और धार्मिक आस्था के लिए विशेष पहचान रखती है। इसी पहाड़ी पर स्थित योनि माता मंदिर स्थानीय लोगों के बीच अत्यंत श्रद्धा का केंद्र है। मंदिर का विस्तृत इतिहास किसी प्राचीन पुराण, शिलालेख या ऐतिहासिक अभिलेख में उपलब्ध नहीं है। इसकी पहचान मुख्यतः स्थानीय जनश्रुतियों और लोकविश्वासों के आधार पर बनी हुई है।

लोककथा से जुड़ी है मंदिर की पहचान – स्थानीय मान्यता के अनुसार, प्राचीन समय में गांड़ागौरी की पहाड़ी घने जंगलों से आच्छादित थी, जहाँ साधु-संत और आदिवासी समुदाय प्रकृति की आराधना किया करते थे। जनश्रुति है कि एक दिन कुछ चरवाहों ने पहाड़ी की एक विशाल प्राकृतिक शिला में स्त्री-योनि जैसी आकृति देखी। इसे लोगों ने आदि शक्ति का स्वयंभू स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना प्रारंभ कर दी। समय के साथ यह स्थान योनि माता मंदिर के रूप में प्रसिद्ध हो गया।

सृष्टि और मातृत्व की शक्ति का प्रतीक – मंदिर की विशेषता यह है कि यहाँ किसी देवी की पारंपरिक प्रतिमा स्थापित नहीं है। प्राकृतिक शिला में बनी योनि-आकृति को ही देवी का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है। स्थानीय श्रद्धालु इसे सृष्टि, मातृत्व और सृजन-शक्ति का प्रतीक मानते हैं। यह मान्यता भारतीय शाक्त परंपरा से भी जुड़ी हुई मानी जाती है, जिसमें योनि को समस्त सृष्टि की उत्पत्ति का प्रतीक माना गया है।

संतान सुख और मनोकामना पूर्ति की मान्यता – श्रद्धालुओं के बीच ऐसी मान्यता प्रचलित है कि संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपति यहाँ पूजा-अर्चना करते हैं। विवाह में आने वाली बाधाओं के निवारण तथा अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भी श्रद्धालु माता के दरबार में प्रार्थना करते हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होती है तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु नारियल, चुनरी और श्रृंगार सामग्री अर्पित करते हैं। हालांकि इन मान्यताओं का आधार स्थानीय परंपरा है और इनके समर्थन में ऐतिहासिक अथवा वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

देवकुंड भी आकर्षण का केंद्र – योनि माता मंदिर के समीप स्थित देवकुंड भी धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि इस कुंड में वर्षभर जल बना रहता है और इसका पानी पवित्र माना जाता है। प्राकृतिक वातावरण से घिरी गांड़ागौरी की पहाड़ी अपने प्राचीन अवशेषों, शैल संरचनाओं और शांत वातावरण के कारण भी पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है।

लोकआस्था से मिली पहचान– उपलब्ध सार्वजनिक ऐतिहासिक स्रोतों में ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिलता कि योनि माता मंदिर का निर्माण किसी विशेष राजा या शासक द्वारा कराया गया था अथवा इसकी कोई विस्तृत पौराणिक कथा लिखित रूप में उपलब्ध हो।

इसके बावजूद स्थानीय लोगों की अटूट आस्था और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं ने इस स्थल को क्षेत्र की महत्वपूर्ण धार्मिक धरोहर के रूप में स्थापित किया है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251